हिंदी दैनिक
कोयलांचल संवाद
रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित
रांची, बुधवार, 8 अप्रैल, 2026 वर्ष : 13 अंक : 312 मूल्य : 3 रुपए
www.koylanchalsamvad.com

YouTube Subscribe
Koylanchal samvad news

सरकार बोली- अदालत धार्मिक मामलों में दखल न दे: सबरीमाला केस में... | नेतन्याहू का ग्रेटर इजराइल का सपना, सारी दुनिया पर पड़ा भारी | एमएसएमई को मिलेगी बड़ी राहत! सरकार ला सकती है 2.5 लाख...

ईरान के खार्ग आइलैंड पर हमला: डेडलाइन खत्म होने से पहले ऑयल टर्मिनल को निशाना बनाया; ईरान बोला- अमेरिका के दोस्तों पर अटैक करेंगे

रिवोल्यूशनरी गार्ड्स का बयान-अब तक पड़ोसी देशों के कारण संयम रखा, लेकिन अमेरिकी कार्रवाई जारी रही तो कठोर जवाब तय

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी : अमेरिका और इजराइल ने मंगलवार को ईरान के खार्ग आइलैंड पर हमला किया है। ईरानी मीडिया के मुताबिक, यहां ऑयल टर्मिनल को निशाना बनाया गया है। ईरान के करीब 80 से 90% कच्चे तेल का निर्यात खार्ग आइलैंड से होता है। यहां बड़े तेल टर्मिनल, पाइपलाइन, स्टोरेज टैंक और जहाजों में तेल भरने की फैसिलिटी मौजूद हैं। इससे हर दिन करीब 70 लाख बैरल तक तेल जहाजों में भरा जा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कुछ दिन पहले धमकी दी थी कि अगर ईरान ने मंगलवार रात 8 बजे (अमेरिका समयानुसार) तक होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोला तो उसके जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया जाएगा। वहीं ईरानी सेना ने कहा कि अब वे चुप नहीं बैठेंगे। अमेरिका और उसके साथियों के ठिकानों पर हमला किया जाएगा।

ईरान की धमकी- अब मिडिल ईस्ट के बाहर भी हमला करेंगे

ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने मंगलवार को अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी कि उनका जवाब सिर्फ मिडिल ईस्ट तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह वहां के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी निशाना बना सकते हैं। गार्ड्स ने अपने बयान में कहा कि अब तक उन्होंने संयम बरता था, लेकिन अब वह खत्म हो चुका है। बयान

में कहा गया कि ईरान अब अमेरिका और उसके सहयोगियों के ऐसे ढांचे को निशाना बना सकता है, जिससे उन्हें इस इलाके के तेल और गैस संसाधनों से दूर कर दिया जाए।

कतर के दो जहाजों को ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पार करने से रोका

ईरान युद्ध की वजह से भारत में एलपीजी का संकट तो है ही अब जैसी सूचना सामने आ रही है, ऐसा लगता है कि कुछ ही दिनों में देश में पीएनजी और सीएनजी का संकट भी दिखने लगेगा. न्यूज एजेंसी रायटर्स ने सूत्रों के हवाले से यह खबर दी कि है कि ईरान ने कतर के दो जहाजों को होर्मुज स्ट्रेज से गुजरने नहीं दिया है जिसपर एलएनजी के टैंकर भरे हुए थे. एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) से ही पीएनजी और सीएनजी का निर्माण किया जाता है.

ईरान ने रोका कतर का तेल टैंकर: सूत्रों के हवाले से रायटर्स ने जो जानकारी दी है उसके अनुसार कतर का दो जहाज अल दायेन और राशिदा पूर्व की ओर बढ़ रहा था, लेकिन रास्ता नहीं मिलने की वजह से दोनों जहाज वापस कतर की ओर चले गए हैं. ये दोनों जहाज चीन और पाकिस्तान की ओर आ रहे थे, लेकिन अब वापस कतर चले गए हैं. 28 फरवरी से ईरान युद्ध शुरू हुआ है और उसके बाद से होर्मुज स्ट्रेट से आवाजाही प्रभावित है, जिसकी वजह से भारत में गैस का संकट बरकरार है.

कतर से सप्लाई रूकी, तो भारत में गहराएगा पीएनजी और सीएनजी संकट: भारत में अभी पीएनजी और सीएनजी की जितनी डिमांड है, उसका 50% भारत आयात करता है. शेष 50% का भारत में उत्पादन होता है.भारत जितना एलएनजी आयात करता है उसका अधिकतर हिस्सा कतर से आता है, लेकिन युद्ध के बाद से कतर से एलएनजी की सप्लाई बाधित है. अगर यही स्थिति रही, तो संभव है कि देश में पीएनजी और सीएनजी की सप्लाई भी बाधित हो जाए. एलपीजी संकट को देखते हुए पिछले दिनों सरकार ने पीएनजी को बढ़ावा देने की बात कही थी. इसके पीछे का उद्देश्य देश में गैस संकट को नियंत्रित रखना था, लेकिन अब जैसी सूचना सामने आ रही है, वह कुछ और संकेत देते हैं.

तुर्किये में इजराइली दूतावास के बाहर गोलीबारी:पुलिस ने दो हमलावरों को मारा, एक को पकड़ा

तुर्किये के इंस्तानबुल शहर में मंगलवार को इजराइल के कॉन्सुलेट के पास गोलीबारी हुई। कुछ लोग बंदूक लेकर वहां पहुंचे और उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाब में गोली चलाई। इस गोलीबारी में 2 हमलावर मारे गए और एक को पुलिस ने पकड़ लिया। एक पुलिसवाला भी घायल हो गया। घटना के बाद पूरे इलाके को घेर लिया गया और सुरक्षा बढ़ा दी गई। तुर्किये के मंत्री अकिन गुरलेक ने कहा है कि इस मामले की जांच की जा रही है। अभी तक हमलावरों का मकसद पता नहीं चल पाया है। वहीं ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमले के खतरे के बाद अमेरिका ने बहरीन से अपने करीब 1500 नाविकों को वापस बुला लिया है। बहरीन में अमेरिका की नेवी का 5th फ्लीट मौजूद है, जो पूरे मिडिल ईस्ट में समुद्री ऑपरेशन संभालती है। व्हाइट हाउस में ट्रम्प ने कहा कि उन्हें लगता है कि ईरान के नेता बातचीत तो कर रहे हैं, लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि कोई समझौता होगा या नहीं।

ईरानी राजदूत की अपील- खाड़ी देश जंग रोकने आगे आएं: कुवैत में ईरान के राजदूत मोहम्मद तूतूंजी ने खाड़ी देशों से अपील की है कि वे इस तनाव को कम करने के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि अगर हालात और बिगड़े, तो इसका बहुत बुरा असर पूरे क्षेत्र पर पड़ेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि क्षेत्र के देश अपनी ताकत और कूटनीति का इस्तेमाल करके इस बड़ी तबाही को रोकेंगे।

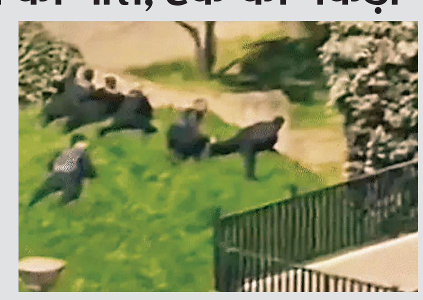

संक्षिप्त खबरें

एयर इंडिया ने बढ़ाया फ्यूल सरचार्ज, दूरी के अनुसार अब अलग शुल्क लागू

मुंबई (ईएमएस)। एयर इंडिया ग्रुप ने दुनिया भर में विमान ईंधन की कीमतों में लगातार उछाल के चलते अपनी उड़ानों पर फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने का फैसला किया है। यह नई व्यवस्था 8 अप्रैल से ज्यादातर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय रूटों पर लागू होगी, जबकि यूरोप, उत्तरी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के लिए यह बढ़ा हुआ शुल्क 10 अप्रैल से लागू होगा। एयरलाइन का कहना है कि यह कदम पेट्रोलियम और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के बीच हुई चर्चाओं के बाद उठाया गया है। घरेलू हवाई ईंधन की बढ़ती कीमतों पर 25 प्रतिशत की सीमा तय की गई थी। कंपनी ने लागत संतुलित करने के लिए यात्रियों से अतिरिक्त शुल्क लेना आवश्यक समझा। घरेलू उड़ानों के लिए एयर इंडिया ने अब फ्यूल सरचार्ज में नई प्रणाली अपनाई है। पहले सभी यात्रियों के लिए एक समान शुल्क लिया जाता था, लेकिन अब यह दूरी के आधार पर तय होगा। यानी जितनी लंबी यात्रा, उतना अधिक शुल्क। एयरलाइन का कहना है कि यह बदलाव ईंधन लागत में बढ़ोतरी के बोझ को यात्रियों पर संतुलित रूप से बांटने के लिए किया गया है।

रणवीर सिंह बने जिंदल स्टेनलेस के पहले ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की प्रमुख स्टेनलेस स्टील निर्माता जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह

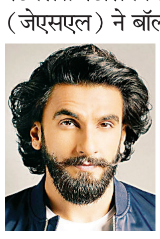

को अपना पहला ब्रांड एंबेसडर और देशव्यापी सेलिब्रिटी एंडोर्सर घोषित किया है। कंपनी का उद्देश्य अपने ब्रांड और उपभोक्ताओं के बीच मजबूत संबंध स्थापित करना है। कंपनी ने कहा कि रणवीर सिंह का व्यक्तित्व और दर्शकों से जुड़ाव उन्हें इस भूमिका के लिए उपयुक्त बनाता है। यह साझेदारी स्टेनलेस स्टील की बहुमुखी उपयोगिता को देशभर के लोगों तक पहुंचाने में मदद करेगी। जेएसएल के पास भारत और विदेशों में 16 विनिर्माण एवं प्रसंस्करण इकाइयां हैं, जिनमें स्पेन और इंडोनेशिया शामिल हैं। मार्च 2025 तक कंपनी का नेटवर्क 12 देशों में फैला हुआ था।

एअर इंडिया सीईओ कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दिया:अहमदाबाद प्लेन क्रैश की रिपोर्ट आने के बाद पद छोड़ेंगे

नई दिल्ली: एअर इंडिया के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दे दिया है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने मंगलवार को सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी। कई मीडिया

रिपोर्ट्स में कहा गया है कि एयर इंडिया ने नए सीईओ की तलाश भी शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, विल्सन सितंबर में अपना पद छोड़ सकते हैं। पिछले हफ्ते हुई कंपनी की बोर्ड बैठक में उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। विल्सन को 2022 में एअर इंडिया का सीईओ और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया था। उनका कॉन्ट्रैक्ट 5 सालों के लिए, जुलाई 2027 तक था। रिपोर्ट्स के अनुसार, एयरलाइन अहमदाबाद प्लेन क्रैश की फाइनल जांच रिपोर्ट आने के बाद नए सीईओ की नियुक्ति करेगी। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने 12 जुलाई 2025 को हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की थी। अंतिम रिपोर्ट जून 2026 में आ सकती है। विल्सन के इस्तीफे पर एअर इंडिया ने कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि एअर इंडिया नए सीईओ के लिए संभावित उम्मीदवारों के साथ हाई लेवल बातचीत कर रही है। इस संबंध में अगले हफ्ते एक अहम बैठक भी होने वाली है। दावे के मुताबिक, कंपनी ने नए सीईओ की तलाश जनवरी में ही शुरू कर दी थी, जब विल्सन ने कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने के बाद पद छोड़ने के संकेत दिए थे।

असम : हेमंत सोरेन ने कामाख्या धाम में की पूजा-अर्चना, झारखंड की समृद्धि की कामना

गुवाहाटी/रांची: झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने मंगलवार को असम के गुवाहाटी स्थित प्रसिद्ध मां कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने झारखंड के लोगों की सुख-समृद्धि, शांति और उज्जवल भविष्य की कामना की। सीएम मंदिर परिसर पहुंचे और पूरे विधि-विधान के साथ पूजा की। मंदिर के पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा संपन्न कराई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मां कामाख्या के चरणों में शीश झुकाकर राज्य के सर्वांगीण विकास और जनकल्याण की प्रार्थना की।

राज्य की तरक्की की मांगी कामना

पूजा के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें एक बार फिर मां कामाख्या के दरबार में आने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि मां की कृपा से झारखंड लगातार प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़े और राज्य के लोगों का जीवन बेहतर हो, यही उनकी कामना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मां कामाख्या के दरबार में पुनः आने का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है. उन्होंने विश्वास जताया कि माता रानी की कृपा से झारखंड निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा.

गौरतलब है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इस बार असम विधानसभा चुनाव में भी अपने प्रत्याशी उतारे हैं. ऐसे में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का यह दौरा न सिर्फ धार्मिक बल्कि राजनीतिक रूप से भी अहम माना जा रहा है. बता दें कि असम विधानसभा चुनाव के लिए 9 अप्रैल को वोटिंग होनी है.

मंत्री इरफान अंसारी का ऐलान, झारखंड में लागू होगा हेल्थ कार्ड

झारखंड की सेहत पर फोकस, 1200 डॉक्टर और 17 हजार से ज्यादा कर्मियों की होगी बहाली

रांची : विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने राज्यवासियों को शुभकामनाएं देते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कई अहम घोषणाएं कीं. मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर के बिना धन का कोई महत्व नहीं है और लोगों को अपनी जीवनशैली में सुधार करना जरूरी है. उन्होंने रोजाना 30 मिनट व्यायाम, योग और फलाहार को अपनाने की सलाह दी ताकि लोग बेहतर और स्वस्थ जीवन जी सकें. उन्होंने बताया कि राज्य सरकार स्वास्थ्य की गारंटी देने की दिशा में काम कर रही है. इसके तहत एक हेल्थ कार्ड योजना लाने की तैयारी है. इस योजना का उद्देश्य यह है कि बच्चे के जन्म के साथ ही उसे स्वास्थ्य सुरक्षा से जोड़ दिया

जाए, ताकि भविष्य में इलाज को लेकर परिवार को आर्थिक चिंता न हो. रक्त की उपलब्धता को लेकर मंत्री ने कहा कि कोर्ट के कुछ निर्देशों के कारण फिलहाल दिक्कतें सामने आ रही हैं. इस समस्या के समाधान के लिए सरकार एक नई एजेंसी लाने जा रही है, जो जिला अस्पतालों, निजी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों जैसे एमजीएम, धनबाद और दुमका में ब्लड उपलब्ध कराएगी. इसके लिए जल्द ही एक टोल फ्री नंबर भी जारी किया जाएगा ताकि लोगों को आसानी से मदद मिल सके. उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में झारखंड की स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है. भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार राज्य स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है. उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की मेहनत को दिया और भरोसा जताया कि जल्द ही झारखंड को पहले स्थान पर लाया जाएगा.

स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर नियुक्तियों की घोषणा भी की गई. उन्होंने बताया कि जल्द ही 1200 डॉक्टरों की बहाली होगी. इसके अलावा 7500 एएनएम और जीएनएम की नियुक्ति की जाएगी, जो पिछले तीन साल से लंबित थी. साथ ही 10000 तकनीशियनों की भर्ती भी की जाएगी. हर अस्पताल में हॉस्पिटल मैनेजर की नियुक्ति की जाएगी ताकि मरीजों की शिकायतों का तुरंत समाधान हो सके. विवादों पर जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि चाईबासा और सदर अस्पताल में गलत जांच रिपोर्ट, जिसमें एचआईवी से जुड़े आरोप भी शामिल हैं, उसकी जांच कराई जाएगी. हालांकि उन्होंने सदर अस्पताल के कामकाज का बचाव भी किया. उन्होंने कहा कि कई बार मरीज पुराने दस्तावेज दिखाकर भी भ्रम की स्थिति पैदा कर देते हैं. रिम्स के निदेशक द्वारा अपने बेटे को नौकरी देने के मामले को उन्होंने तकनीकी विषय बताते हुए कहा कि इसकी भी जांच की जा रही है.

अगले साल समय पर होंगे पंचायत चुनाव, 27% ओबीसी आरक्षण लागू होगा: मंत्री दीपिका पांडेय सिंह

रांची : झारखंड में अगले वर्ष होने वाले पंचायत चुनाव को लेकर सरकार ने साफ कर दिया है कि चुनाव तय समय पर ही कराए जाएंगे। ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा

कि चुनाव में किसी तरह की देरी नहीं होगी और इसके लिए विभाग पूरी तरह सक्रिय है। उन्होंने बताया कि पंचायत चुनाव लोकतंत्र की मजबूत नींव हैं। इसलिए सरकार की प्राथमिकता है कि सभी तैयारियां समय पर पूरी हों और चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि हर जरूरी प्रक्रिया तय समयसीमा के अंदर पूरी कर ली जाए। दीपिका पांडेय सिंह ने साफ कहा कि इस बार पंचायत चुनाव 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के साथ कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा है, जिस पर सकारात्मक संकेत मिले हैं। मंत्री ने कहा कि ओबीसी आरक्षण लागू करने के लिए ओबीसी आयोग और राज्य चुनाव आयोग से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं तेजी से पूरी की जा रही हैं, ताकि चुनाव में कोई बाधा न आए। मंत्री ने कहा कि सरकार सामाजिक न्याय और बराबरी के सिद्धांत पर काम कर रही है। पंचायत चुनाव में सभी वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व मिले, यह सुनिश्चित किया जाएगा।

अधिकारियों को सख्त निर्देश: दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे चुनाव से जुड़ी तैयारियों में किसी तरह की लापरवाही न बरतें। हर काम तय समय पर पूरा होना चाहिए ताकि चुनाव प्रक्रिया बिना किसी परेशानी के पूरी हो सके।

महिला वकील से मारपीट मामले में अधिवक्ता महेश तिवारी दोषी करार

रांची : झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता महेश तिवारी का प्रैक्टिस लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई महिला वकील के साथ बदसलूकी और मारपीट के मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद की गई है। सस्पेंशन के दौरान वह देश की किसी भी अदालत में वकालत नहीं कर पाएंगे। मामला वर्ष 2012 का है। आरोप है कि झारखंड हाईकोर्ट परिसर में अधिवक्ता महेश तिवारी ने महिला वकील ऋतु कुमार के साथ बदसलूकी की थी। इस दौरान मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया था। करीब 14 वर्षों तक चले इस मामले में निचली अदालत ने महेश तिवारी को दोषी पाया है। कोर्ट ने उन्हें दो साल की सजा सुनाई है। इस फैसले के बाद उनके पेशेवर अधिकारों पर भी असर पड़ा है। बार काउंसिल के नियमों के अनुसार, किसी अधिवक्ता को आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने और सजा मिलने की स्थिति में उसके प्रैक्टिस करने के अधिकार पर रोक लग सकती है।

पाकिस्तान में आज से लॉकडाउन! रात 8 बजे के बाद बाजार, शॉपिंग मॉल बंद, 10 बजे के बाद शादियों पर पाबंदी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पेट्रोलियम उत्पादों, ऊर्जा संरक्षण और खर्च में कटौती को लेकर एक हाई लेवल बैठक की. जिसमें फैसला लिया गया कि पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, इस्लामाबाद कैपिटल टेरिटरी, गिलगित-बाल्टिस्तान और आजाद जम्मू और कश्मीर प्रांतों में बाजारें, मंडियां और शॉपिंग मॉल रात 8 बजे बंद हो जाएंगे. प्रतिबंध 7 अप्रैल से प्रभावी होंगे.

खैबर पख्तूनख्वा में रात 9 बजे बंद हो जाएंगे बाजार, शॉपिंग मॉल

खैबर पख्तूनख्वा के डिविजनल मुख्यालयों में बाजारें, मंडियां और शॉपिंग मॉल को रात 9 बजे तक खुला रहने की अनुमति होगी. रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजों की दुकानें, डिपार्टमेंटल स्टोर और सभी प्रकार के मॉल भी रात 8 बजे बंद हो जाएंगे.

रात 10 बजे के बाद शादी समारोह पर रोक

बेकरी, रेस्तरां, तंदूर और खाने-पीने की अन्य जगहें रात 10 बजे बंद हो जाएंगी. मैरिज हॉल, मार्की और अन्य व्यावसायिक स्थल जहां शादियां होती हैं, वे रात 10 बजे के बाद बंद रहेंगे. रात 10 बजे के बाद निजी संपत्तियों और घरों में भी शादी समारोह आयोजित करने पर प्रतिबंध रहेगा.

लॉकडाउन में इन चीजों पर प्रतिबंध नहीं

पाकिस्तान सरकार ने लॉकडाउन के दौरान कुछ जरूरी चीजों को प्रतिबंध से दूर रखा है. बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा- मेडिकल स्टोर और फार्मेसियों के खुलने के समय को इन प्रतिबंधों से छूट दी जाएगी.

सार्वजनिक परिवहन फ्री

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि गिलगित शहर और मुजफ्फराबाद शहर में अंतर-शहरी सार्वजनिक परिवहन (बस) एक महीने के लिए मुफ्त रहेगा. इसका सारा खर्च संघीय सरकार वहन करेगी.

ईरान संकट और तेल आपूर्ति पर असर

सरकार के अनुसार, यह कदम मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के कारण उठाया गया है। 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हमलों के बाद क्षेत्र में तनाव बढ़ गया, जिससे होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल आपूर्ति बाधित हुई। यह मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 25% हिस्सा संभालता है, और इसकी बाधा से ईंधन की कीमतों में तेज़ उछाल देखा गया है।

मुजफ्फराबाद और गिलगित में राहत

सरकार ने गिलगित और मुजफ्फराबाद में नागरिकों को राहत देते हुए एक महीने तक इंटरसिटी पब्लिक ट्रांसपोर्ट मुफ्त करने की घोषणा की है। इसका पूरा खर्च केंद्र सरकार उठाएगी।इस बीच, सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने कराची में व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों से बैठक की। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में सभी को जिम्मेदारी निभानी होगी और सरकार ऐसे कदम उठाएगी जिससे आम जनता, खासकर गरीब वर्ग पर कम से कम बोझ पड़े।

असम, केरल में चुनाव प्रचार थमा, 'साइलेंस पीरियड' लागू

नई दिल्ली,(ईएमएस)। निर्वाचन आयोग ने असम, केरल और पुडुचेरी में चुनाव प्रचार पर रोक लगाने के लिए 'साइलेंस पीरियड' लागू कर दिया है। यह अवधि मंगलवार शाम 5 बजे से शुरू हो गई, जो संबंधित क्षेत्रों में मतदान समाप्त होने से 48 घंटे पहले लागू होती है। रिप्रेजेंटेशन ऑफ द प्यूपिल एक्ट 1951 की धारा 126 के तहत इस दौरान किसी भी प्रकार के चुनाव प्रचार पर पूर्ण प्रतिबंध रहता है। इसके अंतर्गत उम्मीदवारों द्वारा जनसभाएं, रैलियां, जुलूस, जनसंपर्क अभियान और अन्य प्रचार गतिविधियां नहीं की जा सकतीं। आयोग ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी प्रचार पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही बल्क एसएमएस, फोन कॉल और ऑनलाइन माध्यमों के जरिए वोट मांगना भी प्रतिबंधित रहेगा। चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि बाहरी राज्यों से आए राजनीतिक पदाधिकारी और कार्यकर्ता, जो संबंधित राज्य के मतदाता नहीं हैं, वे प्रचार समाप्त होते ही क्षेत्र छोड़ दें। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री व डीएमके के अध्यक्ष स्टालिन ने कहा कि पुडुचेरी विधानसभा 14 बार राज्य का दर्जा देने का प्रस्ताव पारित कर चुकी है, लेकिन केंद्र ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

बोकारो ट्रेजरी से 3.15 करोड़ की अवैध निकासी मामले में अकाउंटेंट गिरफ्तार

उच्चस्तरीय जांच समिति का हुआ गठन

बोकारो: बोकारो पुलिस विभाग की ट्रेजरी से वेतन मद में 3.15 करोड़ रुपये की संदिग्ध निकासी के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर ट्रेजरी ऑफिसर द्वारा बोकारो स्टील सिटी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। जांच में सामने आया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान पुलिस उप निरीक्षक उपेंद्र सिंह के नाम से निकाली गई राशि अन्य खातों में ट्रांसफर की गई। इस मामले में पुलिस विभाग के अकाउंटेंट कौशल कुमार पांडेय को गिरफ्तार किया गया है, जिसने रकम अपनी पत्नी के खाते में भेजी थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी को जांच का आदेश दिया, जिसके बाद संबंधित खातों को फ्रीज करने और विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए गए। साथ ही ट्रेजरी से हुई निकासी की विस्तृत जांच के लिए उप-विकास आयुक्त की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति गठित की गई है, जिसे एक सप्ताह में रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

अभिषेक वर्मा की हत्या के मामले को लेकर चंद्रवंशी समाज की हजारीबाग में राज्य स्तरीय बैठक

घटना में शामिल सभी हत्यारों को गिरफ्तार करने व पीड़ित परिजन को नौकरी व मुआवजा देने की मांग

हजारीबाग। हजारीबाग रामनवमी की जुलूस में 29 मार्च को बड़ा बाजार निवासी अभिषेक कुमार वर्मा की हुई नृशंस हत्या के मामले को लेकर चंद्रवंशी समाज की राज्य स्तरीय बैठक जिला परिसदन हजारीबाग में हुई। बैठक में झारखंड मुक्ति मोर्चा के देवघर जिलाध्यक्ष राहुल कुमार चंद्रवंशी, वरीय पत्रकार उमेश प्रताप, माकपा के जिला सचिव गणेश कुमार सिट्टू, विजय वर्मा (अमृतनगर) कांग्रेसी नेता सुरजीत नागवाला, विजय वर्मा (खपरियावां), सागर वर्मा (रांची), पप्पू चंद्रवंशी, प्रदीप रवानी, किशोर रवानी, भीम रवानी, सुरज कुमार सिंह, देवेंद्र चंद्रवंशी, महेश चंद्रवंशी, संदीप कुमार चंद्रवंशी, राजेश वर्मा, राकेश वर्मा, अनिकेश वर्मा (देवघर), विजय वर्मा, सुधीर चंद्रवंशी (डाल्टेनगंज) अमित कुमार रवानी बीरेंद्र कुमार उर्फ बीरु (बगोदर), सुखदेव प्रसाद रवानी, प्रदीप रवानी, किशोर रवानी, मनोज रवानी सहित राज्य के विभिन्न जिलों से चंद्रवंशी समाज के सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। चंद्रवंशी समाज के लोगों ने एकजुट होकर अभिषेक कुमार वर्मा की हत्या में शामिल सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार करने और पीड़ित परिवार को नौकरी व समुचित मुआवजा देने की मांग जिला प्रशासन से किया। राहुल चंद्रवंशी ने कहा कि चंद्रवंशी समाज अब अत्याचार बर्दाश्त नहीं करेगा, मृतक के परिजनों को पूरा इंसाफ मिलनी चाहिए। हम सभी पीड़ित परिवार के साथ हैं, जो भी सहयोग की जरुरत पड़ेगी उसे किया जायेगा। चंद्रवंशी समाज पीड़ित परिवार को न्याय दिला कर रहेगा।

संक्षिप्त खबरें...

मंजूर अंसारी को अल्पसंख्यक नेताओं ने दी हार्दिक बधाई

हजारीबाग। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष मंजूर अंसारी को अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा माइनॉरिटी एडवाइजरी काउंसिल का सदस्य नियुक्त किए जाने पर बधाई का तांता लग गया है । बधाई देने वालों में कांग्रेस मीडिया विभाग के जिला अध्यक्ष निसार खान जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष साजिद अली खान जिला महासचिव बाबर अंसारी, सलीम रजा, मोहम्मद रब्बानी, माशूक अंसारी, नौशाद आलम, सदरूल होदा, बबलू अंसारी, तारिक रजा, अफरोज आलम, मोहम्मद वारिस अधिवक्ता इजहार हुसैन, निसार अहमद भोला, मोहम्मद रियाजउद्दिन शामिल हैं । ज्ञात हो इस कमिटी में तारिक अनवर, गुलाम अहमद मीर, सलमान खुर्शीद, अभिषेक मनु सिंघवी, गुरदीप सिंह सप्पल जैसी शख्सियत को रखा गया है ।

जेएलकेएम जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष ने किया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

बड़कागांव(हजारीबाग)। बड़कागांव प्रखंड के चेपाखुर्द में विगत कई दिनों से ट्रांसफार्मर जला हुआ था। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीता साहु को दी।जिस पर शीघ्र कार्रवाई करते हुवे सुनीता साहु ने विभाग के एसी को इसकी सूचना दी। जिसमें कनीय अभियंता प्रदीप प्रजापति के द्वारा 100 केबी का ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया । मंगलवार को जिला महिला मोर्चा के अध्यक्ष सुनीता साहू के द्वारा फीता काटकर बिजली ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया गया। और पूर्व की तरह सुचारू रूप से बिजली बहाल कराया गया। सुनीता साहु ने कहा कि अगर बड़कागांव विधानसभा में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के विधायक रहेगा ,उस दिन से बिजली का समस्या नहीं रहेगी I मौके पर मुख्यरूप से जेएलकेएम प्रखंड मीडिया प्रभारी तारकेश्वर महतो, टिंकु देवी ,अमली देवी, आशा देवी, छठिया देवी, गीता देवी ,रेणुका देवी, कौशीला देवी, पर्वती देवी, सुरेन्द्र राम, विक्की करमाली, शंकर साव, विकास यादव,राजा करमाली, रंजीत साव, गणेश यादव,रंधीर साव व दर्जनों लोग उपस्थित थे।

विश्रामपुर थाना क्षेत्र के हारहेपा गांव का एक युवक का शव कुआं से हुआ बरामद, पुलिस कर रही जांच

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : विश्रामपुर थाना क्षेत्र के हरेपा गांव निवासी सुनील साव का 22 वर्षीय पुत्र प्रवेश कुमार साव का शव पुलिस ने मंगलवार को कुआं से बरामद किया है। जानकारी के अनुसार प्रवेश कुमार साव बुधवार को उंटारी रोड थाना क्षेत्र के मुरमा कला अपने रिश्तेदार के यहां गया था। जहां उसका शव ग्रामीणों ने मंगलवार की सुबह कुआं में देखा। जिसके बाद परिजनों ने उसे बाहर निकाला और मेदिनीनगर मेदनिराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिट ले गए। जहां जांचोपरांत डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर मौत की खबर सुनते ही परिजनों का रो- रो कर बुरा हाल है। पुलिस शव को कब्जे में कर पोस्मार्टम हेतु भेजा। इधर थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार दुबे ने बताया कि पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा मनाया गया विश्व स्वास्थ्य दिवस

हजारीबाग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, हजारीबाग के बैनर तले मंगलवार को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हजारीबाग में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम प्रधान जिला न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, हजारीबाग रंजीत कुमार के निर्देशानुसार एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, हजारीबाग गौरव खुराना के देखरेख में किया गया। इस पूरे कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से अधिकार मित्र दीपक कुमार, विकास कुमार पांडेय, अमित कुमार एवं उमाशंकर योगी के द्वारा संयुक्त रूप से लोगों को स्वस्थ रहने का मूल मंत्र दिया गया।कार्यक्रम में बतलाया गया कि हम अक्सर अपनी व्यस्त जिंदगी में स्वास्थ को नजर अंदाज कर देते हैं लेकिन पहला सुख निरोगी काया वाली बातें हमें कभी नहीं भूलनी चाहिए, एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। केवल बीमारियों का ना होना ही स्वास्थ्य नहीं है बल्कि मानसिक, शारीरिक और सामाजिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ होना ही असली स्वास्थ्य है, इसके लिए हमें पौष्टिक भोजन का सेवन करना चाहिए, योग एवं व्यायाम को अपने दिनचर्या बनाना चाहिए,अपने आसपास स्वच्छ रखना चाहिए, एवं मानसिक शांति के लिए ध्यान करनी चाहिए।

आठवें पेंशन पुनर्निरीक्षण से वंचित करने के विरोध में पेंशनर समाज ने निकाला मौन जुलुस, काला बिला लगाकर किया प्रदर्शन

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : केंद्र सरकार के द्वारा आठवें पेंशन पुनर्निरीक्षण से पूर्व के पेंशनधारकों को बाहर किये जाने के फैसले के विरोध में पेंशनर समाज के लोगों ने विश्रामपुर में काला बिला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया,साथ ही मौन जुलुश निकाला। इस विरोध प्रदर्शन में पेंशनर समाज के विश्रामपुर व पांडू प्रखंड कमिटी शामिल रही। पेंशनर समाज के प्रखंड अध्यक्ष राम लगन राम ने कहा कि केंद्र सरकार ने एक जनवरी 26 से पूर्व पेंशनधारकों को पेंशन पुनर्निरीक्षण के लाभ से वंचित कर दिया है,जो कहीं से भी न्यायसंगत नहीं है। मौन प्रदर्शन की समाप्ति से पहले संघ के लोगों ने बीडीओ राजीव कुमार सिंह को अपना मांगपत्र सौंपा। मौके पर चतुर्गुण राम,रामनाथ राम,रामचंद्र यादव,रविन्द्र प्रसाद चौबे,जग जीवन राम,राम विकाश सिंह,उदय राम,मुन्नी तिवारी,बलि यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

दो वाहनों के बीच हुई भिड़ंत में तीन लोग गंभीर रूप से घायल

बरकट्ठा(हजारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोषमा मलेशिया मोड़ के समीप दो वाहनों के बीच हुई भिड़ंत में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।मंगलवार की सुबह मलेशिया मोड़ के समीप वाटर सप्लाई करने वाले टेंपो को बरही की ओर से आ रही मोटर साइकिल ने जोरदार टक्कर मार दिया. हादसे में मोटर साइकिल सवार ग्राम बगोदर निवासी राजा साह 20 वर्ष, दानीस साह 18 वर्ष दोनों पिता सरवर साह तथा सकलैन साह 19 वर्ष पिता एकतार साह घायल हो गये। घायलों को इलाज इलाज के लिए बरकट्ठा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।जहाँ से चिकित्सक ने राजा साह को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

हजारीबाग जिले के चार विधानसभा क्षेत्रों में बढ़े 102 नए मतदान केंद्र, भारत निर्वाचन आयोग ने दी सहमति

हजारीबाग। हजारीबाग मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदान केंद्रों के पुनर्गठन के प्रस्ताव पर भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली से प्राप्त स्वीकृति के आलोक में जिले के चार प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों बरकट्टा, बरही, माण्डू और हजारीबाग में कुल 102 नए मतदान केंद्रों के गठन को मंजूरी दी गई है। इस वृद्धि के बाद जिले में कुल मतदान केंद्रों की संख्या अब 1866 से बढ़कर 1968 हो गई है।क्षेत्रवार विवरण के अनुसार, 25-हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 43 नए केंद्र जोड़े गए हैं, जिससे यहाँ केंद्रों की कुल संख्या 529 हो गई है। इसी प्रकार, 20-बरकट्टा में 25 नए केंद्रों के साथ अब कुल 495 केंद्र, 21-बरही में 21 नए केंद्रों के साथ कुल 421 केंद्र और 24-माण्डू में 13 नए केंद्रों के साथ अब कुल 523 मतदान केंद्र संचालित होंगे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे आयोग द्वारा अनुमोदित इन नए मतदान केंद्रों के डेटा को तत्काल कंट्रोल टेबल में अपडेट करना सुनिश्चित करें। साथ ही, आम जनता की सुविधा और पारदर्शिता के लिए इन बदलावों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आगामी चुनावों में मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

सांसद मनीष जायसवाल ने जगदीशपुर-इचाक पथ का किया शिलान्यास

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने मंगलवार को क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए सदर प्रखंड के जगदीशपुर बीटी रोड से सिवाने नदी होते हुए इचाक प्रखंड के इचाक बीटी रोड को जोड़ने वाले अत्यंत महत्वपूर्ण पथ का विधिवत शिलान्यास किया। यह मार्ग हजारीबाग लोकसभा के सदर विधानसभा और कोडरमा लोकसभा के बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करेगा। इस अवसर पर जगदीशपुर पहुंचे सांसद मनीष जायसवाल का ग्रामीणों ने ढोल-ताशों, फूल-मालाओं और जयकारों के साथ भव्य स्वागत किया, जिसके बाद उन्होंने स्थानीय गणमान्य लोगों की उपस्थिति में नारियल फोड़कर और शिलापट्ट का अनावरण कर निर्माण कार्य की आधारशिला रखी ।डीएमएफटी मद से करीब 2 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह 1700 मीटर लंबा पीसीसी पथ आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, जिसमें जल निकासी के लिए 430 मीटर नाली, सुरक्षा हेतु 100 मीटर गार्डवाल और सुगम आवागमन के लिए आधा दर्जन से अधिक पुलिया का निर्माण भी शामिल है। शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि यह पथ निर्माण हजारीबाग सदर, इचाक और बरकट्ठा क्षेत्र के लगभग 50 से 60 गांवों के लिए लाइफलाइन साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस सड़क के बन जाने से न केवल सुदूरवर्ती गांवों के लोगों को जिला मुख्यालय पहुंचने में आसानी होगी।इस अवसर पर विशेषरूप से सदर विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि किशोरी राणा, सदर पूर्वी सांसद प्रतिनिधि सह मुखिया कृष्णा मेहता, जिला योजना के सांसद प्रतिनिधि अनूप कुमार, सदर पूर्वी भाजपा मंडल अध्यक्ष अजीत कुशवाहा, भाजपा एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष महेंद्र राम बिहारी, कटकमसांडी पूर्वी सांसद प्रतिनिधि बीरेंद्र कुमार बीरू, इचाक सांसद प्रतिनिधि भागवत प्रसाद मेहता, इचाक के पूर्व मंडल अध्यक्ष गौतम नारायण सिंह, सुभाष सोनी, भाजपा कार्यकर्ता जितेंद्र कुमार, सीताराम प्रसाद, श्यामलाल महतो, धर्मेंद्र कुमार, गौतम वर्मा, उमेश मेहता, बिरजू मेहता, चरकू मेहता, बबलू मेहता, सरोज सिंह। गौतम कुमार, दशरथ कुमार, पंकज मेहता, मनोज मेहता, मनोज सिंह, सुधीर मेहता, सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य सैकड़ो लोग मौजूद रहें ।

अवैध खदान में दबने से मजदूर की हुई मौत

हज़ारीबाग ।हज़ारीबाग जिले के बड़कागांव वन क्षेत्र अंतर्गत इंदिरा के अवैध कोयला खदान में दबने से एक मजदूर की मौत हो जाने की मामला प्रकाश में आया है. घटना 6 अप्रैल की शाम 5 बजे शाम की है. खदान से शव को निकालने पर मृतक की पहचान बड़कागांव के होरम निवासी हरि महतो पिता कोल्हा महतो के रूप में है. मृतक अपने पीछे पत्नी सरिता देवी, दो पुत्र (एक 12 वर्ष व दूसरा नव वर्ष)छोड़ गया।सूत्रों के अनुसार मृतक कोयला मजदूर के रूप में काम करता था. मृतक के मोहल्ले के ग्रामीण शव को गांव लाने के लिए देर रात तक नापों में जमे हुए थे।बताया जाता है कि शव को कोयला खदान से निकालकर नापोखुर्द में रखा गया था।होरम निवासी चंदौल पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सनित महतो ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा मुझे बताया गया कोयला खदान में दबने से हरि महतो की मौत हुई है .मैं घटना स्थल पर जा रहा हूं. पूरी जानकारी लेने के बाद ही विस्तार से बताऊंगा. हालांकि थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इसके बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है. यह खबर पत्रकारों से ही सुन रहे हैं .वही इस क्षेत्र के वन पदाधिकारी महेश कुमार दास ने बताया कि मैं छुट्टी में हूं. इसकी जानकारी मुझे अब तक नहीं मिली है. ज्ञात हो कि बड़कागांव के इंदिरा जंगल में कई अवैध कोयला खदान चल रहा है. कोयला खदानों से बड़े वाहनों के माध्यम से हजारीबाग से बाहर प्रतिदिन कोयला भेजा जा रहा है .इस संबंध में नए वन क्षेत्रपदाधिकारी रामबाबू कुमार ने बताया कि इस मामले को लेकर देखो को जानकारी दे देता हूं।बड़कागांव वन पदाधिकारी कुणाल भास्कर ने बताया कि एक सप्ताह पहले हमलोग निरीक्षण कर चुके हैं।

समस्या के समाधान हेतु "नीर वीर" व्हाट्सएप चैटबॉट की शुरुआत

व्हाट्सएप के माध्यम से खराब चापानलों की जानकारी पर होगी त्वरित कारवाई

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग जिला प्रशासन के द्वारा आम नागरिकों को पेयजल संबंधी समस्याओं से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से पहल करते हुए "नीर वीर"नामक व्हाट्सएप चैटबॉट की शुरुआत की है।उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने बताया कि आगामी गर्मी के मौसम में संभावित जल संकट को ध्यान में रखते हुए यह डिजिटल सुविधा विकसित की गई है, जिससे नागरिक अपने क्षेत्र की पेयजल समस्याओं को आसानी से दर्ज करा सकेंगे। इस चैटबोट के माध्यम से आमजन खराब या निष्क्रिय चापानल (हैंडपंप) से संबंधित शिकायत दर्ज कर सकते हैं, तथा शिकायत की स्थिति की जानकारी तथा अपनी पूर्व शिकायतों का विवरण भी देख सकते हैं। यह प्रणाली पूरी तरह सरल, सुलभ एवं उपयोगकर्ता अनुकूल बनाई गई है, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इसका लाभ उठा सकें।शिकायत दर्ज करने के लिए नागरिक अपने मोबाइल से व्हाट्सएप नंबर 8757864361 पर संदेश भेज सकते हैं तथा अपने विकल्पों का चुनाव कर समस्या दर्ज करा सकते है। इसके अतिरिक्त, 8076635024 नंबर पर कॉल कर भी अपनी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।जिला प्रशासन द्वारा यह पहल सुनिश्चित करेगी कि पेयजल से जुड़ी समस्याओं का त्वरित संज्ञान लिया जाए और संबंधित विभाग द्वारा शीघ्र समाधान किया जा सके। प्रशासन ने सभी जिलेवासियों से अपील की है कि वे इस सुविधा का अधिकाधिक उपयोग करें एवं अपने क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में सहयोग करें।

उपायुक्त ने सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह में मंगलवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया । इस दौरान उप विकास आयुक्त रिया सिंह भी उपस्थित रहीं। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, व्यवस्थाओं की स्थिति एवं मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लेना था।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने संपूर्ण अस्पताल परिसर का भ्रमण किया तथा विभिन्न वार्डों में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति की जांच की। उन्होंने सर्जरी, आर्थो, गायनी, डायलिसिस, शिशु वार्ड, इमरजेंसी वार्ड, वरिष्ठ नागरिक वार्ड, अल्ट्रासाउंड केंद्र, सिटी स्कैन, एक्स-रे, लैब, ड्रेसिंग रूम आदि का गहन निरीक्षण किया।इस दौरान उपायुक्त ने अस्पताल में साफ-सफाई की स्थिति पर विशेष ध्यान देते हुए डस्टबिन की समुचित व्यवस्था एवं नियमित सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने मरीजों से सीधे संवाद कर उनका हाल-चाल जाना तथा दवाइयों, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता की भी जानकारी ली।उपायुक्त ने चिकित्सकों एवं संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मरीजों को समय पर समुचित उपचार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। विशेष रूप से गंभीर मरीजों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें सतत चिकित्सीय निगरानी में रखने का निर्देश दिया गया।

हीमोफिलिया मरीजों की पीड़ा पर सांसद मनीष जायसवाल गंभीर

हजारीबाग डे-केयर में सर्वोत्तम सुविधाओं उपलब्ध कराने का दिया भरोसा

हज़ारीबाग। हीमोफिलिया सोसाइटी, रांची चैप्टर के बैनर तले मंगलवार को दर्जनों हीमोफिलिया रोगियों और उनके परिजनों ने हजारीबाग सांसद सेवा कार्यालय सांसद मनीष जायसवाल से मुलाकात कर अपनी गंभीर समस्याओं को उनके समक्ष रखा। सोसाइटी के सचिव संतोष कुमार जायसवाल के नेतृत्व में पहुंचे इन मरीजों ने सांसद मनीष जायसवाल को एक मांग पत्र सौंपते हुए आग्रह किया कि हजारीबाग स्थित डे-केयर यूनिट में हीमोफिलिया की सबसे आधुनिक और सर्वोत्तम औषधि, फैक्टर 8 मिमीम यानी एमिसिजुमैब को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाए। मरीजों का कहना है कि इस जीवनरक्षक दवा की उपलब्धता से उनके उपचार में क्रांतिकारी बदलाव आएगा और वे एक सामान्य जीवन जीने की ओर अग्रसर हो सकेंगे।दवाओं की मांग के साथ-साथ प्रतिनिधिमंडल ने अस्पताल की प्रशासनिक और चिकित्सा व्यवस्था में सुधार की भी पुरजोर वकालत की। उन्होंने सांसद मनीष जायसवाल को बताया कि डे-केयर यूनिट में नियमित फैक्टर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही वहां औषधि विभाग और शिशु रोग विभाग के विशेषज्ञों का स्थायी पदस्थापन अत्यंत आवश्यक है ताकि आपात स्थिति में मरीजों को तुरंत विशेषज्ञ सलाह मिल सके। इसके अतिरिक्त मरीजों ने एक बेहद संवेदनशील मुद्दे की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि वर्तमान में डे-केयर यूनिट के कुछ चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों का व्यवहार मरीजों के प्रति संतोषजनक नहीं है। उन्होंने मांग की कि इस गंभीर और दर्दनाक बीमारी से जूझ रहे लोगों के साथ मानवीय और गरिमापूर्ण व्यवहार सुनिश्चित किया जाए।सांसद मनीष जायसवाल ने मरीजों और उनके परिजनों की पूरी बात को अत्यंत धैर्यपूर्वक सुना और उनकी परेशानियों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि वे इस मामले में त्वरित संज्ञान लेंगे और औषधि विभाग व अस्पताल प्रशासन से वार्ता कर जल्द से जल्द यथोचित कार्रवाई करेंगे।

हिंदूवादी संगठनों ने मनाया शहादत दिवस, छोटू व विनोद को किया नमन

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : हिंदूवादी संगठन ने पूण्य तिथि पर छोटू साव व बिनोद यादव को श्रधांजलि दी। हिंदूवादी संगठनों ने दोनों के पुण्य तिथि को शाहदत दिवस के रूप में मनाया। यहाँ उल्लेखनीय है कि सात अप्रैल 2006 को रामनवमी जुलुस के दौरान हुई पुलिस फायरिंग में छोटू साव व बिनोद यादव की मौत हो गयी थी। तब से हिंदूवादी संगठन प्रत्येक वर्ष सात अप्रैल को शहादत दिवस के रूप में मनाते है। इसके अलावा श्रधांजलि सभा का भी आयोजन करते है। मंगलवार को हिंदूवादी संगठनो ने विश्रामपुर वर मुहल्ला स्थित छोटू चौक के पास श्रधांजलि सभा का आयोजन किया। श्रधांजलि शभा में हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओ के अलावा स्थानीय लोगो ने भी छोटू व बिनोद के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। छोटू व बिनोद के सम्मान में लोगो ने दो मिनट का मौन भी रखा। मौके पर वरीय समाजसेवी सह राजनेता ओमप्रकाश गुप्ता गुड्डू,पंकज कुमार लाल,अमितेश्वर दयाल,विकाश चंद्रवंशी,राजकुमार मेहता,देवकुमार ठाकुर,राजू केशरी,सत्यम सोनी,संतोष ठाकुर,शशि ठाकुर,सुरेंद्र मेहता सहित विश्व हिंदू परिषद,बजरंगदल व आरएसएस के कई सदस्य मौजूद थे।

खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, एक्सपायरी सरसों तेल जब्त

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह एवं अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, हजारीबाग, डॉ० शशि जायसवाल के निर्देश मंगलवार को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग, मो० मंजर हुसैन के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा बरही स्थित मा जगदम्बा ट्रेडिंग प्रतिष्ठान में औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान विभिन्न ब्रांडों के सरसों तेल, जिनमें चाचा राणा प्रताप सरसों तेल, फ्यूचर सरसों तेल, मुरली सरसों तेल एवं काला घोड़ा सरसों तेल शामिल हैं, के नमूने संग्रहित किए गए। इन नमूनों को रासायनिक जांच हेतु राज्य खाद्य जांच प्रयोगशाला, नामकुम भेजा जाएगा।जांच के क्रम में बड़ी मात्रा में एक्सपायरी सरसों तेल पाया गया, जिसमें चाचा राणा प्रताप सरसों तेल के 813 टीन एवं काला घोड़ा सरसों तेल की 144 बोतल शामिल हैं। उक्त सभी एक्सपायरी उत्पादों को जब्त कर मौके पर ही सील कर दिया गया।इसके अतिरिक्त यह भी पाया गया कि संबंधित खाद्य कारोबारी द्वारा बिना वैध खाद्य अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) के ही व्यवसाय संचालित किया जा रहा था। इस पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोंदा, राँची

अतिअल्प कालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं० – 59/2025–26
(PR No. 369810 Drinking Water and Sanitation (25-26)D
द्वितीय आमंत्रण
Email Id – eedwsd.gonda@gmail.com

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची।
2. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।
3. परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एंव समय :– 15.04.2026 को अपराह्न 1.00 बजे तक।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एंव समय :– 16.04.2026 को अपराह्न 3.00 बजे तक।
5. निविदा खोलने की तिथि एंव समय :– 16.04.2026 को अपराह्न 3.30 बजे ।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– 1) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता नागरिक अंचल, राँची।
7. निविदा प्राप्ति एंव खोलने का स्थानः– :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।
8. कार्यो की विवरणी :–

क्र	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	B.O.Q. का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि।
1.	Special repair of G.S.R. Morabadi having capacity 3 Lakh Gallon RCC sump and other mis work at Morabadi under D. W. & S. Division, Gonda, Ranchi	23,91,403.00	48,000.00	5000.00	1 माह
2.	Repairing of Roof Through water proof treatment plaster & painting work of Outer wall and Boundary wall, pipe line, Drain and changing off PVC Tank at D.W. & S. Division, Gonda, Ranchi under D. W. & S. Division, Gonda, Ranchi.	15,95,122.00	32,000.00	5000.00	1 माह
3.	PCC Work and drainage work in front of Pahari mandir pump house, construction of different size sluice valve chamber and Others Miscellaneous Work at Ratu Road Water Tower Campus under D. W. & S. Division, Gonda, Ranchi.	7,81,104.00	16,000.00	1250.00	15 दिन
4.	Renovation of W.T.P. Laboratory with Provision for Bathroom Renovation, Septic Tank, and Drain Construction under D. W. & S. Division, Gonda, Ranchi.	16,26,495.00	33,000.00	5000.00	1 माह

नियम एवं शर्ते सूचनापट् पर देखा जा सकता हैं।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची

PR 376862 Drinking Water and Sanitation (26-27)_D

संक्षिप्त खबरें

भारत सरकार के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ग्रामीण चिकित्सक महासम्मेलन के होंगें मुख्यअतिथि

संवाददाता रांचीः 8 अप्रैल 2026 को समय 8:00 बजे ग्रामीण चिकित्सक एसोसिएशन के तत्वाधान में पीरा चौक काठी टांड़,रातु मे ग्रामीण चिकित्सक महासम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि भारत सरकार के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ एवं विशिष्ट अतिथि हटिया विधायक नवीन जायसवाल जी करेंगे।इसकी पूरी तैयारी कर ली गई है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव महानंद झा ने बताया इस सम्मेलन मे अनेक वरिष्ठ डॉक्टर,क्षेत्र के प्रमुख,जिला परिषद,जन प्रतिनिधि,समाज सेवी एवं झारखंड जिले के काफी संख्या में ग्रामीण चिकित्सक उपस्थित रहेंगें।यह निर्णय ग्रामीण चिकित्सक एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश रंजन मिश्र,राष्ट्रीय महासचिव महानंद झा,संरक्षक डॉ.एन.वेंकटअप्पा राव,राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नितेश कुमार पंडित, जनसंपर्क अधिकारी शिव किशोर शर्मा,झारखंड प्रदेश अध्यक्ष खुर्शीद खान,प्रदेश सचिव ब्रजेश शर्मा,प्रदेश कोषाध्यक्ष संजय कुमार वर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी नीलकांत आर्य,जिला कोषाध्यक्ष हृदय नारायण मंडल आदि आदि पदाधिकारियों की अति महत्वपूर्ण बैठक में ली गई है।

डीएसपीएमयू: एजुकेशनल टूर फीस विवाद में उतरा झारखंड टूर एंड ट्रैवल एसोसिएशन, जांच की मांग

संवाददाता रांचीः डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय रांची के भूगोल विभाग में एजुकेशनल टूर के नाम पर प्रति छात्र 17,000 तक वसूली किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में छात्रों ने कुलपति से शिकायत कर जांच की मांग की है। मामले को लेकर टूर एंड ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ झारखंड ने छात्रों का समर्थन करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरदीप सहाय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि पिछले कुछ वर्षों से रांची विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध कॉलेजों के भूगोल विभागों में टूर के नाम पर अनियमितताएं हो रही हैं। झारखंड के बाहर के व्यक्तियों को टूर एजेंट के रूप में प्रस्तुत कर छात्रों से अधिक राशि वसूली जा रही है। ताजा मामले में केरल टूर के लिए जहां एसोसिएशन से जुड़े एजेंसियां 11,000 से 12,000 में यात्रा करा सकती हैं, वहीं विश्वविद्यालय स्तर पर 17,000 से 18,000 तक लिए जा रहे हैं। सहाय ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी एजेंसियां किसी प्रकार का कमीशन नहीं देतीं, जिसके कारण उन्हें काम नहीं दिया जाता। जबकि जिन एजेंसियों पर शिकायतें हैं, उन्हें ही बार-बार जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। गौरतलब है कि एसोसिएशन के सभी सदस्य झारखंड पर्यटन विभाग से मान्यता प्राप्त हैं और लंबे समय से इस क्षेत्र में कार्यरत हैं। ऐसे में उन्हें नजरअंदाज किया जाना कई सवाल खड़े करता है। सहाय ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि छात्रों का आर्थिक शोषण रोका जा सके।

द्वितीय वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पद पर लायन सुजीत कुमार जीते, श्रवण वर्णवाल ने दी बधाई

संवाददाता रांची : लायन डिस्ट्रिक्ट 322ए के द्वितीय वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पद पर लायन सुजीत कुमार की जीत लायन सीए श्रवण बर्णवाल ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर लायन सुजीत कुमार ने लायंस क्लब ऑफ रांची एकलव्य ग्रेटर के पीएसटी, बोर्ड टीम एवं सदस्यों के साथ-साथ लायंस क्लब ऑफ रांची एम्बर, रांची दृष्टि सहित अन्य क्लबों के सहयोग के लिए सभी को अंगवस्त्र प्रदान कर आभार व्यक्त किया। सभी क्लबों ने भी उन्हें इस जीत पर शुभकामनाएं दीं। साथ ही फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर के पूर्व अध्यक्ष किशोर मंत्री, बीसीआई के निदेशकों एवं सदस्यों ने भी उन्हें बधाई दी। उन सभी का लायन सुजीत कुमार ने सम्मान कर धन्यवाद ज्ञापित किया। द्वितीय वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने विशेष रूप से रीजन चेयरपर्सन लायन गणेश प्रसाद सिंह, प्रेसिडेंट लायन श्रवण बर्णवाल, वाइस प्रेसिडेंट लायन सुनील वर्मा, सेक्रेटरी लायन अमित साहू, ट्रेजरर लायन प्रकाश अग्रवाल सहित पूरे बोर्ड एवं सदस्यों के प्रति आभार जताया। लायन सुजीत कुमार ने कहा कि यह जीत पूरे लायन परिवार की एकजुटता, समर्पण और सेवा भावना का परिणाम है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे भविष्य में और अधिक ऊर्जा के साथ समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।

एसआईआर प्रक्रिया में साजिश पर कांग्रेस का विरोध

संवाददाता, रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग की एक अहम बैठक मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में चुनाव आयोग द्वारा शुरू की जा रही एसआईआर प्रक्रिया पर गहरी चिंता जताई गई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव आयोग के माध्यम से विपक्ष और कांग्रेस समर्थकों के मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से कटवाने की साजिश कर रही है। कांग्रेस ने साफ कहा कि झारखंड में किसी भी मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से कटने नहीं दिया जाएगा। बैठक में एसआईआर को लेकर राज्यभर में जन-जागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इसके तहत हर प्रमंडल और जिला मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर लोगों को एसआईआर प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी और नाम कटने से बचाव के उपाय बताए जाएंगे। मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी ने कहा कि कांग्रेस हर नागरिक के मताधिकार की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और लोकतंत्र के खिलाफ किसी भी साजिश का डटकर विरोध करेगी।

राजधानी रांची में दिशा की त्रैमासिक बैठक में उठे बुनियादी मुद्दे, हुआ व्यापक मंथन

योजनाओं की प्रगति पर मांगी जवाबदेही

रांचीः राजधानी रांची में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (DISHA) की त्रैमासिक बैठक में जिले में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और जवाबदेही पर व्यापक मंथन किया गया. बैठक में रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ, खूंटी सांसद कालीचरण मुंडा, कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, विधायक सीपी सिंह, नवीन जायसवाल, सुरेश बैठा और मेयर रोशनी खलखो सहित कई जनप्रतिनिधि शामिल हुए. वहीं, सांसद महुआ माजी की भी उपस्थिति रहीं.

बैठक में उपायुक्त (डीसी), वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), उप विकास आयुक्त (डीडीसी), नगर आयुक्त समेत विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे. सभी डिपार्टमेंट से उनके प्रोजेक्ट्स के स्टेटस के बारे में पूछा गया और काम में तेजी लाने के निर्देश दिए गए.

बुनियादी सुविधाओं पर फोकस

बैठक का मुख्य फोकस जिले में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने पर रहा. सड़क, पेयजल और बिजली आपूर्ति जैसी आवश्यक सेवाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए जनप्रतिनिधियों ने आम जनता से मिल रही शिकायतों को गंभीरता से उठाया.

अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो.

स्वच्छ भारत मिशन पर भी चर्चा

इसके अलावा सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (MPLADS), मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छ भारत मिशन जैसी प्रमुख योजनाओं की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई. बैठक में इन योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं, उनके क्रियान्वयन और लाभुकों तक पहुंच की स्थिति पर चर्चा हुई. कई योजनाओं में धीमी प्रगति पर चिंता जताई गई और संबंधित विभागों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए.

नालियों की स्थिति सुधारने पर जोर

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा, 'रांची शहर में नालियों की स्थिति में त्वरित सुधार बेहद जरूरी है. जलजमाव की समस्या आम लोगों के लिए बड़ी परेशानी बनती जा रही है, इसलिए संबंधित विभाग प्राथमिकता के आधार पर नाली निर्माण और सफाई कार्य को जल्द पूरा करे. केंद्र सरकार की योजनाएं लगातार बेहतर तरीके से लागू हो रही हैं और इनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है. जरूरत है कि सभी विभाग समन्वय के साथ काम करें, ताकि विकास कार्यों में और तेजी लाई जा सके.'

आगामी बैठक के लिए संकेत

इस दौरान यह संकेत भी दिया गया कि आगामी बैठकों में योजनाओं की प्रगति की और सख्ती से समीक्षा की जाएगी. कुल मिलाकर, बैठक में लिए गए निर्णयों को जिले के विकास कार्यों को गति देने की दिशा में अहम माना जा रहा है. अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर कितना प्रभाव पड़ता है.

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की दिखी मुखर

कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि किसानों और पशुपालकों को योजनाओं का सीधा लाभ मिलना सुनिश्चित किया जाए. वहीं, जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि विकास कार्यों में गति लाई जा सके. बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि 'दिशा' समिति केवल समीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह योजनाओं की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है. अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग, फील्ड विजिट और समय-समय पर रिपोर्टिंग करने के निर्देश दिए गए.

यूरिया आपूर्ति पर चिंता

'दिशा' की बैठक में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने केंद्र योजनाओं की समीक्षा करते हुए यूरिया आपूर्ति पर चिंता जताई. उन्होंने कहा कि मध्य-पूर्व के हालात के कारण यूरिया की कमी की आशंका है, इसलिए केंद्र अभी से रणनीति बनाए. मंत्री ने केसीसी लोन समय पर देने और बीएलबीसी बैठक नियमित करने पर जोर दिया. मांडर में सड़कों के धीमे निर्माण पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को समय सीमा में कार्य पूरा करने का निर्देश दिया.

कुड़मी समुदाय को दिशाहीन करने की साजिश : सुदेश महतो

संवाददाता रांचीः पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू पार्टी प्रमुख सुदेश महतो ओडिशा के मयूरभंज जिले में स्थित जशीपुर में कुड़मी सेना द्वारा आयोजित 'स्वाभिमान समावेश' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। भारी बारिश के बावजूद महिलाएं समेत सभी लोग कार्यक्रम में डटे रहे। इस मौके पर सुदेश महतो ने कहा कि डेढ़ करोड़ से ज्यादा की आबादी वाले कुड़मी समुदाय को तीन राज्यों–झारखंड, बंगाल और ओडिशा में बांट दिया गया है। कुड़मी समुदाय को दिशाहीन करने की साजिश अभी भी चल रही है। इसे पहचानना होगा। धीरे धीरे समाज में जागरूकता आ रही है और लोग साजिश को समझ रहे हैं।

महतो ने कहा कि ओडिशा से उनका लगाव तीस वर्षों से है और झारखंड आंदोलन में आजसू के नेतृत्व में ओडिशा के आदिवासी–मूलवासी समुदायों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। महतो ने कहा कि ओडिशा के कुड़मी समुदाय की अद्भुत एकजुटता और अपनी संस्कृति के प्रति सच्चा समर्पण उन्हें अभिभूत करता है।

पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने कहा कि सामाजिक उत्थान के लिए युवाओं और महिलाओं को आगे आना होगा। साथ ही अपनी संस्कृति और भाषा के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में आजसू महासचिव हरेलाल महतो, कुड़मी सेना के अध्यक्ष दिव्या सिंह महतो, सत्यनारायण महतो, अमित महतो, सविता महतो, कामिनी कांत महतो आदि उपस्थित थे।

प्रीति ज्वेलर्स से सोना-चांदी लेकर फरार हुए हथियारबंद बदमाश

रांचीः राजधानी रांची के बरियातू थाना क्षेत्र में दिन दहाड़े हथियार के बल पर एक लूट की घटना को अंजाम दिया गया. हरिहर सिंह रोड में प्रीति जेवेलर्स को चार की संख्या में पहुंचे लूटेरो ने निशाना बनाया है. दुकान में रखे आभूषण को लूट कर फरार हो गए. घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. घटना की सूचना पुलिस को दी गई जिसमें पुलिस जांच में जुटी है. बताया जा रहा है कि घटना करीब सात बजे की है. अचानक बाइक सवार अपराधी पहुंचे. सभी का चेहरा ढका हुआ था. और हथियार के बल पर दुकान में रखे चांदी और सोने को लूट लिया. साथ ही कैश काउंटर में रखे 10 हजार नगद भी साथ ले गए. आभूषण दुकानदार के मुताबिक करीब एक किलो चांदी और दस हजार रुपये लूट हुई है. वही पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है. दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे के साथ आस पास के कैमरे को खंगाला जा रहा है. जिससे लूटेरो की जानकारी मिल सके. साथ ही आस पास के थाना पुलिस और जिला को अलर्ट किया गया. सभी चेक पोस्ट पर विशेष चौकसी बरती जा रही है. जिससे लूटेरो की गिरफ़्तारी हो सके.

आवास बोर्ड कॉलोनियों में नहीं चलेगी दुकानें, निगम द्वारा ट्रेड लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू

रांचीः झारखंड राज्य आवास बोर्ड की कॉलोनियों में संचालित व्यावसायिक गतिविधियों पर सख्ती दिखाते हुए रांची नगर निगम ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है. निगम की ओर से जारी आम सूचना के अनुसार, हरमू, अरगोड़ा और बरियातू स्थित आवास बोर्ड की भूमि एवं भवनों पर चल रहे दुकानों और प्रतिष्ठानों के ट्रेड लाइसेंस रद्द किए जा रहे हैं.

नगर निगम के राजस्व शाखा द्वारा जारी इस आदेश का आधार सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्णय को बताया गया है. सुप्रीम कोर्ट में दायर सिविल अपील संख्या 14604/2024 और 14605/2024 में पारित आदेश में स्पष्ट किया गया है कि राज्य आवास बोर्ड की आवासीय कॉलोनियों में व्यवसायिक गतिविधियों का संचालन प्रतिबंधित है. इसी के आलोक में झारखंड राज्य आवास बोर्ड ने भी 13 नवंबर 2025 के माध्यम से नगर निगम से अनुरोध किया था कि ऐसे क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का ट्रेड लाइसेंस जारी न किया जाए और पूर्व में जारी लाइसेंसों को रद्द किया जाए.

इस निर्देश के अनुपालन में रांची नगर निगम प्रशासन ने 20 नवंबर 2025 को जारी आदेश के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है. निगम ने स्पष्ट किया है कि आवास बोर्ड की भूमि या भवन पर संचालित दुकानों और प्रतिष्ठानों के लिए जारी सभी ट्रेड लाइसेंस विधि-सम्मत तरीके से रद्द किए जाएंगे और भविष्य में ऐसे क्षेत्रों में कोई नया लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा. नगर निगम के इस फैसले से प्रभावित व्यवसायियों के बीच चिंता की स्थिति देखी जा रही है, क्योंकि लंबे समय से कई लोग इन आवासीय कॉलोनियों में दुकानें संचालित कर रहे थे.

हालांकि, प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई पूरी तरह से न्यायालय के आदेश और आवास बोर्ड के अनुरोध के अनुरूप की जा रही है, जिसे लागू करना अनिवार्य है. नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, इस निर्णय का उद्देश्य आवासीय क्षेत्रों की मूल संरचना और उपयोग को बनाए रखना है, ताकि वहां रहने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो. साथ ही, यह कदम शहरी नियोजन के नियमों को सख्ती से लागू करने की दिशा में भी अहम माना जा रहा है.

फिलहाल, निगम की ओर से प्रभावित लोगों को नियमों के अनुरूप आगे की प्रक्रिया अपनाने की सलाह दी जा रही है. आने वाले दिनों में इस कार्रवाई का व्यापक असर शहर के कई इलाकों में देखने को मिल सकता है.

जिला परिषद आदिल अजीम ने किया चानहों प्रखंड के बलसोकरा स्वास्थ्य उप केंद्र का शिलान्यास

संवाददाता रांचीः 15वें वित्त आयोग की स्वास्थ्य प्रक्षेत्र योजना के तहत चानहों प्रखंड के बलसोकरा में 55 लाख रुपये की लागत से बननेवाले स्वास्थ्य उपकेंद्र का शिलान्यास आज जिला परिषद आदिल अजीम ने किया। मौके पर जिला परिषद आदिल अजीम ने कहा कि बलसोकरा पंचायत में स्वास्थ्य उपकेंद्र निर्माण की मांग ग्रामीणों द्वारा कई वर्षों से की जा रही थी, जिसे उन्होंने अपने चुनावी संकल्प पत्र में शामिल किया था। उन्होंने कहा कि अब यह मांग पूरी होने जा रही है और उपकेंद्र बनने से पंचायत के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। साथ ही इलाज के लिए दूर-दराज के अस्पतालों का रुख भी नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने संवेदक को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए, ताकि ग्रामीणों को जल्द से जल्द स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान सांसद प्रतिनिधि मो गयास, बलसोकरा पंचायत के मुखिया, झामको मुंडा, होलिका देवी, पंचायत समिति के तजम्मुल अंसारी, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष इश्तियाक अंसारी, मुखिया शिव उरांव, समेत चानहो, बलसोकरा के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

प्रदेश भाजपा के पदाधिकारियों की बैठक, झारखंड सरकार के खिलाफ 17 अप्रैल को राज्यभर में होगा बड़ा आंदोलन

रांचीः आदित्य साहू के नेतृत्व में बनी प्रदेश भाजपा के पदाधिकारियों की पहली बैठक मंगलवार को हुई. बैठक में राज्य की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर चर्चा हुई और संगठन को मजबूत बनाने की भविष्य की रणनीति तैयार की गई.

भाजपा पदाधिकारियों की पहली बैठक संपन्नः प्रदेश भाजपा कार्यालय में करीब दो घंटे तक चली इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह समेत सभी नवमनोनित पदाधिकारी मौजूद रहे. संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने नए पदाधिकारियों को लड्डू खिलाकर स्वागत किया, जबकि प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने पार्टी का पट्टा पहनाकर उनका स्वागत किया.

बैठक के दौरान राज्य की राजनीतिक स्थिति पर खुलकर चर्चा हुई और संगठन को धारदार बनाने के लिए भविष्य की रणनीति बनाई गई.

बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं पर आंदोलन तेज करेगी भाजपाः प्रदेश भाजपा ने हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने का फैसला लिया है. इसके तहत बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं में हो रही परेशानियों के खिलाफ राज्य भर में आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया गया है. नए प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि 17 अप्रैल को बिजली की कमी, स्मार्ट मीटर से गलत बिलिंग और बिजली दरों में वृद्धि के खिलाफ विद्युत कार्यपालक अभियंता के कार्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा. इसके बाद पानी की समस्या को लेकर भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा.

14 अप्रैल को बाबा साहेब जयंती पर वृहद कार्यक्रमः अमर कुमार बाउरी ने बताया कि 14 अप्रैल को डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती पर पार्टी द्वारा वृहद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. उन्होंने कहा कि भाजपा की नई टीम राज्य सरकार के खिलाफ लगातार आंदोलन करती रहेगी और इस "अत्याचारी सरकार" को उखाड़ फेंकने का काम करेगी.

भव्य कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

श्री राम और श्री कृष्ण ही इस सृष्टि के पालनहार है तथा श्रीमद्भागवत गीता उनके दिव्य स्वरूप का ही प्रतिरूप हैः मां चैतन्य मीरा

रांचीः सेठ रामेश्वर लाल पोद्दार भवन न्यास मंडल के तत्वाधान में सेठ रामेश्वर लाल पोद्दार स्मृति भवन, चुटिया रांची में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ अत्यंत भव्य और आध्यात्मिक वातावरण में हुआ। इस पावन अवसर पर नासिक की सुप्रसिद्ध कथा व्यास पूज्या मां चैतन्य मीरा जी के श्रीमुख से सात दिनों तक श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराया जाएगा।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रथम दिन प्रातः 9 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। इस कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाओं ने मंगल कलश धारण कर भक्ति भाव से नृत्य करते हुए पूरे उत्साह और आनंद के साथ कथा स्थल तक यात्रा की। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर तथा अल्पाहार के माध्यम से कलश यात्रियों का स्वागत सत्कार किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।कथा स्थल पर पहुंचने के पश्चात संस्था के अध्यक्ष एवं मुख्य यजमान द्वारा विधिवत व्यासपीठ पूजन संपन्न किया गया। इसके उपरांत कथा का शुभारंभ हुआ, जिसमें मां चैतन्य मीरा जी ने श्रीमद् भागवत कथा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस दिव्य कथा का नियमित एवं श्रद्धापूर्वक श्रवण मनुष्य के जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा केवल धार्मिक ग्रंथ ही नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला एक मार्गदर्शक है, जो व्यक्ति को सदमार्ग, प्रेम, सामंजस्य और आध्यात्मिक उन्नति की ओर प्रेरित करता है।गुरु मां ने अपने प्रवचन में यह भी कहा कि यदि व्यक्ति पूर्ण नियम और श्रद्धा के साथ कथा का श्रवण करता है, तो उसके जीवन में शांति, संतुलन और सकारात्मक परिवर्तन अवश्य आता है। कथा के माध्यम से उन्होंने यह संदेश भी दिया कि प्रभु श्रीराम और प्रभु श्रीकृष्ण ही इस सृष्टि के पालनहार हैं और श्रीमद् भागवत उनके दिव्य स्वरूप का ही प्रतिरूप है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण के साथ-साथ भजन-कीर्तन का भी भरपूर आनंद लिया। भक्ति संगीत और हरिनाम संकीर्तन से पूरा वातावरण गूंजायमान हो उठा, जिससे सभी भक्त भावविभोर हो गए।इस अवसर पर अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कथा में योगदा सत्संग के स्वामी श्री सत्संग आनंद जी महाराज, पूर्व सांसद महेश पोद्दार, पूर्व उपमेयर संजीव विजय वर्गीय, अनूप दधीचि सहित उनकी टीम एवं अन्य सम्मानित अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का गुरु मां द्वारा अंगवस्त्र ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।मुख्य यजमान रघुनंदन टिबड़ेवाल ने अपने परिवार के साथ विधिवत भागवत पूजन एवं आरती संपन्न की। आयोजन समिति द्वारा पूरे कार्यक्रम की सुव्यवस्थित व्यवस्था की गई, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।सात दिवसीय इस श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से रांची में भक्ति, ज्ञान और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है, जो आने वाले दिनों में भी श्रद्धालुओं को प्रेरणा और आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता रहेगा। इस अवसर पर- फतेह चंद्र अग्रवाल, राधेश्याम अग्रवाल, कमल कुमार अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, अनु पोद्दार, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

इग्नू रांची में 39वें दीक्षांत समारोह का सफल आयोजन

संवाददाता, रांचीः इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने अपना 39वां दीक्षांत समारोह 7 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली स्थित मुख्यालय सहित देशभर के 51 क्षेत्रीय केंद्रों पर एक साथ आयोजित किया। इस अवसर पर कुल 3.24 लाख विद्यार्थी डिग्री प्राप्त करने के पात्र थे। नई दिल्ली में आयोजित मुख्य समारोह में सी. पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि रहे, जिन्होंने दीक्षांत भाषण दिया और मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए। वहीं तरनजीत सिंह संधू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

रांची में यह समारोह इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, रांची द्वारा डॉ. एस. राधाकृष्णन सभागार, डोरंडा कॉलेज, में आयोजित किया गया। रांची क्षेत्रीय केंद्र से कुल 8804 शिक्षार्थी डिग्री व डिप्लोमा के लिए पात्र घोषित किए गए, जिनमें मास्टर, स्नातक, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा और प्रमाणपत्र कार्यक्रमों के विद्यार्थी शामिल थे।

व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित 475 विद्यार्थियों में से 272 ने समारोह में भाग लिया और झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सारंग मेढेकर के हाथों डिग्री प्राप्त की। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखते रहने और जिज्ञासु बने रहने की प्रेरणा दी।

वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. एस. मोहंती ने क्षेत्रीय रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए इग्नू की जीवनपर्यंत शिक्षा, 50 लाख से अधिक नामांकन और 52 लाख पूर्व छात्रों की उपलब्धि को रेखांकित किया। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त निदेशक डॉ. मोती राम ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सहायक कुलसचिव श्री राजेश मोहन ने दिया।

संक्षिप्त खबरें...

63 केवीए के नये ट्रांसफर्मर का उद्घाटन किया गया

बुढ़मू : ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के पतरातु चोरटंगाबर मुहल्ला में मंगलवार को 63 केवीए के नये ट्रांसफर्मर का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन मुख्य अतिथि आजसू के प्रखंड अध्यक्ष लाल अमन शाहदेव, मुखिया पूजा किस्पोट्टा, पंसस तारा देवी व उपमुखिया मैनुल अंसारी ने किया। विदित हो कि उक्त टोला में पहली बार बिजली पहुंची है। गांव के ग्रामीणों द्वारा बिजली के लिए बहुत दिनों से प्रयास किया जा रहा था। पहली बार टोला में बिजली आने से ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है। मौके पर प्रकाश महतो,रामसुंदर महतो,जलेश्वर महतो,मुकेश अमीन,जतरु महतो समेत समेत अन्य मौजूद थे।

11 हजार वोल्ट लाइन तार के संपर्क में आने से व्यक्ति की हुई स्थिति गंभीर, रेफर

बरकट्ठा(हजारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम केन्दुआ निवासी प्रभु सिंह 30 वर्ष पिता बाबूलाल सिंह की 11 हजार वोल्ट लाइन तार के संपर्क में आने से स्थिति गंभीर हो गई। घटना सोमवार 6 अप्रैल की शाम खराब पड़ी चापानल के पाइप को बाहर निकालने के क्रम में 11 हजार वोल्ट लाइन के संपर्क में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। जिसे ग्रामीणों ने आनन-फानन में इलाज के लिए बरकट्ठा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर भर्ती कराया। जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए चिकित्सक ने हजारीबाग मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

होमगार्ड जवान की इलाज के दौरान मौत, परिजनों में मचा कोहराम

कोयलांचल संवाद संवाददाता, हंटरगंज(चतरा): प्रखंड के जोरी थाना क्षेत्र के मास्टर मोहल्ला जोरी निवासी होमगार्ड जवान की सोमवार देर रात इलाज के दौरान रांची के पारस अस्पताल में मौत हो गई। तीन दिन पूर्व ड्यूटी करके घर पहुंचने के बाद होमगार्ड जवान की तबीयत बिगड़ने के पर परिजनों ने सीएचसी उपेंद्र जोरी में भर्ती कराया वहां से चतरा ले गए किंतु वहां भी कोई लाभ न होने पर चिकित्सकों ने रांची के लिए रेफर कर दिया। परिजनों ने उन्हें पारस अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज के क्रम में होमगार्ड जवान की मृत्यु हो गई। विदित हो कि मृतक होमगार्ड जवान जोरी निवासी दिलीप साहू चतरा मंडल कारा में सैन्य नंबर 10744 में होमगार्ड जवान के रूप में तैनात था। परिजनों के अनुसार 3 अप्रैल को वह ड्यूटी करके देर शाम घर लौटा था। कुछ समय बाद अचानक दिलीप की हालत बिगड़ने लगी। तो आनन फानन में सीएचसी उपेंद्र जोरी से जिला अस्पताल चतरा लेकर गए। हालत में सुधार नही देख डॉक्टरों ने रांची के लिए रेफर कर दिया था। इधर शव पहुंचते ही गांव में मातम पसर गया वही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों के चीख चीत्कार से माहौल गमगीन हो उठा।

इग्नू की सत्रांत परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 10 अप्रैल तक निर्धारित

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चतरा : इग्नू के सभी शिक्षार्थियों जिनका नामांकन जुलाई 2025 में अथवा उससे पहले हुआ है। वैसे शिक्षार्थियों के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि जारी कर दी गई है। परीक्षा 1 जून से होने की संभावना है, परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 10.04. 26 तक है। परीक्षा शुल्क 200 प्रति कोर्स निर्धारित है विलंब शुल्क 1100 के साथ दिनांक 11.04.26 से 24.04.26 तक निर्धारित है साथ ही जनवरी 2026 सत्र का नामांकन दिनांक 10.04.2026 तक ली जाएगी एवं जुलाई 2025 सत्र का सत्रीय कार्य 30 अप्रैल तक जमा होगी। इस आशय की जानकारी इग्नू के समन्वयक डॉक्टर मुकेश कुमार झा ने दी।

क्राइम ब्रांच के एएसआई व उनकी पत्नी से मारपीट, 37 कोयला चोरों पर किया गया मामला दर्ज

धनबाद: क्राइम ब्रांच के एएसआई अनुज कुमार और उनकी पत्नी काजल के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर केंदुआडीह थाना में 37 कोयला चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिनमें सात महिलाएं भी शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एएसआई ,अनुज कुमार अपनी पत्नी के साथ रविवार को स्कूटी से कुसटॉर से झरिया की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कुमार मंगलम स्टेडियम के पास रास्ते में कोयला चोरों ने उन्हें रोक लिया और दोनों के साथ मारपीट की। बताया जा रहा है कि रास्ते में कोयला उतारने को लेकर विवाद हुआ, जो बाद में हिंसक झड़प में बदल गया। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान जारी है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर पुलिस केंद्र में जागरूकता कार्यक्रम

सिमडेगा: सिमडेगा पुलिस की ओर से विश्व स्वास्थ्य दिवस पर प्रभातफेरी निकाली गई. इसके साथ ही पुलिस केंद्र में जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया. इसमें पुलिस पदाधिकारी, जवान स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया. आयोजन में शांति भवन मेडिकल सेंटर, बीरू का सहयोग रहा. कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिसकर्मियों व आम लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था. समारोह में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को नियमित व्यायाम करने, संतुलित आहार लेने, स्वच्छता अपनाने व समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की सीख दी. इनका महत्व भी बताया. सीनियर डीएसपी (मुख्यालय) ने कहा कि स्वस्थ शरीर व स्वस्थ मन से ही समाज में बेहतर सेवा दी जा सकती है. इसलिए सभी को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए. इस मौके पर लोगों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया.

जनता दरबार में डीसी ने सुनी लोगों की शिकायतें, 53 मामलों का किया निपटारा

बोकारो: जिला समाहरणालय में मंगवार को जनता दरबार लगाया गया. जहां जिले के उपायुक्त अजय नाथ झा ने जनता की समस्याओं को सुना और तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए. कार्यक्रम में शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 53 से ज्यादा लोगों की शिकायतें सुनी गई. साथ ही संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवेदन देते हुए, अविलंब जांच कर समाधान करने का निर्देश दिया गया. जनता दरबार में शिक्षा विभाग, सामान्य शाखा, चास अंचल, कसमार अंचल, भूमि अतिक्रमण/कब्जा, जरीडीह अंचल, शिक्षा विभाग, आपूर्ति विभाग, राजस्व संबंधित विवाद, सामाजिक सुरक्षा आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए. मौके पर जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा सुचिता किरण भगत, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित थे.

रामेश्वर उराँव विधायक कार्यालय लोहरदगा पहुँच कार्यकर्ताओं से किया मुलाक़ात

लोहरदगाः मंगलवार को पूर्व मंत्री सह स्थानीय विधायक एवं आंतरिक संसाधन एवं केंद्रीय सहायता समिति के सभापति डॉ रामेश्वर उराँव विधायक कार्यालय बरवाटोली लोहरदगा पहुँच आमजनों एवं पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं से मुलाक़ात किया एवं विभिन्न समस्याओं का समाधान किया। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बिजली, सड़क, पेयजल, स्वास्थ, अबुवा आवास,प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड से संबंधित आवेदन दिये गये जिसपर त्वरित कारवाई करते हुए माननीय विधायक डॉ रामेश्वर उराँव ने संबंधित पदाधिकारियों से बात कर समस्याओं का समाधान किया, एवं कहा जनसुनवाई कार्यक्रम के माध्यम से जनता की सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा, गठबंधन सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ हर नागरिक तक पहुँचाना है इसके साथ साथ बुनियादी सुविधाओं और सामाजिक ज़रूरतों को पूरा किया जाएगा,विधायक निधि के द्वारा भी विभिन्न कार्यों की प्रगति की जाएगी।। इस मौक़े पर विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, आपूर्ति एवं शिक्षा विभाग प्रतिनिधि हाजी शकील अहमद,युवा प्रदेश महासचिव विशाल डुंगडुंग,शामूल अंसारी, ठाकुर प्रसाद, रविंदर सिंह खेरवार, सीमा परवीन,दानिस अली,अनीश अहमद,बुद्धदेव उराँव, तनवीर गौहर,जुगल भगत, सत्यदेव भगत,यूनुस अंसारी, आसिफ़ इमाम,हाजी सिकंदर अंसारी, सुशील उराँव, सेराजुल अंसारी,इकरामूल अंसारी,रौनक़ इक़बाल, नुसरत अंसारी, उल्फ़त अंसारी, रेहान अख़्तर,विरेंदर उराँव, अनवर अंसारी, सफ़ीक़ अंसारी, मोजहिर अंसारी, इमरोज अंसारी, राजा अंसारी, आदिल उमर, मिखाइल अंसारी, नाज़िम अंसारी। आशीष उराँव,समरूदीन अंसारी, सद्दाम हुसैन,असलम अंसारी, एनुल अंसारी,मुनीम अंसारी, परवेज़ अंसारी,काले उराँव, कमरुल इस्लाम,कबीर अंसारी, फगुवा उराँव,तलहा अंसारी, संगीता उराँव,जगमणी उराँव,सरिता देवी, सरिता खलखो, मुनिया उराँव, ललकारेन एक्का,सुशीला उराँव, मोहम्मद इक़बाल, संजू तुरी,जमील अंसारी,अमृता भगत,अणिमा कुजूर, क़िस्मति देवी, सुनीता उराँव, प्रमोद साहू,इलियास अंसारी, अल्ताफ अंसारी,रामभंडारी उराँव, जसीम अंसारी, जियाउदिन अंसारी, अर्जुन उराँव, मनीष कुजूर , ज़फ़र इमाम, सेराज अंसारी, मुस्तफ़ा अंसारी, नयूम अंसारी, तौजीर अंसारी, इलयास अंसारी, नयूम अंसारी, सरवर ख़ान, अमनी उराँव, राजेंद्र यादव, सोमरा उराँव, राजमुनी उराँव, मेघनाथ उराँव, बुधराम उराँव, दया उराँव, मनोरंजन कुमार,देवदत प्रजापति, रफ़ीक अंसारी, सोमेश्वर उराँव, आदि उपस्थित थे।

चान्हो में शॉर्ट सर्किट से हादसाः बच्ची समेत दो लोग गंभीर रूप से झुलसे, रिम्स रेफर

चान्होः चान्हो थाना क्षेत्र के चोरेया गांव में मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे एक घर में बिजली के शॉर्ट सर्किट से बड़ा हादसा हो गया। इस घटना में 11 वर्षीय बच्ची समेत दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

घायलों में अजय उरांव की 11 वर्षीय पुत्री संजना उरांव और 60 वर्षीय जगदेव उरांव शामिल हैं। बताया जा रहा है कि संजना अपने घर में खेल रही थी, तभी अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया। इसी दौरान लोहे के बने मुख्य दरवाजे में करंट आ गया। खेलते-खेलते संजना ने जैसे ही लोहे का गेट पकड़ा, वह बिजली की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गई।

संजना को बचाने के प्रयास में जगदेव उरांव भी करंट की चपेट में आ गए, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से पुरे गांव अफरा-तफरी मच गई।

घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को इलाज के लिए मांडर स्थित रेफरल अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया।

पाकुड़ विधायक ने विकास कार्य प्रगति को लेकर सदर प्रखंड का किया दौरा, लोगों की जानी समस्या

पाकुड़ः पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक निसात आलम ने मंगलवार को सदर प्रखंड अंतर्गत पंचायत सबाजपुर एवं भवानीपुर के विभिन्न गांवों का दौरा किया।

इस अवसर पर विधायक ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए क्षेत्र के समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करना उनकी प्राथमिकता है, ताकि आम जनता को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो सकें। दौरे के दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

साथ ही उन्होंने SIR (सर्वे/पंजीकरण संबंधित प्रक्रिया) के बारे में आम जनता को जागरूक करते हुए कहा कि यदि किसी भी प्रकार की नाम या विवरण में त्रुटि हो, तो उसे समय रहते सुधार कराएं और इस प्रक्रिया को गंभीरता से लें। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष श्री कुमार सरकार, प्रखंड अध्यक्ष मानसारुल हक, विधायक प्रतिनिधि गुलाम अहमद उर्फ बकुल, जिला कोषाध्यक्ष असद हुसैन, प्रखंड पर्यवेक्षक अशोक दास, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष शाहीन परवेज, देबू विश्वास,BLA ट्रेनर सरफराज अहमद, मोरसलीम खान, युवा जिला अध्यक्ष बिलाल शेख, मिरजाहन विश्वास, रामविलास महतो, फरमान आली, जोहारूल इस्लाम, नजरुल हक, मुखिया जियाउर रहमान, मनसूर शेख, नईमुद्दीन शेख, नजरुल शेख सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांके में जमीअतुल मोमेनीन चौरासी की बैठक आयोजित, संगठन विस्तार और युवा शक्ति को आगे लाने की तैयारी पर दी गई जोर

कांके(मोहसिनआलम): जमीअतुल मोमेनीन चौरासी राँची के ओहदेदारों, कार्यकारिणी समिति के सदस्यों एवं समाज के जिम्मेदार लोगों की एक महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को विलेज ढाबा, पतरातु रोड, कांके में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जमीअत के सदर मजीद अंसारी ने की।

बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत बनाना और जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाना रहा। इस दौरान जमीअत के सेक्रेटरी नूर आलम ने जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक प्रखण्ड में नौजवान कमिटी का गठन किया जाएगा। इसके लिए हर प्रखण्ड से पांच सदस्यीय टीम बनाकर उन्हें जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

इसके अलावा, राँची अंजुमन चुनाव को लेकर भी अहम चर्चा हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि जमीअत से जुड़े किसी भी पंचायत का नाम मतदाता सूची से न कटे, इसके लिए कमिटी के सभी ओहदेदार सजग और सक्रिय रहेंगे। साथ ही, यह भी अपील की गई कि राँची अंजुमन चुनाव जल्द से जल्द संपन्न कराने के लिए आवश्यक पहल की जाए, ताकि किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

बैठक में एक और महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें जमीअत का एक लीगल सेल गठित करने का निर्णय लिया गया। यह लीगल सेल जमीन-जायदाद, शादी-विवाह एवं अन्य सामाजिक विवादों के मामलों को देखेगा। इसके लिए वकील और मुफ्ती को शामिल करते हुए पांच सदस्यीय टीम बनाई जाएगी, जो लोगों को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करेगी।

इस अवसर पर जमीअत के नायब सदर मोहम्मद रिजवान, कोषाध्यक्ष अरशद जिया, सेंट्रल अंजुमन इस्लामिया कांके प्रखण्ड के सदर हाजी रहमान, सेक्रेटरी इरफान अंसारी, नायब सदर मोहम्मद चांद, संयुक्त सचिव सलामत अंसारी, सामाजिक कार्यकर्ता जमील अख्तर, अंजुमन इस्लामिया रातु प्रखण्ड के सदर अताउल्लाह अंसारी, रांची अंजुमन इस्लामिया के नायब सदर मोहम्मद नौशाद सहित कार्यकारिणी समिति के सदस्य मोहम्मद लतीफ, रफीक अंसारी, इमरान अंसारी, तबारक हुसैन, इमरान क्रांतिकारी, अफरोज आलम, अब्दुल इमाम, जावेद अख्तर, इजराइल अंसारी, मुद्दसिर एहरार, मेहदी अंसारी, शायरुद्दीन अंसारी, जियारत अंसारी, सुल्तान आदिल, अज़हर आलम समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक के अंत में संगठन को और सशक्त बनाने तथा समाज हित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया गया।

वंचित लड़कियों के लिए चिकनपॉक्स से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान को विशेष समर्थन- डॉ० अशोक तलपातर

धनबादः स्वास्थ्य सेवाओं में समानता को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपोलो क्लिनिक, धनबाद के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ० अशोक तलपातर ने वंचित वर्ग की लड़कियों के लिए चिकनपॉक्स से बचाव के लिए एक विशेष टीकाकरण अभियान का समर्थन किया है। यह पहल जेनरेटिंग अवेयरनेस ऑन अंडरप्रिविलेज्ड गर्ल्स राइट टू इम्यूनाइजेशन के तहत आयोजित की गई। जिसका नेतृत्व नोवो मेडि साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड कर रहा है। इस अभियान को क्राई ,चाइल्ड राइट्स एंड यू का भी सहयोग मिला । जिससे इसकी पहुंच काफी बढ़ी है । साथ ही जमीनी स्तर पर प्रभाव को मजबूती भी मिली है । इस अभियान के तहत लोगों को मिस्ड कॉल के जरिए इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। जो एक प्रतीकात्मक पहल से आगे बढ़कर अब एक व्यापक अभियान का रूप ले रहा है, जो वंचित लड़कियों के लिए निवारक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रहा है। डॉ० तलपातर ने कहा कि चिकनपॉक्स से बचाव संभव है, लेकिन फिर भी कई बच्चे, खासकर वंचित पृष्ठभूमि की लड़कियां, टीकाकरण से वंचित रह जाती हैं। जेनरेटिंग अवेयरनेस ऑन अंडरप्रिविलेज्ड गर्ल्स राइट टू इम्यूनाइजेशन जैसी पहलें जागरूकता बढ़ाने और ऐसी स्वास्थ्य जरूरतों तक पहुंच सुधारने में अहम भूमिका निभाती हैं। मुझे उन प्रयासों में योगदान देने पर गर्व है, जो बच्चों को रोकी जा सकने वाली बीमारियों से बचाने में काफी मदद करते हैं।

बहरागोड़ाः NH-49 पर ट्रेलर ने बाइक को पीछे से मारी टक्कर, 2 युवक गंभीर रूप से घायल

बहरागोड़ाः बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 49 पर 'बाला एंड संस' कंपनी के पास मंगलवार शाम को एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना उस समय हुई जब बाइक सवार बहरागोड़ा से अपने घर लौट रहे थे, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी.

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए. दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई. लोगों ने तत्काल एम्बुलेंस को सूचना दी और दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) बहरागोड़ा पहुंचाया.

मिली जानकारी के अनुसार, घायल युवक बिक्रम मुंडा (25 वर्ष) व तारक मुंडा (38 वर्ष)बरसोल थाना क्षेत्र के गुरूसाई गांव के रहने वाला हैं. वहीं सीएचसी बहरागोड़ा में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए ओडिशा के बारीपदा स्थित पीआरएम मेडिकल कॉलेज (PRM Medical College) रेफर कर दिया.

संजीवनी सेवा में पाकुड़ का उत्कृष्ट प्रदर्शन, 4 सीएचओ राज्य के टॉप-10 में शामिल

पाकुड़ः पाकुड़ जिला अंतर्गत ई-संजीवनी दूरचिकित्सा परामर्श सेवा में दिन-प्रतिदिन उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। सुदृढ़ नेतृत्व एवं बेहतर समन्वय के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) द्वारा सराहनीय उपलब्धि हासिल की गई है। दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में भी लोगों को निरंतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे आमजन को घर के समीप ही गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा परामर्श मिल रहा है।

टॉप-10 में पाकुड़ के 4 सीएचओ शामिल

पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य स्तर पर चयनित टॉप-10 सीएचओ में पाकुड़ जिले के 4 सीएचओ शामिल रहे। इनमें— एससी फतेहपुर, एससी धरमपुर, एससी रोलाग्राम, एससी सुरमा के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है।

इस उपलब्धि पर डीसी ने सिविल सर्जन एवं स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि टीमवर्क, समर्पण और सेवा भावना का परिणाम है। उन्होंने कहा कि ई-संजीवनी सेवा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और अधिक सुदृढ़ हुई है, जिससे आमजन को समय पर परामर्श मिल रहा है। डीसी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को धन्यवाद देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार बेहतर कार्य करते रहने की अपेक्षा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को और सशक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन हर संभव सहयोग प्रदान करेगा।

ग्रामीण परिवारों को स्वरोजगार से जोड़ना सरकार का उद्देश्य- बीडीओ

रामगढ़ः रामगढ़ जिले के चितरपुर प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत बतख व सुअर वितरण शिविर लगाया गया. कार्यक्रम में बीडीओ दीपक मिंज मुख्य रूप से मौजूद रहे. शिविर में करीब 70 लाभुकों के बीच बतख व सुअर का वितरण किया गया. बीडीओ ने कहा कि यह योजना ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रही है. पशुपालन के माध्यम से लोगों की आय बढ़ रही है और रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं.

उन्होंने लाभुकों को पशुओं की उचित देखभाल, टीकाकरण और वैज्ञानिक तरीके से पालन करने की सलाह दी, ताकि अधिक लाभ मिल सके. उन्होंने बताया कि सरकार का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करना है. पशुधन योजना इस दिशा में प्रभावी साबित हो रही है. लाभुकों में बबीता देवी, ममता कुमारी, नेहा कुमारी, अर्जुन मुंडा, प्रेम सागर रविदास, रूबी कुमारी, अंजुसा कुमारी, अमित मुंडा, सुमन देवी, प्रिया कुमारी, संदीप कुमार महतो, राज कुमार महतो सहित अन्य शामिल थे.

एन एच 19 पर सड़क दुर्घटना, घंटों फंसा रहा ट्रक चालक, रेस्क्यू कर पहुंचाया गया अस्पताल

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चौपारण(हजारीबाग): जीटी रोड एनएच-19 पर लोहाबर स्थान के समीप मंगलवार को एक सड़क दुर्घटना में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जाता है कि सड़क किनारे बने होटलों के दोनों किनारों पर खड़ी गाड़ियों के कारण मार्ग संकरा हो जाता है, जिससे इस तरह का हादसा हो जाता है। इसी दौरान एक ट्रक ने आगे चल रहे ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चालक केबिन में ही बुरी तरह फंस गया और घंटों तक बाहर नहीं निकल सका। घटना की सूचना मिलते ही चौपारण पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। काफी मशक्कत के बाद गैस कटर की मदद से ट्रक के केबिन को काटकर चालक को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायल चालक को तुरंत सामुदायिक अस्पताल चौपारण पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसका प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों के अनुसार चालक की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक झारखंड से बिहार की ओर जा रहा था और लोहाबर स्थान स्थित पेट्रोल पंप के पास यह दुर्घटना हुई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क किनारे अवैध रूप से खड़ी गाड़ियों पर सख्ती बरतने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

उत्क्रमित उच्च विद्यालय कोनी में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता, इटखोरी (चतरा): जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के सचिव के निर्देशानुसार इटखोरी प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय कोनी में कोनी पंचायत के मुखिया सह मुखिया संघ अध्यक्ष रंजय भारती की अध्यक्षता में विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं अन्य शिक्षक गणों की उपस्थिति में पीएलवी पूनम देवी ,आरती देवी, संगीता देवी और अशोक कुमार प्रजापति के द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस पर एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर उपस्थित बच्चों को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मुखिया संघ अध्यक्ष रंजय भारती ने कहा कि स्वास्थ्य दिवस का उद्देश्य दुनिया के लोगों के स्वास्थ्य स्तर को बेहतर बनाना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है । इस दिन का उद्देश्य है- लोगों को यह एहसास कराना कि सेहत सिर्फ डॉक्टर या अस्पताल की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारी खुद की प्राथमिकता होनी चाहिए । प्रत्येक वर्ष 07अप्रैल विश्व स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दों के प्रति लोगों में जागरूक करना है। स्वास्थ्य का अर्थ केवल बीमारियों से मुक्त होना नहीं है बल्कि शारीरिक,मानसिक और सामाजिक रूप से स्वस्थ होना है। अच्छा स्वास्थ्य ही जीवन का सबसे बड़ा धन है, जिसके बिना जीवन की समस्त सुख-सुविधाएं व्यर्थ हैं। स्वास्थ्य ही जीवन का असली धन है स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है।जैसे कि संतुलित आहार फल,सब्जियांऔर पर्याप्त पानी पीना अच्छे स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है। इसके साथ-साथ नियमित व्यायाम,योग करने से शरीर स्वास्थ्य, मजबूत और रोगमुक्त रहता है। पीएलबी पूनम, अशोक, आरती और संगीता ने मौके पर बच्चों को जागरुक करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए प्रतिदिन 7-8 घंटे की अच्छी और गहरी नींद बहुत जरूरी है तथा स्वच्छता,जैसे हाथ धोना और नहाना,हमें कीटाणुओं और बीमारियों से बचाती है। जीवन में स्वस्थ भोजन शैली को भी अपनाना जरूरी होता है क्योंकि जंक फूड,धूम्रपान और शराब के सेवन से स्वास्थ्य को हानि होती है इसलिए हर व्यक्ति को इन सभी व्यसनों से बचना चाहिए,क्योंकि ये स्वास्थ्य को हर हाल में नुकसान पहुंचाते हैं। मानव जीवन के लिए मानसिक स्वास्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण है,इसलिए तनाव मुक्त रहने के लिए आध्यात्मिकता आवश्यक है इसलिए हर व्यक्ति को आध्यात्मिक रूप से शरीर को स्वस्थ रखने का प्रयत्न करना चाहिए। दिन में कई बार थोड़ा-थोड़ा खाने के बजाय निर्धारित समय पर संतुलित भोजन करना बेहतर है। स्वयं को सक्रिय रखने का निरंतर प्रयास करना चाहिए क्योंकि सक्रिय जीवनशैली से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।जिससे हम मौसमी बीमारियों जैसे सर्दी-जुकाम से बचते हैं। सभी लोगों को नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच करना चाहिए इससे बीमारियों का समय पर पता चल जाता है और उपचार करने में सहायता मिलती है। यह सर्व विदित है कि स्वस्थ शरीर के साथ ही हम जीवन का वास्तविक आनंद ले सकते हैं। ऐसा कहां भी गया है कि पहला सुख निरोगी काया।

संक्षिप्त खबरें...

मोकामा में मां-बेटे की हत्या, 3 लोग घायलःभाई के साथ जमीन विवाद था

बाढ़. मोकामा में दो भाइयों के बीच जमीन विवाद है। चाचा ने मंगलवार की सुबह अपने 2 बेटों के साथ मिलकर भतीजे की हत्या कर दी। वहीं मां मंजू देवी की भी इलाज के दौरान मौत होने की खबर है। मृतक अजय यादव का बेटा राजीव कुमार (32) है। अजय अपने बेटे राजीव के साथ खेत गए थे। गेहूं की कटनी के बाद घर लौट रहे थे। रास्ते में अजय के भाई विजय ने अपने बेटों के साथ हमला कर दिया। भतीजे को ईंट-पत्तथर से मारा, फिर कुदाल से हमला किया। वहीं, 4 लोग घायल भी हुए हैं। घायलों में छोटा भाई कृष्णा कुमार, भगना विवेक कुमार और पिता अजय यादव हैं। इन्हें मोकामा ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। घटना साहबेगपुर मोहल्ले की है। ग्रामीण एसपी कुंदन कुमार ने कहा कि जमीनी विवाद में दो भाई में मारपीट की घटना हुई है। एक भाई के परिजन दूसरे भाई और उसके परिजन पर हमला किये है। कुदाल से भी हमला किया गया है। मृतक के मंझले भाई कन्हैया कुमार ने कहा कि फसल लगी थी। जिसे काटने के लिए हम सब खेत गए थे। चाचा ने पूरी प्लानिंग कर रखी थी। उनलोगों ने हमें घेर लिया। मेरे बड़े भाई को टारगेट कर लिया था। वे लोग करीब 8 लोग थे। हमारे तरफ से उतने लोग नहीं थे। उनलोगों ने कुदाल से हमला कर दिया। 4 कट्ठा जमीन को लेकर विवाद है, जबकि 13 कट्ठा का प्लॉट है। स्थानीय लोगों ने बताया कि फसल की कटाई को लेकर दो परिवार के लोग आपस में भिड़ गए थे। परिवार में एक अन्य व्यक्ति के सिर पर कुदाल का वार किया गया था, जिन्हें तुरंत प्राथमिक उपचार के बाद पीएमसीएच रेफर कर दिया गया, जिनकी हालत भी गंभीर बनी है। अजय और विजय के बीच जमीन विवाद का पुराना विवाद है। दोनों भाइयों के बीच संपत्ति का बंटवारा हो चुका है, पर घर के पास एक जमीन है, उस जमीन को लेकर दोनों में अक्सर कहासुनी और विवाद होता आ रहा है। हमले के बाद राजीव कुमार मौके पर काफी देर तक पड़ा रहा। पुलिस मौके पर पुहंची तो तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, पर उसकी जान नहीं बची। ग्रामीण एसपी कुंदन कुमार ने कहा कि दो भाइयों के परिवारों के बीच मारपीट हुई। एक भाई के परिवार ने दूसरे भाई और उसके परिवार पर कुदाल से हमला किया, जिसमें राजीव कुमार की मौत हो गई। यह विवाद पुराना बताया जा रहा है, हालांकि थाने में इसकी कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई थी। पुलिस ने आरोपी पक्ष से तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें मृतक का चाचा विजय और उसके 2 बेटे शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, अजय यादव अपनी पत्नी और दोनो बेटे के साथ खेत से काम कर घर लौट रहा था। विजय यादव अपने दोनों बेटे के साथ घर के पास ही बैठा हुआ था। उसके पहुंचते ही उनलोगों पर ईंट पत्थर से हमला कर दिया और कुदाल से मारकर घायल कर दिया। युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था और मौके पर ही काफी देर तक पड़ा रहा। वहां मौजूद भीड़ में से किसी ने भी उसे अस्पताल नहीं पहुंचाया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टर के अनुसार ज्यादा ब्लीडिंग होने से एक युवक राजीव कुमार की मौत हो गई।

'तेजस्वी मां-बहन से हस्ताक्षर करवाकर बताएं शराबबंदी गलत है':जदयू प्रवक्ता नीरज

पटना. बिहार में शराबबंदी को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बयानबाजी लगातार तेज होती जा रही है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने हाल ही में इस मुद्दे को लेकर सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने अपने 'X' अकाउंट के जरिए शराबबंदी कानून पर कई सवाल उठाए हैं। तेजस्वी यादव के आरोपों पर जनता दल (यूनाइटेड) ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। जदयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने इन आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी केवल सवाल उठा रहे हैं, लेकिन कोई समाधान नहीं दे रहे। नीरज कुमार ने चुनौती देते हुए कहा कि तेजस्वी अपने परिवार से लिखित समर्थन लें। उन्होंने कहा कि तेजस्वी अपनी मां, पत्नी और बहन से हस्ताक्षर करवाकर बताएं कि शराबबंदी गलत है। जदयू प्रवक्ता ने यह भी कहा कि विपक्ष को इस मुद्दे पर अपना स्पष्ट रूख जनता के सामने रखना चाहिए। तेजस्वी यादव ने दावा किया था कि राज्य में शराबबंदी पूरी तरह से विफल साबित हो चुकी है। इस कानून के चलते अवैध शराब का कारोबार तेजी से बढ़ा है। उनके मुताबिक बिहार में यह अवैध धंधा करीब 40 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। नीरज कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल पर भी निशाना साधा, उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव के दौरान राजद को शराब कंपनियों से भारी चंदा मिला था। उनके अनुसार यह राशि करीब 46 करोड़ 64 लाख रुपए थी। उन्होंने मांग की कि इस फंडिंग की पूरी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए।

हॉस्टल में यूकेजी स्टूडेंट की मौत, दादा बोले-गंदा काम हुआः प्राइवेट पार्ट में भी जख्म

जहानाबाद. मेरा बच्चा हर दिन अपने भाई के साथ सोता था, लेकिन घटना वाले दिन स्कूल स्टाफ उसे ऊपर वाले कमरे में ले गया। कहा, चलो मोबाइल दिखाएंगे। वहां उसके साथ गंदी हरकत की गई। सुबह जब हालत बिगड़ी, तब हमलोगों को फोन किया गया। यह कहना है कि जहानाबाद के यूकेजी के मृतक छात्र आशु के दादा रामजी प्रसाद का। दरअसल, 5 साल का आशु लोदीपुर स्थित गुरुकुल हॉस्टल में अपने 7 साल के बड़े भाई के साथ रहता था। सोमवार की सुबह करीब 6 बजे बुलाकी बीघा गांव में पिता धनंजय को गुरुकुल से फोन किया गया कि छोटे बेटे की तबीयत बिगड़ गई है और तुरंत आने को कहा गया। वहां पहुंचने पर परिजनों को पता चला कि बच्चे को अस्पताल ले जाया गया है, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। वहीं पुलिस के मुताबिक बच्चे के गर्दन,आंख, पेट और प्राइवेट पार्ट पर गहरे जख्म के निशान मिले हैं। शव को देखने से ऐसा लगता है कि उसकी हत्या करने में धारदार हथियार का इस्तेमाल किया गया है।

अररिया कॉलेज पर नगर परिषद का 8 करोड़ आउटस्टैंडिंगः होल्डिंग टैक्स को लेकर लोगों में उठ रहे सवाल

अररिया. अररिया नगर परिषद वित्तीय वर्ष की मार्च क्लोजिंग के बाद बड़े बकाएदारों की सूची तैयार कर नोटिस भेजने की तैयारी में है। इसी क्रम में अररिया महाविद्यालय पर नगर परिषद का आठ करोड़ इकतीस लाख बेरासी हजार छः सौ साठ रुपये का होल्डिंग टैक्स बकाया बताया जा रहा है। यह राशि स्थानीय स्तर पर चर्चा का मुख्य विषय बन गई है। आम लोगों में यह सवाल उठ रहा है कि छोटे-मोटे बकाए पर नगर परिषद तुरंत नोटिस जारी कर वसूली अभियान चलाती है, लेकिन एक सरकारी महाविद्यालय जैसे बड़े संस्थान पर इतनी भारी राशि बकाया होने के बावजूद कोई सख्त कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है। इस भेदभावपूर्ण रवैये से आमजन में असंतोष बढ़ रहा है। वार्ड संख्या 07, जहां अररिया महाविद्यालय स्थित है, के पार्षद श्याम कुमार मंडल ने इस संबंध में अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आम लोगों से कर वसूली के लिए नगर परिषद सक्रिय रहती है और होल्डिंग टैक्स समय पर जमा करवा लिया जाता है। सरकारी संस्थान द्वारा इतना बड़ा कर जमा न करना समझ से परे है। उन्होंने जोर दिया कि सरकारी संस्थाओं को पहले कर जमा करना चाहिए, ताकि आम लोगों में जागरूकता बढ़े और वे भी समय पर अपना कर चुकाएं। नगर परिषद के सूत्रों के अनुसार, मार्च क्लोजिंग के बाद सभी प्रमुख बकाएदारों की सूची तैयार की जा रही है और जल्द ही नोटिस जारी किए जाएंगे। हालांकि, अररिया महाविद्यालय के मामले में अभी तक कोई ठोस कार्रवाई होती नहीं दिख रही है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि सरकारी संस्थान ही कर का भुगतान नहीं करेंगे, तो आम आदमी से समय पर भुगतान की उम्मीद कैसे की जा सकती है।

हावड़ा में सम्राट बोले- बंगाल में बंगाली ही सीएम होगाःममता की लालू राज से की तुलना; कहा- मोदी के एक फोन पर पुतिन ने युद्ध रोका

पटना. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने मंगलवार को हावड़ा टाउन में जनसभा को संबोधित किया और सत्तारूढ़ TMC और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने ममता बनर्जी की तुलना लालू यादव से कर दी। सम्राट ने कहा कि बिहार में जब तक लालू यादव का राज था तो इस तरह से गुंडागर्दी होती थी। अब बिहार में एनडीए की सरकार है। वहां कानून का राज है। डिप्टी सीएम ने कहा, "अगर आप चाहते हैं कि बंगाल में महिलाएं सुरक्षित रहें, तो यहां भी बीजेपी की सरकार बनाइए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बंगाल का मुख्यमंत्री राज्य का ही बेटा या बेटी होगा।" सम्राट यहीं नहीं रुके। उन्होंने पीएम मोदी की विदेश नीति की तारीफ करते हुए कहा कि उनके एक फोन पर व्लादिमीर पुतिन ने युद्ध रोक दिया। उन्होंने यह दावा किया कि भारत ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से अपने 9 जहाज सुरक्षित बाहर निकाले। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा, "दुनिया में पिछले चार साल से युद्ध चल रहा है। जब हमारे बच्चे यूक्रेन में फंस गए, तो उन्होंने मेल और फोन के जरिए मदद मांगी। हमने वहां से साढ़े तीन लाख बच्चों को निकाला।" उन्होंने आगे कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्लादिमीर पुतिन को फोन कर युद्ध रोकने के लिए कहा और युद्ध रुक गया। पुतिन ने पूछा कि भारतीय बच्चों की पहचान कैसे होगी, तो मोदी जी ने कहा कि जिसके हाथ में तिरंगा होगा, वह भारत का नागरिक होगा। तिरंगा लेकर दूसरे देशों के लोग भी वहां से निकल गए।"

सम्राट ने घुसपैठ का मुद्दा उठाया

बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, "अगर आप बंगाल को 'सोनार बंगला' बनाना चाहते हैं, तो बीजेपी की सरकार बनाइए। मुंबई तीन ओर से समुद्र से घिरा है, जबकि आपके यहां चारों ओर समुद्र है।" उन्होंने आगे कहा, "बंगाल में घुसपैठिए आपका हिस्सा खा रहे हैं। राज्य को लूटा जा रहा है। ममता बनर्जी ने झूठे वादों के जरिए बंगाल को नुकसान पहुंचाया है। वे घुसपैठियों के लिए दरवाजे खोलती हैं। हमारी सरकार बनाइए, हम सबसे पहले बंगाल के लोगों के लिए दरवाजे खोलने का काम करेंगे।" इस दौरान उन्होंने 5 लाख रोजगार देने का भी वादा किया।
अपने भाषण के दौरान डिप्टी सीएम ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि ममता बनर्जी उसमें शामिल नहीं हुईं। उन्होंने कहा, "ममता बनर्जी ने राष्ट्रपति का अपमान किया। जब वह यहां आईं, तो उन्हें प्रोटोकॉल के मुताबिक सम्मान नहीं दिया गया।" सम्राट ने कहा, "बिहार में हम इंडस्ट्री स्थापित कर रहे हैं। पीएम सूर्य घर योजना के तहत सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं।" उन्होंने आगे कहा, "बिहार में जब महागठबंधन की सरकार थी, तब लोगों के आयुष्मान कार्ड नहीं बनते थे। हमारी सरकार बनते ही 15 दिनों के भीतर 2 करोड़ लोगों को आयुष्मान कार्ड दिए गए।" डिप्टी सीएम ने बंगाल के लोगों से कहा, "हमारी सरकार बनाइए, हम बंगाल के हर व्यक्ति का आयुष्मान भारत योजना के तहत कार्ड बनवाएंगे।" बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी अपने भाषणों में राज्य में एनडीए सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों को प्रमुखता से उठा रहे हैं। खासकर नीतीश कुमार के नेतृत्व में महिलाओं की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और बुनियादी ढांचे में सुधार जैसे मुद्दों को वे बंगाल के मतदाताओं के सामने रख रहे हैं। बीजेपी का मानना है कि बंगाल में बसे बिहार मूल के मतदाता इन मुद्दों से जुड़ाव महसूस करेंगे और इससे पार्टी को चुनाव में फायदा मिल सकता है।

यूपी में बीजेपी से अलग होकर चुनाव लड़ेंगे चिरागःपार्टी बोली- 403 सीटों पर उम्मीदवार उतारेंगे

पटना. बिहार की राजनीति में पकड़ बना चुकी चिराग पासवान की पार्टी अब यूपी के चुनावी मैदान में उतरेगी। चिराग की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने आगामी 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। पार्टी के इस कदम को यूपी में दलित और युवा वोट बैंक में अपनी पैठ मजबूत करने की कोशिश के रुप में देखा जा रहा है। चर्चा यह भी है कि चिराग के यूपी के रण में उतरने से किसकी टेंशन बढ़ेगी। पूर्वी यूपी प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासवान ने कहा कि केंद्र में उनकी पार्टी का गठबंधन बीजेपी से है, लेकिन प्रदेश में कोई गठबंधन नहीं है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) यूपी फर्स्ट और यूपी वाले फर्स्ट के मिशन को लेकर विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। एक तरफ चिराग पासवान केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री और एनडीए के सहयोगी हैं। दूसरी तरफ उनकी निगाहें दलित वोट बैंक पर होगी। जिसका बड़ा हिस्सा बसपा के पास है और आजाद पार्टी के अध्यक्ष सांसद चंद्रशेखर आजाद भी उसे पाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव में 100% स्ट्राइक रेट और बिहार विधानसभा चुनाव में बेहतर करने के बाद चिराग अब नेशनल लेवल पर पार्टी का विस्तार करना चाहते हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि चिराग पासवान का मानना है कि यूपी में भी उनके पिता स्वर्गीय रामविलास पासवान का एक बड़ा आधार रहा है। अब उस जनाधार को फिर से संगठित कर पार्टी को राज्य में तीसरे विकल्प के तौर पर खड़ा करने की प्लानिंग है। 14 जून 2021 को रामविलास पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (LJP) टूट गई। पार्टी के पांच सांसद- पशुपति कुमार पारस, चौधरी महबूब अली कैसर, वीणा देवी, चंदन सिंह और प्रिंस राज ने मिलकर राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को सभी पदों से हटा दिया।

हर बड़े मामले की जांच करने पहुंचेगी एफएसएलः डीजीपी बोले- 13 फॉरेंसिक लैब चालू होंगे

पटना. बिहार में अब अपराधों की जांच को अधिक वैज्ञानिक और मजबूत बनाया जाएगा। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने घोषणा की है। जिन मामलों में सात साल या उससे अधिक की सजा का प्रावधान है, उनमें घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
इस कदम से पुलिस अब गवाहों और बयानों के बजाय वैज्ञानिक साक्ष्यों पर अधिक निर्भर करेगी। डीजीपी ने यह जानकारी पटना स्थित पुलिस मुख्यालय के सरदार पटेल भवन में आयोजित एक फॉरेंसिक कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। इस कार्यशाला में देशभर से आए वैज्ञानिक और फॉरेंसिक विशेषज्ञ शामिल हुए। डीजीपी ने बताया कि बिहार पुलिस अपनी फॉरेंसिक व्यवस्था को तेजी से सुदृढ़ कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य अपराधियों को त्वरित और उचित दंड दिलाना है।
डीजीपी के अनुसार, राज्य में कुल 13 फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) को पूरी तरह से चालू करने की तैयारी चल रही है। इनमें चार स्थायी और नौ क्षेत्रीय लैब शामिल हैं। इन लैब के लिए कर्मचारियों की भर्ती, आवश्यक उपकरणों की खरीद और भवनों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। उम्मीद है कि अगले एक से दो साल में ये सभी लैब अपनी पूरी क्षमता से कार्य करना शुरू कर देंगे।
अपराधों को सुलझाने में डीएनए जांच की बढ़ती अहमियत को देखते हुए, बिहार में तीन से चार नए डीएनए लैब खोलने की योजना है। इसके लिए केंद्र सरकार की फॉरेंसिक एजेंसियों से सहायता मांगी गई है। इन नए लैब से हत्या, दुष्कर्म और अन्य गंभीर मामलों की जांच में अधिक सटीकता आने की उम्मीद है। डीजीपी ने यह भी बताया कि जिन 28 जिलों में अभी क्षेत्रीय फॉरेंसिक लैब उपलब्ध नहीं हैं, वहां भी काम तेजी से जारी है। इन जिलों को मोबाइल फॉरेंसिक लैब (वैन) की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिससे घटनास्थल पर ही वैज्ञानिक जांच संभव हो सकेगी और न्याय प्रक्रिया में तेजी आएगी।

44 पुलिस जिलों को 50 मोबाइल फॉरेंसिक वैन मिली

इन वैन में मौके पर ही जांच करने की सुविधा होती है। जरूरत के अनुसार इनकी संख्या आगे और बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा, पटना और राजगीर में साइबर फॉरेंसिक लैब भी खोले जाएंगे, जिससे ऑनलाइन अपराधों की जांच में मदद मिलेगी। डीजीपी ने बताया कि पहले बिहार में फॉरेंसिक जांच की सुविधा बहुत सीमित थी। साल 2012-13 में सिर्फ 700 से 800 मामलों में ही फॉरेंसिक जांच हो पाती थी। अब यह संख्या बढ़कर करीब 13,000 मामलों तक पहुंच गई है। पहले सिर्फ पटना में एक लैब था, लेकिन अब पटना, राजगीर, मुजफ्फरपुर और भागलपुर में लैब काम कर रहे हैं। इससे जांच की गति और गुणवत्ता दोनों में सुधार हुआ है। डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि कोशिश यह है कि हर मामले में वैज्ञानिक तरीके से जांच हो। इससे अपराधियों के बच निकलने की संभावना कम होगी और अदालत में मजबूत सबूत पेश किए जा सकेंगे। आने वाले समय में बिहार को फॉरेंसिक के क्षेत्र में एक अग्रणी राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। कुल मिलाकर, बिहार पुलिस अब आधुनिक तकनीक और फॉरेंसिक जांच के सहारे अपराध पर काबू पाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। इससे राज्य में कानून-व्यवस्था और मजबूत होने की उम्मीद है।

पत्नी फर्जी आईएएस पति उसका बॉडीगार्ड,मिलकर ठगे 34.74 लाख

मधेपुरा. मधेपुरा में फर्जी आईएएस अधिकारी बनकर लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। इस मामले में पति-पत्नी को अरेस्ट किया गया है, जो खुद को उच्च पदस्थ अधिकारी बताकर लोगों को सरकारी ठेका दिलाने के नाम पर ठगते थे। शिकायत के आधार पर सदर थाना में मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। थानाध्यक्ष विमलेंदु कुमार ने बताया कि लंबे समय से पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। सोमवार की रात पटना से उसे गिरफ्तार कर गया। पूछ्ताछ की जा रही है। दरअसल, 8 फरवरी को पश्चिमी बायपास रोड, वार्ड संख्या-9 निवासी नारायण यादव ने सदर थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि साल 2025 में सिंहेश्वर में आयोजित एक भव्य सत्संग समारोह के दौरान उनकी मुलाकात एक संदिग्ध वीआईपी वाहन में सवार लोगों से हुई। वाहन पर "बिहार सरकार, प्रधान सचिव सह मिशन निदेशक, सामान्य प्रशासन विभाग" का बोर्ड लगा हुआ था। इसी दौरान सन्नी कुमार राय नामक व्यक्ति ने खुद को एक महिला अधिकारी का बॉडीगार्ड बताते हुए परिचय कराया, जबकि साथ मौजूद महिला को आईएएस अधिकारी बताया गया। बातचीत में जब नारायण यादव ने खुद को ठेकेदारी से जुड़ा बताया, तो आरोपियों ने उन्हें सरकारी विभाग में ठेका दिलाने का झांसा दिया। इसके बाद सन्नी कुमार राय ने अलग-अलग माध्यमों से पीड़ित से कुल 34 लाख 74 हजार रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए। काफी समय बीतने के बावजूद जब कोई काम नहीं मिला, तो पीड़ित ने पैसे वापस मांगे। इस पर आरोपी ने मधेपुरा आने के दौरान पैसे लौटाने के बजाय पीड़ित के साथ मारपीट की, उसका आईफोन छीन लिया और फरार हो गया।

इग्नू का दीक्षांत समारोहः20,608 शिक्षार्थियों को डिग्री मिली; स्नातक के 11918 स्टूडेंट्स को मिला सर्टिफिकेट

पटना. इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) का 39वां दीक्षांत समारोह आज मनाया गया। इसे लेकर रवीन्द्र भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां विशिष्ट अतिथि के रूप में चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलपति फैजान मुस्तफा ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर कुल 20,608 शिक्षार्थियों को डिग्री दी गई। इनमें पीजी के 7606, स्नातक के 11,918, डिप्लोमा के 935 और सर्टिफिकेट के 149 विद्यार्थी शामिल हैं। देशभर में इग्नू के 60 क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से लगभग 2,99,092 छात्रों को डिग्री दी गई। 610 (स्नातकोत्तर कार्यक्रम), 85 (बीसीए) और 25 शिक्षार्थियों (बीएड) को उनकी उपाधियां समारोह में व्यक्तिगत रूप से दी गई, जबकि शेष शिक्षार्थियों को कार्यक्रम में निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से दी गई। इस अवसर पर इग्नू क्षेत्रीय केंद्र पटना के शिक्षार्थी मुकेश कुमार ने BAKSH कार्यक्रम में स्वर्ण पदक प्राप्त कर क्षेत्रीय केंद्र का नाम रोशन किया। देशभर के क्षेत्रीय केंद्रों में इसे लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं, मुख्य समारोह नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में हुआ, जहां देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसका लाइव प्रसारण पटना क्षेत्रीय केंद्र के समारोह रवीन्द्र भवन में किया गया।

पटना में सरकारी क्वार्टर सील, सिलेंडर की रिफिलिंग होती थीःपिकअप वैन से कॉमर्शियल सिलेंडर उतारा, स्टॉक को कैंपस में रखा जाता था

पटना. पटना में जिला प्रशासन ने सरकारी क्वार्टर कैंपस 229 को सील किया है। एक नोटिस भी लगाया है। जिसपर अनुमंडल पदाधिकारी के हवाले से लिखा है अवैध गतिविधि की सूचना पर कार्रवाई की गई है। सील को प्रशासन की उपस्थिति में ही खोला जाएगा। कैंपस के ठीक सामने सरकारी स्कूल है। बगल में वार्ड नंबर 42 के पार्षद का ऑफिस और दुकानें हैं। दुकानदार के बारे में स्थानीय युवक ने जिला प्रशासन को गैस रिफिलिंग और कालाबाजारी के बारे में सूचना दी थी। इसी आधार पर प्रशासन ने सरकारी कैंपस को सील कर दिया। कैंपस में ही सिलेंडर रखे जाते थे। मामला कदमकुआं इलाके के काजीपुर रोड नंबर-2 का है। सिलेंडर उतारते वीडियो आया सामने एक वीडियो सामने आया है। जिसमें बगल का दुकानदार एक पिकअप वैन से कॉमर्शियल सिलेंडर उतारते देखा जा रहा है। शिकायत करने वाले युवक का दावा है कि इसी तरीके से दुकानदार गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और रिफिलिंग करता है। फिलहाल प्रशासन की ओर से की गई कार्रवाई के बाद बगल का दुकानदार अपनी दुकान बंद करके फरार है। नाम नहीं बताने की शर्त पर पड़ोस के युवक ने बताया कि दुकान में लंबे समय से रिफिलिंग होती है, गैस सिलेंडर मिलता है। कई बार स्थानीय थाने को इसके बारे में जानकारी दी गई थी, लेकिन पहली बार कल प्रशासन और स्थानीय पुलिस पहुंचकर कैंपस को सील किया है। फिलहाल जिला प्रशासन की ओर से भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि उस कैंपस से क्या मिला है।

बेतिया में गैस की किल्लत से लोग परेशान

पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया में एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत से उपभोक्ता परेशान हैं। जिला प्रशासन भले ही सतर्कता का दावा कर रहा हो, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। बेतिया शहर के हरिवाटिका चौक स्थित प्रज्ञा गैस एजेंसी के बाहर भीषण गर्मी में पुरुषों और महिलाओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं, जहां लोग घंटों से अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। कतार में खड़े उपभोक्ताओं ने गंभीर शिकायतें दर्ज कराई हैं। उनका कहना है कि उन्होंने मोबाइल के माध्यम से गैस सिलेंडर की बुकिंग की है और ऑनलाइन भुगतान भी कर दिया है। इसके बावजूद उनके मोबाइल पर डिलीवरी का मैसेज प्राप्त हो चुका है, जिसमें सिलेंडर की आपूर्ति दर्शाई गई है, लेकिन हकीकत में अब तक उनके घरों तक सिलेंडर नहीं पहुंचा है। इस स्थिति ने उपभोक्ताओं को असमंजस में डाल दिया है। एक ओर जहां उन्हें ऑनलाइन प्रक्रिया पर भरोसा करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर उन्हें अपने हक के लिए घंटों लाइन में खड़ा होना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि समय पर और सही तरीके से गैस की आपूर्ति नहीं होती है, तो यह पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से इस समस्या के त्वरित समाधान की मांग की है। उनका कहना है कि इससे उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी और इस तरह की अव्यवस्था पर रोक लगाई जा सकेगी।

गयाजी में जीतनराम मांझी बोले- गरीबों पर कार्रवाई हो रही, बड़े तस्कर भाग रहे

गया. गया शहर के सरहरी मोड़, भूसंडा स्थित हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेकुलर) के जिला कार्यालय में आज एक मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी शामिल हुए। समारोह में विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों से जुड़े दर्जनों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। जीतन राम मांझी ने पार्टी की नीतियों के बारे में बातचीत की। साथ ही तेजस्वी यादव से सवाल किए। जीतनराम मांझी ने कहा है कि तेजस्वी यादव बताएं कि बालू और शराब माफिया कौन है। वे इन्हीं के लोग है। यहां गरीबों पर लाखों केस हो गए है। बड़े-बड़े शराब तस्कर भाग रहे है। तेजसेवी यादव के लोग बच जाते है। मांझी ने आगे कहा कि कोई पाव भर शराब ले जा रहा है, तो उसको पकड़ना नहीं है। संसोधन हुआ है कि कोई पीकर जा रहा है, तो उस पर जुर्माना लगेगा। केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि पिछले विधानसभा चुनाव में कुछ कार्यकर्ता पार्टी से अलग हो गए थे। चुनाव परिणामों के बाद उन्होंने अपनी गलती स्वीकार की और फिर से पार्टी में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की। मांझी ने कहा कि उनकी पार्टी छोटी है और सामूहिकता पर आधारित है। उन्होंने तर्क दिया कि हर गलती पर कार्यकर्ताओं को बाहर करने से पार्टी का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। इसलिए, जो लोग अपनी भूल स्वीकार करते हैं, उन्हें माफ कर फिर से साथ लेकर चलना चाहिए। इसी सिद्धांत के तहत नंदलाल मांझी सहित कई दर्जन समर्थकों की पार्टी में वापसी कराई गई। मीडिया से बातचीत के दौरान जीतन राम मांझी ने शराबबंदी को लेकर तेजस्वी यादव के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने तेजस्वी यादव से आत्ममंथन करने और यह स्वीकार करने को कहा कि बिहार में बालू और शराब माफिया कौन हैं। मांझी ने आरोप लगाया कि इन अवैध गतिविधियों में तेजस्वी यादव के लोग शामिल हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि शराबबंदी नीति सही है, लेकिन इसके क्रियान्वयन में कई खामियां हैं। मांझी ने सरकार से इस नीति की समीक्षा करने की मांग की, ताकि इसमें सुधार हो सके और आम जनता को इसका वास्तविक फायदा मिल सके।

पश्चिम बंगाल सरकार पर भी उठाए सवाल

मांझी ने पश्चिम बंगाल की राजनीति पर भी टिप्पणी की। उन्होंने ममता बनर्जी पर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में बाहरी लोगों को वोटर लिस्ट में शामिल किया जा रहा है और गलत आधार कार्ड बनवाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इस तरह के काम के कारण ही वहां की सरकार लगातार सत्ता में बनी हुई है। मांझी ने यह भी कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल की जनता बदलाव के मूड में है और आने वाले चुनाव में स्थिति अलग हो सकती है। संगठन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम कुल मिलाकर, गया में आयोजित यह मिलन समारोह सिर्फ एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि पार्टी के विस्तार और मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ पुराने कार्यकर्ताओं की घर वापसी, नए सदस्यों का जुड़ना और नेतृत्व के स्पष्ट संदेश ने यह संकेत दिया कि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा आने वाले समय में अपनी राजनीतिक पकड़ को और मजबूत करने की तैयारी में है। मिलन समारोह के साथ-साथ पार्टी के सदस्यता अभियान को भी गति देने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी से यह साफ संकेत मिला कि पार्टी अपने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में सक्रिय है। नेताओं ने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में और भी लोग पार्टी से जुड़ेंगे और संगठन को विस्तार मिलेगा।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद

रांची, बुधवार, 8 अप्रैल, 2026

www.ksnewsupdates.com

नेतन्याहू का ग्रेटर इजराइल का सपना, सारी दुनिया पर पड़ा भारी

अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया है। इस हमले की सबसे बड़ी वजह इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की ग्रेटर इजरायल की सनक और सत्ता में बने रहने का एक औजार है। जिसने सारी दुनिया के लिए संकट पैदा कर दिया है। नेतन्याहू इजरायल के पहली बार 1996 में प्रधानमंत्री बने। उसके पहले सत्ता में आने के लिए और सत्ता में बने रहने के लिए उन्होंने ग्रेटर इजरायल का सपना इजरायल के लोगों को दिखाया। इजरायली संप्रभुता का विस्तार करने लेबनान, फिलिस्तीन, सीरिया, जॉर्डन, इराक, मिश्र और सऊदी अरब तक विस्तार करके ग्रेटर इजरायल के रूप में विस्तार करने के लिए वह सत्ता का उपयोग कर लोगों की धार्मिक भावनाएं भड़काकर सत्ता में बने रहना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने 1996 से लेकर 2026 तक पूरी दुनिया को एक तरह से खतरे में डालकर रखा है। इस काम में अमेरिका उनके साथ है। अमेरिका और इजरायल ने मिलकर जो ताना-बाना बुना था, वह अब तार-तार हो रहा है। नेतन्याहू ने सत्ता में बने रहने और दक्षिणपंथी समूहों को एकजुट करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया। जॉर्डन, इराक, सऊदी में जरूर प्रत्यक्ष तरीके से इजरायल ने हस्तक्षेप नहीं किया लेकिन इन देशों में अमेरिका और इजरायल का प्रभाव बढ़े इसके लिए लगातार दो दशक से काम कर रहे हैं। अमेरिका की मदद से विस्तारवादी इस कार्यक्रम में नेतन्याहू ने 12 अगस्त 2025 को एक साक्षात्कार में यह भी कह दिया कि वह एक आध्यात्मिक और ऐतिहासिक मिशन पर काम कर रहे हैं। ग्रेटर इजराइल को बनाने में उनकी भूमिका अति महत्वपूर्ण है। उनकी इस घोषणा की उस समय मुस्लिम देशों ने कड़ी निंदा की थी। अमेरिका और इजरायल मिलकर लेबनान की सीमा पर लगातार हमले कर रहे हैं। फिलीस्तीन को एक तरह से खत्म कर दिया। ईरान के साथ लगातार विवाद पैदा करते हुए ईरान को कमजोर करने का प्रयास इजरायल के प्रधानमंत्री द्वारा किया जा रहा है। जिसके कारण खाड़ी के देशों में लगातार तनाव की स्थिति बनी हुई है। बेंजामिन नेतन्याहू का सपना है, वह समुद्र और जॉर्डन नदी के बीच केवल इजरायली संप्रभुता होगी। इसको सफल करने के लिए वो लगातार प्रयास कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने पर उन्हें इस काम में अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के विरोध के बाद भी अमेरिका से जो सहयोग मिल रहा था उसने उनकी महत्वाकांक्षा को और भी बढ़ा दिया। जिसका परिणाम ईरान के साथ प्रत्यक्ष युद्ध के रूप में सामने आया है। पिछले कई दशकों से अमेरिका ईरान पर समय-समय पर प्रतिबंध लगाता रहा है। प्रतिबंध के कारण ईरान की आवाम को लगातार आर्थिक संकटों से गुजरना पड़ रहा है। इसके बाद भी ईरान ने कभी युद्ध करने की बात नहीं सोची। उसने हमेशा विकल्प तलाशा। शायद अमेरिका और इजरायल ने इसे ईरान की कमजोरी माना और वहां पर सत्ता पलटने की कोशिश की। उनके आंतरिक मामलों में सीधा हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया। अमेरिका ने जो इराक के रासायनिक हथियार बनाने का आरोप लगाकर उसे बर्बाद किया था वही नीति अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान के ऊपर लागू करने की कोशिश की। यह कोशिश अमेरिका और इजरायल के लिए इतनी भारी पड़ेगी यह दोनों ने सोचा नहीं था। ग्रेटर इजराइल का सपना उन्हें इस तरह ले डूबेगा इसकी कल्पना डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहू ने नहीं की थी।

धर्म पर आधारित राजनीति कुछ समय तक तो जनता को भावात्मक रूप से जोड़कर रखती है लेकिन जब जनता को कष्ट होने लगता है तो यही भावात्मक लगाव बगावत का कारण बन जाता है। आज पूरी दुनिया में जिस तरह से महंगाई बेरोजगारी आर्थिक मंदी और खाद्य संकट से मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग जूझ रहा है रही सही कसर आदमी को अपने अस्तित्व को बनाए रखने की हो गई है। कर्ज के बोझ में दबकर और परिवार का खर्च नहीं चल पाने की स्थिति में परिवार का मुखिया सामूहिक आत्महत्या जैसे कदम उठाने लगा है। आज दुनिया के कई देशों में आत्महत्या के प्रकरण दिन-प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। दक्षिणपंथी विचारधारा भारत में भी पिछले दो दशक से बड़ी तेजी के साथ फल फूल रही है। अखंड भारत का सपना भारत के एक सांस्कृतिक संगठन एवं राजनीतिक दल द्वारा दिखाया जा रहा है। पिछले 12 वर्षों में यह विचारधारा बड़ी तेजी के साथ भारत में फल फूल रही है, लेकिन जिस तरह की महंगाई, बेरोजगारी और कर्ज का बोझ आम आदमी के सिर चढ़कर बोल रहा है, भारत में भी आत्महत्या और सामूहिक आत्महत्या के हजारों मामले हर राज्य में सामने आ चुके हैं। इसके बाद भी सरकार की जो संवेदनशीलता गरीब और मध्यम वर्ग के साथ होनी चाहिए वह देखने को नहीं मिल रही है। भारत में पूंजीवाद बड़ी तेजी के साथ फल-फूल रहा है। ऐसी स्थिति में जब लोग अपना जीवन-यापन भी नहीं कर पाएंगे ऐसी स्थिति में बगावत उत्पन्न होती है। यही बगावत श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में देखने को मिली। कुछ समय तक लोगों को किसी विचारधारा से भरमाया जा सकता है, लेकिन मनुष्य जीवन में जो मौलिक आवश्यकता है यदि वह पूरी नहीं होती हैं तो इसी तरह का विरोध बनता है। यह अब इजरायल में भी होते हुए दिख रहा है। इजरायल की जनता सड़कों पर आकर पहले भी विरोध कर चुकी है और अब जिस तरीके से वह जीवन और मृत्यु के बीच में झूल रही है उसके बाद इजरायल में नेतन्याहु का विरोध इजरायल में शुरू हो गया है। कुछ इसी तरह का विरोध अमेरिका में देखने को मिल रहा है। जहां पर सभी राज्यों के लाखों लोग सड़कों पर आकर ट्रंप की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन कर चुके हैं जिस तरह की स्थितियां ईरान युद्ध के बाद बनती हुई दिख रही हैं, यह अच्छा संकेत नहीं दे रही है। आर्थिक विशेषज्ञ लगातार आर्थिक मंदी की चेतावनी दे रहे हैं। सभी देशों और उनके नागरिकों पर कर्ज का भारी बोझ है। बाजारबाद और पूंजीवादी व्यवस्था के एकाधिकार के कारण दुनिया के सारे देशों में सत्ता के खिलाफ बगावत देखने को मिल रही है। भारत सरकार को भी इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है। गैस सिलेंडर खाद्यान्न पेट्रोल डीजल आज आम आदमियों की सबसे बड़ी आवश्यकता है। रही सही कसर इंटरनेट और स्मार्टफोन ने पूरी कर दी है। प्रत्येक गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार में दो या तीन स्मार्टफोन होना आम बात है। इंटरनेट पर 2000 रुपये महीने खर्च करना हर परिवार के लिए जरूरी हो गया है। मजदूरी और नौकरी पर जाने के लिए रोज आना 50 से 100 रुपये के पेट्रोल को बढ़ाना जरूरी हो गया है। इस युद्ध के बाद जिस तरीके की स्थितियां देखने को मिल रही हैं उसमें धार्मिक और दक्षिणपंथी विचारधारा एक दूसरे से बांटने का काम करती हैं, लेकिन जब लोग परेशान होते हैं तो यही सारे लोग मिलकर सरकार के खिलाफ एकजुट होते हैं। अपनी जरूरत को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक चले जाते हैं। निश्चित रूप से सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका। जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशर्ते कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सर्वागीण विवेचन उपलब्ध है। मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग। इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है। अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं। वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

कोरियन ड्रामा से भारतीय सीरियल तक : मनोरंजन की दिशा पर पुनर्विचार

> अगर हम चुनावी मुद्दों की बात करें तो महंगाई,रोजगार,कृषि संकट, युवा आकांक्षाएँ और महिला सशक्तिकरण जैसे विषय हर राज्य में गूंज रहे हैं। कोविड के बाद स्वास्थ्य और शिक्षा भी प्रमुख मुद्दों के रूप में उभरे हैं। इसके साथ ही सोशल मीडिया ने चुनावी परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर चल रहा प्रचार और संवाद अब चुनावी रणनीति का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। इन चुनावों का प्रभाव केवल इन राज्यों तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि यह राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी तय करेगा। वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से इसे एक प्रकार का सेमीफाइनल माना जा रहा है।

ललित गर्ग

विश्व के मनोरंजन जगत में पिछले कुछ वर्षों में यदि किसी देश ने टेलीविजन और वेब सीरीज के माध्यम से पूरी दुनिया को सबसे अधिक प्रभावित किया है तो वह दक्षिण कोरिया है। कोरियन ड्रामा आज केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रभाव, सामाजिक शिक्षा, भावनात्मक परिपक्वता और जीवन मूल्यों के प्रस्तुतीकरण का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। भारत सहित दुनिया के करोड़ों लोग कोरियन ड्रामा देख रहे हैं और उनसे प्रभावित हो रहे हैं। यह केवल तकनीक या अभिनय का प्रभाव नहीं है, बल्कि उनकी कहानियों की संवेदनशीलता, जीवन की वास्तविकता और मानवीय रिश्तों की गहराई का प्रभाव है।

कोरियन ड्रामा का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे जीवन की वास्तविक समस्याओं को बहुत संवेदनशील और मानवीय तरीके से प्रस्तुत करते हैं। उनमें परिवार है, प्रेम है, संघर्ष है, बीमारी है, मानसिक तनाव है, करियर की समस्याएं हैं, सामाजिक दबाव है, लेकिन इन सबके साथ समाधान भी है, आशा भी है, सकारात्मकता भी है। वे केवल समस्या नहीं दिखाते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। उनके पात्र अतिनाटकीय या अवास्तविक नहीं होते, बल्कि आम आदमी जैसे होते हैं, जिनकी समस्याएं भी वास्तविक होती हैं और संघर्ष भी वास्तविक होता है।

कोरियन ड्रामा की एक विशेषता यह भी है कि वे सीमित एपिसोड में एक पूर्ण कहानी प्रस्तुत करते हैं। उनमें अनावश्यक विस्तार, अंतहीन षड्यंत्र और कृत्रिम मोड़ नहीं होते। कहानी का एक उद्देश्य होता है और वह उद्देश्य पूरा होते ही कहानी समाप्त हो जाती है। इस कारण उनमें कसाव, गुणवत्ता और प्रभाव बना रहता है। वे दर्शकों के समय और संवेदना दोनों का सम्मान करते हैं।

यदि हम भारतीय टीवी सीरियल्स की ओर देखें, तो स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। अधिकांश धारावाहिक सास-बहू के अंतहीन संघर्ष, पारिवारिक षड्यंत्र, पुनर्जन्म, चमत्कार, बदला, ईर्ष्या और दिखावे के जीवन के इर्द-गिर्द घूमते रहते हैं। एक ही कहानी वर्षों तक चलती रहती है और उसमें वास्तविक जीवन से कोई संबंध नहीं रह जाता। परिवार, जो प्रेम, सहयोग और संवाद का केंद्र होना चाहिए, उसे षड्यंत्र और राजनीति का केंद्र बना दिया जाता है। इससे समाज में नकारात्मक मानसिकता का निर्माण होता है। भारतीय फिल्मों की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है। अधिकांश फिल्में मारधाड़, हीरोगिरी, बदला, अपराध या अवास्तविक प्रेम कहानियों पर आधारित होती हैं। उनमें वास्तविक जीवन की समस्याओं और उनके समाधान पर बहुत कम काम होता है। जबकि आज समाज जिन समस्याओं से जूझ रहा है, वे अलग हैं-मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन, पारिवारिक विघटन, पीढ़ियों के बीच संवाद की कमी, बेरोजगारी, करियर का दबाव, स्वास्थ्य समस्याएं, नशा, पर्यावरण संकट आदि। इन विषयों पर आधारित मनोरंजन बहुत कम देखने को मिलता है।

कोरियन ड्रामा की लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि वे दर्शकों को भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाते हैं। उन्हें देखकर व्यक्ति केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ता है, जीवन को समझता है, रिश्तों की अहमियत को समझता है, धैर्य और संघर्ष की प्रेरणा पाता है। कई कोरियन ड्रामा मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, ऑटिज्म, अस्पताल जीवन, वकीलों के संघर्ष, शिक्षकों के जीवन, छोटे उद्यमियों के संघर्ष जैसे विषयों पर बने हैं। वे दर्शकों को संवेदनशील बनाते हैं, आक्रामक नहीं।

भारत में भी कुछ अच्छे धारावाहिक बने हैं, जैसे "हम लोग", "बुनियाद", "संजीवनी", "बालिका वधू", "उड़ान", "तारक मेहता का उल्टा चश्मा" आदि, जिन्होंने समाज को कुछ सकारात्मक संदेश दिए। लेकिन ऐसे धारावाहिकों की संख्या बहुत कम है। आज जरूरत ऐसे धारावाहिकों और फिल्मों की है जो समाज को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाएं, जीवन जीने की कला सिखाएं, तनाव से मुक्ति का मार्ग दिखाएं, परिवार को जोड़ने का संदेश दें और सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मनोरंजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं होना चाहिए, बल्कि मन का निर्माण होना चाहिए। यदि फिल्म या धारावाहिक देखकर व्यक्ति अधिक आक्रामक, असंतुष्ट, तनावग्रस्त या अवास्तविक जीवन की कल्पनाओं में खो जाए, तो वह मनोरंजन नहीं, मानसिक प्रदूषण है। लेकिन यदि कोई फिल्म या धारावाहिक व्यक्ति को प्रेरित करे, जीवन में आशा जगाए, समस्याओं से लड़ने की शक्ति दे, रिश्तों को समझने की दृष्टि दे, तो वह वास्तविक मनोरंजन है। आज समाज में मानसिक बीमारियां, अवसाद, अकेलापन और तनाव तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में मनोरंजन उद्योग की जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। उन्हें ऐसे धारावाहिक और फिल्में बनानी चाहिए जो मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति को स्वस्थ बनने की प्रेरणा दें, सकारात्मक सोच का निर्माण करें, योग, ध्यान, संवाद, परिवार, मित्रता और जीवन के उद्देश्य के महत्व को दिखाएं। यदि इस दिशा में काम किया जाए, तो मनोरंजन उद्योग समाज के लिए वरदान बन सकता है।

यह भी विचारणीय है कि आखिर क्यों हमारे अधिकांश सीरियल सास-बहू के संघर्ष से शुरू होकर षड्यंत्र और बदले पर समाप्त होते हैं, और हमारी फिल्में मारधाड़ और हीरोगिरी पर आधारित होती हैं। इसका एक कारण यह है कि निर्माता यह मानते हैं कि दर्शक यही देखना चाहते हैं। लेकिन यह आधा सच है। वास्तविकता यह है कि दर्शकों को अच्छा, संवेदनशील और सार्थक कंटेंट मिलेगा, तो वे उसे भी उतना ही पसंद करेंगे, जैसा आज वे कोरियन ड्रामा को पसंद कर रहे हैं। इसका अर्थ है कि समस्या दर्शकों की पसंद में नहीं, बल्कि कंटेंट की दिशा में है। समय आ गया है कि भारतीय मनोरंजन जगत अपनी दिशा पर पुनर्विचार करे। उन्हें यह सोचना होगा कि वे समाज को किस दिशा में ले जा रहे हैं। क्या वे समाज को संवेदनशील, सकारात्मक और स्वस्थ बना रहे हैं, या केवल मनोरंजन के नाम पर नकारात्मकता, हिंसा और षड्यंत्र को बढ़ावा दे रहे हैं? मनोरंजन उद्योग केवल उद्योग नहीं है, वह समाज निर्माण का माध्यम भी है।

कोरियन ड्रामा हमें यह सिखाते हैं कि मनोरंजन भी समाज को शिक्षित कर सकता है, प्रेरित कर सकता है, भावनात्मक रूप से परिपक्व बना सकता है और जीवन को समझने की दृष्टि दे सकता है। भारतीय सिनेमा और टेलीविजन यदि इस दिशा में काम करें, तो वे केवल मनोरंजन नहीं करेंगे, बल्कि समाज को बेहतर बनाएंगे। मनोरंजन का सर्वोच्च रूप वही है जो मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाए, जो निराशा में आशा दे, जो टूटते परिवारों को जोड़ने की प्रेरणा दे, जो तनावग्रस्त व्यक्ति को शांति दे, जो जीवन की समस्याओं का समाधान सिखाए। जब भारतीय धारावाहिक और फिल्में इस दिशा में बननी शुरू होंगी, तब मनोरंजन वास्तव में समाज निर्माण का माध्यम बन सकेगा। यही समय की आवश्यकता है और यही भविष्य की दिशा भी।

असम में सियासी रण और पहचान की राजनीति और विकास के बीच चुनावी जंग तेज

> दूसरी ओर, कांग्रेस भी अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश में है। राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक असंतोष जैसे मुद्दों को उठाकर भाजपा को घेरने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस का तर्क है कि भाजपा की नीतियां समाज में विभाजन पैदा करती हैं और वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाती हैं। अगर कोई मतदाता कांग्रेस को वोट देने का विचार करता है, तो उसके पीछे मुख्य कारण सामाजिक सद्भाव, धर्मनिरपेक्षता और आर्थिक असमानता के मुद्दे हो सकते हैं। कांग्रेस का एक और मजबूत पक्ष उसका पारंपरिक समर्थन आधार है, जिसमें मुस्लिम मतदाता, कुछ आदिवासी समूह और ग्रामीण वर्ग शामिल हैं।

कांतिलाल मांडोत

असम की राजनीति एक बार फिर राष्ट्रीय मुद्दों और स्थानीय समीकरणों के संगम पर खड़ी दिखाई दे रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हालिया बयान—जिसमें उन्होंने घुसपैठियों पर सख्ती और चुनाव के बाद समान नागरिक संहिता लागू करने की बात कही और चुनावी बहस को और तीखा बना दिया है। इस बयान के साथ ही यह साफ हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी इस चुनाव को केवल विकास या स्थानीय मुद्दों तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक अस्मिता के बड़े नैरेटिव से जोड़कर देख रही है। असम की राजनीति हमेशा से बहुस्तरीय रही है। यहां जातीय पहचान, भाषाई विविधता, धार्मिक संतुलन और क्षेत्रीय अस्मिता जैसे मुद्दे गहराई से जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि चुनावी समीकरण भी सरल नहीं होते। राज्य में मुस्लिम आबादी लगभग 34 प्रतिशत के आसपास मानी जाती है, जो कई जिलों में निर्णायक भूमिका निभाती है। खासकर निचले असम और बराक वैली के क्षेत्रों में यह वोट बैंक चुनाव के नतीजों को प्रभावित करता है। दूसरी ओर, ऊपरी असम में असमिया हिंदू, आदिवासी और चाय बागान समुदायों का प्रभाव अधिक है।

भाजपा का चुनावी गणित इन विविध समूहों के बीच संतुलन साधने पर आधारित है। पार्टी की रणनीति साफ तौर पर तीन स्तंभों पर टिकती नजर आती है—घुसपैठ के खिलाफ सख्त रुख, विकास की राजनीति, और आदिवासी व स्थानीय समुदायों को सशक्त करने के वादे। नरेन्द्र मोदीऔर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की जोड़ी को भाजपा एक मजबूत नेतृत्व के रूप में पेश कर रही है। यह नेतृत्व कानून व्यवस्था, बुनियादी ढांचे और कल्याणकारी योजनाओं के जरिए वोटरों को आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है। घुसपैठ का मुद्दा असम में नया नहीं है, लेकिन इसे हर चुनाव में नए सिरे से उभारा जाता है। भाजपा इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थानीय पहचान से जोड़कर पेश करती है। पार्टी का तर्क है कि अवैध प्रवासन ने राज्य की जनसंख्या संरचना को प्रभावित किया है और इससे संसाधनों पर दबाव बढ़ा है। इसी के साथ समान नागरिक संहिता का मुद्दा जोड़कर भाजपा एक व्यापक वैचारिक एजेंडा सामने रख रही है, जो उसके समर्थक वर्ग को एकजुट करता है। हालांकि, यह भी ध्यान देने वाली बात है कि भाजपा ने आदिवासी समुदायों को यूसीसी के दायरे से बाहर रखने की बात कहकर एक संतुलन बनाने की कोशिश की है। असम में बोडो, मिसिंग, कार्बी, राभा जैसी कई जनजातियां हैं, जिनकी अपनी अलग सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान है। इन समुदायों को आश्वस्त करना भाजपा के लिए जरूरी है, क्योंकि ये कई सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाते हैं। एक-एक गाय या भैंस देने जैसे वादे प्रतीकात्मक रूप से आर्थिक सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका से जुड़े हैं, जो सीधे तौर पर आदिवासी और ग्रामीण मतदाताओं को प्रभावित कर सकते हैं।

जातिवाद का फैक्टर भी असम की राजनीति में कम महत्वपूर्ण नहीं है। हालांकि यहां उत्तर भारत की तरह परंपरागत जाति समीकरण उतने स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन समुदाय आधारित राजनीति बहुत मजबूत है। चाय बागान मजदूर समुदाय, जिसे अक्सर 'टी ट्राइब्स' कहा जाता है, लंबे समय से राजनीतिक दलों के लिए अहम वोट बैंक रहा है। भाजपा ने पिछले कुछ चुनावों में इस समुदाय में अपनी पकड़ मजबूत की है, जबकि कांग्रेस पारंपरिक रूप से यहां प्रभाव रखती रही है। इसी तरह बोडो और अन्य जनजातीय समूहों के बीच क्षेत्रीय दलों का भी प्रभाव है, जिससे चुनावी मुकाबला त्रिकोणीय हो जाता है। विकास का मुद्दा इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। भाजपा यह दावा कर रही है कि पिछले वर्षों में असम में सड़क, पुल, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। निवेश और उद्योग को बढ़ावा देने की कोशिशें भी दिखाई देती हैं। यदि मतदाता इन दावों को स्वीकार करते हैं, तो भाजपा को इसका सीधा लाभ मिल सकता है। खासकर युवा मतदाता, जो रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की अपेक्षा रखते हैं, विकास के एजेंडे से प्रभावित हो सकते हैं।

दूसरी ओर, कांग्रेस भी अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश में है। राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक असंतोष जैसे मुद्दों को उठाकर भाजपा को घेरने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस का तर्क है कि भाजपा की नीतियां समाज में विभाजन पैदा करती हैं और वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाती हैं। अगर कोई मतदाता कांग्रेस को वोट देने का विचार करता है, तो उसके पीछे मुख्य कारण सामाजिक सद्भाव, धर्मनिरपेक्षता और आर्थिक असमानता के मुद्दे हो सकते हैं। कांग्रेस का एक और मजबूत पक्ष उसका पारंपरिक समर्थन आधार है, जिसमें मुस्लिम मतदाता, कुछ आदिवासी समूह और ग्रामीण वर्ग शामिल हैं। यदि यह समर्थन एकजुट रहता है और क्षेत्रीय दलों के साथ तालमेल बनता है, तो कांग्रेस भाजपा को कड़ी चुनौती दे सकती है। हालांकि, पिछले चुनावों में कांग्रेस को संगठनात्मक कमजोरी और नेतृत्व के अभाव का सामना करना पड़ा है, जिसे दूर करना उसके लिए जरूरी है।

असम का चुनाव केवल दो दलों के बीच मुकाबला नहीं है, बल्कि यह कई स्तरों पर लड़ी जाने वाली लड़ाई है। यहां स्थानीय बनाम बाहरी, विकास बनाम पहचान, और परंपरा बनाम आधुनिकता जैसे कई विमर्श एक साथ चलते हैं। यही वजह है कि हर चुनाव में परिणाम चौंकाने वाले हो सकते हैं।

अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि असम का मतदाता बेहद जागरूक और व्यावहारिक है। वह केवल भावनात्मक मुद्दों पर नहीं, बल्कि अपने हितों और भविष्य को ध्यान में रखकर निर्णय लेता है। भाजपा के लिए चुनौती है कि वह अपने वादों को विश्वसनीय बनाए और सभी वर्गों का विश्वास जीत सके। वहीं कांग्रेस के लिए जरूरी है कि वह एक मजबूत वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करे। इस चुनाव में यह देखना दिलचस्प होगा कि मतदाता सुरक्षा और पहचान के मुद्दों को प्राथमिकता देता है या विकास और सामाजिक संतुलन को।

होरमुज संकट और भारत की तैयारी

भूपेन्द्र गुप्ता

होरमुज जलडमरूमध्य में बढ़ता तनाव एक बार फिर यह याद दिला रहा है कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा कितनी नाजुक नींव पर खड़ी है। सरकार चाहे जितने भी दावे करे, सच्चाई यह है कि भारत आज भी अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बाहरी दुनिया पर अत्यधिक निर्भर है। ऐसे में सवाल उठता है-क्या सरकार की वर्तमान रणनीति वास्तव में दूरदर्शी है या सिर्फ संकट को टालने की कोशिश? सबसे पहले बात करते हैं तेल सप्लाई स्त्रोतों की विविधता की। सरकार इसे अपनी बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश करती है कि उसने मध्य पूर्व के अलावा रूस, अमेरिका और अफ्रीका से तेल खरीद बढ़ाई है। लेकिन यह आधा सच है। रूस से सस्ता तेल खरीदना एक अवसर जरूर था, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। भू-राजनीतिक परिस्थितियां कभी भी बदल सकती हैं। अमेरिका से तेल महंगा है और अफ्रीका से आपूर्ति स्थिर नहीं रहती। यानी अन्य स्त्रोतो ने जोखिम तो कम किया है, खत्म नहीं किया। दूसरा बड़ा दावा है रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व (एसपीआर) का। सरकार ने भंडारण क्षमता बढ़ाने की योजना बनाई है, लेकिन वास्तविकता यह है कि वर्तमान भंडारण केवल कुछ दिनों की जरूरत ही पूरी कर सकता है। अगर होरमुज लंबे समय तक बंद रहता है, तो यह रिजर्व ऊंट के मुंह में जीरा साबित होगा। सवाल यह है कि जब भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का दावा करता है, तो उसकी ऊर्जा सुरक्षा इतनी सीमित क्यों है? तीसरा पहलू है नौसेना और सामुद्रिक सुरक्षा। भारतीय नौसेना की तैनाती और एस्कॉर्ट मिशन निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं, लेकिन यह समाधान नहीं बल्कि संकट कम करना है। समुद्र में जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है, पर अगर रास्ता ही बंद हो जाए तो सुरक्षा किस काम की? अब आते हैं सबसे महत्वपूर्ण पहलू—कूटनीति। भारत की "सबके साथ संतुलन" वाली नीति को अक्सर उसकी ताकत बताया जाता है। लेकिन यह संतुलन भी जोखिम से भरा है। ईरान, अमेरिका, सऊदी अरब और रूस—इन सभी के साथ संबंध बनाए रखना आसान नहीं है। किसी भी बड़े संघर्ष की स्थिति में यह संतुलन टूट सकता है, और तब भारत के पास विकल्प सीमित हो जाएंगे। सरकार का एक और बड़ा तर्क है ऊर्जा की वैकल्पिकता का—यानी सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और ग्रीन हाइड्रोजन। यह निश्चित रूप से भविष्य की दिशा है, लेकिन वर्तमान संकट का समाधान नहीं। भारत में अभी भी परिवहन और उद्योग का बड़ा हिस्सा तेल पर निर्भर है। ऊर्जा संक्रमण की गति इतनी धीमी है कि निकट भविष्य में इसका असर सीमित ही रहेगा। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन सभी प्रयासों के बावजूद भारत की मूल समस्या जस की तस बनी हुई है—88% तेल आयात पर निर्भरता। जब तक यह निर्भरता कम नहीं होती, तब तक हर अंतरराष्ट्रीय संकट भारत की अर्थव्यवस्था को झकझोरता रहेगा। राजनीतिक स्तर पर भी यह मुद्दा बेहद संवेदनशील है। तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो महंगाई बढ़ती है, और महंगाई सीधे सरकार की लोकप्रियता को प्रभावित करती है। इसलिए अक्सर देखा गया है कि सरकारें अल्पकालिक उपायों—जैसे टैक्स में कटौती या तेल कंपनियों पर दबाव—का सहारा लेती हैं। लेकिन ये उपाय दीर्घकालिक समाधान नहीं हैं, बल्कि सिर्फ चुनावी प्रबंधन के औजार हैं।

तो समाधान क्या है? सबसे पहले, भारत को अपनी ऊर्जा नीति में वास्तविक सुधार करना होगा। घरेलू उत्पादन को बढ़ाना, वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों में तेज निवेश करना और ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता देना जरूरी है।

घरेलू उपायों से लटकी हुई त्वचा होगी ठीक

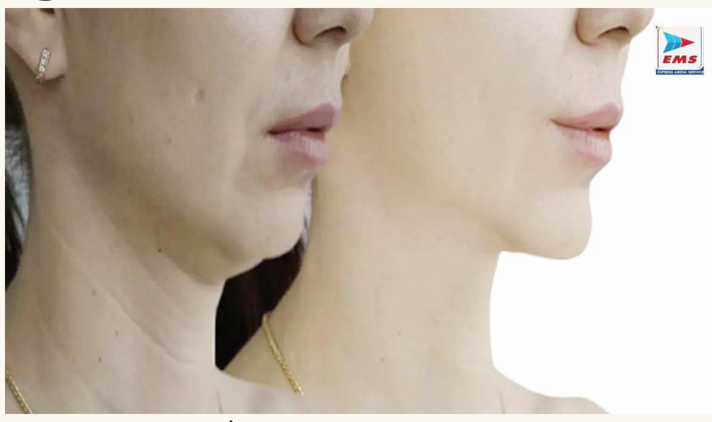

कई महिलाओं को लगता है कि केवल पार्लर ट्रीटमेंट या महंगे प्रोडक्ट्स ही खूबसूरती निखारते हैं, लेकिन सच्चाई इससे काफी अलग है। कई ऐसे पौधे मौजूद हैं जो स्किन के लिए किसी नेचुरल ब्यूटी प्रोडक्ट से कम नहीं। अगर आप लटकी हुई त्वचा या डल फेस से परेशान हैं, तो एक आसान नुस्खा आपकी स्किन को फिर से टाइट और ग्लोइंग बना सकता है।

सबसे पहले ये समझना जरूरी है कि स्किन का लटकना या ढीलापन सिर्फ उम्र के कारण नहीं होता। आजकल 25-30 साल की उम्र में भी लोग स्किन के लटकने की शिकायत करने लगे हैं। इसका कारण है लगातार स्क्रीन टाइम, नींद की कमी, केमिकल बेस्ड क्रीम्स और खराब खानपा।. जब स्किन के नीचे मौजूद कोलेजन कम होने लगता है, तो चेहरे पर कसावट भी घट जाती है। ऐसे में नेचुरल इंग्रीडिएंट्स से स्किन को अंदर से पोषण देना सबसे बेहतर तरीका है। स्किन को कसने और ग्लो बढ़ाने के लिए सिर्फ तीन चीजों की जरूरत है। तुलसी की पत्तियां, चावल का आटा और मुल्तानी मिट्टी। ये तीनों चीजें मिलकर स्किन को नेचुरल टाइटनिंग देती हैं, साथ ही डार्क स्पॉट्स और झुर्रियों को भी कम करती हैं।

तुलसी की पत्तियां (सूखी और पाउडर के रूप में)
चावल का आटा
मुल्तानी मिट्टी
कैसे तैयार करें फेस पैक?

1. सबसे पहले तुलसी की ताजी पत्तियों को तोड़कर छांव में सुखा लें।
2. सूख जाने पर इन्हें पीसकर महीन पाउडर बना लें।
3. अब इसमें तुलसी पाउडर की मात्रा से 4 गुना ज्यादा चावल का आटा मिलाएं।
4. फिर इस मिक्स में 4 गुना मुल्तानी मिट्टी डालें और अच्छे से मिक्स कर लें।
5. जब भी लगाना हो, इस पाउडर में कच्चा दूध या एलोवेरा जेल मिलाकर पेस्ट बना लें।.
6. इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 30 मिनट तक छोड़ दें।
7. समय पूरा होने पर सादे पानी से धो लें।

रोजाना या हफ्ते में 3 बार इसका इस्तेमाल करने से स्किन पर फर्क आने लगेगा।

नई गाड़ी की पहली सर्विस समय पर क्यों करानी चाहिए

एक जरूरी लेकिन अक्सर नजरअंदाज किया जाने वाला विषय

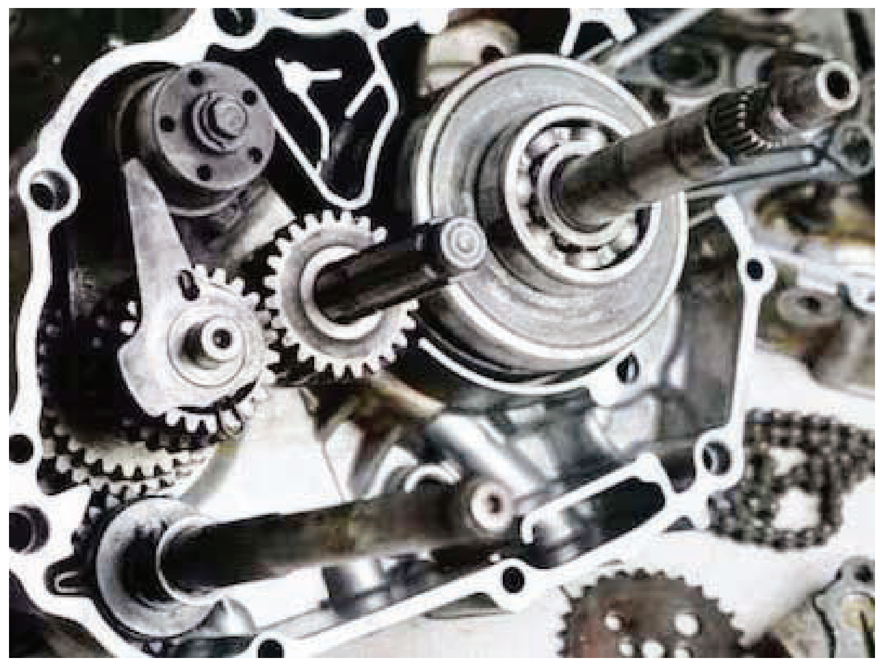

नई गाड़ी खरीदना हर व्यक्ति के लिए खुशी और गर्व का क्षण होता है। चमचमाती गाड़ी, नई खुशबू और बेहतर परफॉर्मेंस की उम्मीदें मन में रहती हैं। लेकिन इस खुशी के साथ एक अहम जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है-गाड़ी की पहली सर्विस समय पर कराना। कई लोग इसे हल्के में लेते हैं या सोचते हैं कि नई गाड़ी है, अभी सर्विस की क्या जरूरत। जबकि हकीकत इसके ठीक उलट है।

पहली सर्विसः गाड़ी की सेहत की पहली जांच

नई गाड़ी फैक्ट्री से निकलते समय पूरी तरह तैयार जरूर होती है, लेकिन शुरुआती कुछ हजार किलोमीटर में उसके इंजन और अन्य पाट्र्स आपस में एडजस्ट होते हैं। पहली सर्विस के दौरान इंजन ऑयल, फिल्टर, ब्रेक, क्लच और अन्य जरूरी हिस्सों की जांच की जाती है। यह सर्विस गाड़ी की शुरुआती "हेल्थ चेकअप" मानी जाती है, जो भविष्य की बड़ी समस्याओं को रोकने में मदद करती है।

इंजन की लंबी उम्र के लिए जरूरी

नई गाड़ी के इंजन में शुरूआती समय में हल्की-फुल्की मेटल पार्टिकल्स निकल सकती हैं, जो इंजन ऑयल में मिल जाती हैं। पहली सर्विस में ऑयल बदलने या उसकी जांच करने से ये कण बाहर निकल जाते हैं। अगर पहली सर्विस टाल दी जाए, तो यही कण इंजन को अंदर से नुकसान पहुंचा सकते हैं, जिससे माइलेज और परफॉर्मेंस दोनों पर असर पड़ता है।

माइलेज और परफॉर्मेंस बेहतर रहती है

समय पर पहली सर्विस कराने से इंजन स्मूद चलता है और गाड़ी अपनी तय क्षमता के अनुसार माइलेज देने लगती है। कई बार लोग शिकायत करते हैं कि नई गाड़ी कम माइलेज दे रही है, जबकि असली वजह पहली सर्विस में देरी होती है। सर्विस के दौरान ट्यूनिंग, सेंसर चेक और अन्य सेटिंग्स सही की जाती हैं, जिससे गाड़ी बेहतर प्रदर्शन करती है।

वारंटी बनाए रखने के लिए अनिवार्य

अधिकांश वाहन कंपनियां यह स्पष्ट शर्त रखती हैं कि गाड़ी की सर्विस तय समय या तय किलोमीटर पर करानी होगी। अगर पहली सर्विस समय पर नहीं कराई गई, तो भविष्य में किसी खराबी पर कंपनी वारंटी देने से मना कर सकती है। यानी एक छोटी सी लापरवाही आपको बड़े खर्च में डाल सकती है।

सुरक्षा से जुड़ा अहम पहलू

पहली सर्विस में ब्रेक, टायर, सस्पेंशन, लाइट्स और स्टीयरिंग जैसे सुरक्षा से जुड़े हिस्सों की जांच की जाती है। नई गाड़ी में भी कभी-कभी फैक्ट्री फिटिंग के बाद कुछ बोल्ट ढीले रह सकते हैं या ब्रेक सेटिंग में हल्का फर्क हो सकता है। समय पर सर्विस से ये खामियां दूर हो जाती हैं और आपकी व परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

भविष्य के खर्च कम करने में मददगार

अगर शुरुआती छोटी समस्याओं को समय पर पकड़ लिया जाए, तो वे आगे चलकर बड़ी खराबी नहीं बनतीं। पहली सर्विस दरअसल भविष्य के महंगे रिपेयर से बचाव का तरीका है। थोड़ी सी सावधानी आगे चलकर हजारों रुपये बचा सकती है।

गाड़ी के साथ आपका रिश्ता मजबूत होता है

पहली सर्विस के दौरान आप सर्विस सेंटर के विशेषज्ञों से गाड़ी से जुड़ी जरूरी जानकारियां भी प्राप्त करते हैं—जैसे सही ड्राइविंग आदतें, इंजन रन-इन पीरियड, और किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। इससे आप अपनी गाड़ी को बेहतर समझ पाते हैं और लंबे समय तक उसका सही इस्तेमाल कर पाते हैं। नई गाड़ी की पहली सर्विस केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि गाड़ी की लंबी उम्र, बेहतर परफॉर्मेंस, सुरक्षा और वारंटी के लिए बेहद जरूरी कदम है। इसे नजरअंदाज करना आज भले आसान लगे, लेकिन कल यही लापरवाही भारी नुकसान का कारण बन सकती है। इसलिए जब भी नई गाड़ी लें, उसकी पहली सर्विस तय समय पर जरूर कराएं, ताकि आपकी गाड़ी लंबे समय तक भरोसेमंद साथी बनी रहे।

घरेलू उपकरणों की समय-समय पर सफाई करें

महिलाओं को घर के कामकाज के दौरान घरेलू उपकारणों जैसे फ्रिज, वाशिंग मशीन, ओवन और मिक्सी आदि की जरुरत हमेशा पड़ती रहती है। इनसे जहां काम आसान होता है, वहीं जल्दी भी हो जाता है। वहीं अगर आप काम में वयस्त रहने की बात कहकर अपने घरेलू उपकरणों की साफ सफाई नहीं कर पा रहीं तो यह नुकसान देह हो सकता है। फ्रिज,वाशिंग मशीन और ओवन आदि की साफ-सफाई बेहद जरुरी है। इन उपकरणों में कई रोगाणुओं तथा फंगस के फलने-फूलने का खतरा रहता अधिक रहता है, जिनके चलते पेट दर्द तथा त्वचा के संक्रमण जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इससे आप ही नहीं पूरे परेवार को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

अध्ययनों से पता चलता है कि ई कोली, सालमोनेला तथा लिस्टीरिया जैसे रोगाणु फ्रिज में पनप सकते हैं, जिसके चलते फूड प्वायजनिंग, पेट में गड़बड़ी तथा फ्लू जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि सलाद वाले दराजों में अक्सर सुरक्षित माने जाते बैक्टीरिया के मुकाबले 750 गुणा अधिक बैक्टीरिया होते हैं। ऐसे में एक सप्ताह के बाद फ्रिज के दराजों तथा शैल्फों की हल्की सफाई की जानी चाहिए। जहां कुछ तरल बहा हो इसे साफ किया जाना चाहिए और बासी भोजन को फ्रिज से बाहर निकाल देना चाहिए। हर 3 महीने के अंतराल पर गहराई से फ्रिज की सफाई की जानी चाहिए। डीप क्लीनिंग के लिए फ्रिज से खाद्यों को निकाल दें और गीले कपड़े से जारों या डिब्बों के ढक्कनों तथा निचले हिस्सों की सफाई करें। उसके बाद शैल्फ तथा दराज हटा दें और किचन क्लीनर से फ्रिज के अंदर की सफाई करें। ड्रेन होल को बिल्कुल न भूलें। यदि यह ब्लॉक हो गया है तो फ्रिज से बदबू आ सकती है। सलाद वाले दराज में यदि पानी हो तो इसे बाहर निकाल दें। फ्रिज के हैंडल, टॉप तथा साइडों को साफ करना न भूलें।

वाशिंग मशीन

वाशिंग मशीन में रोगाणु तथा जीवाणु पैदा हो सकते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि 44 प्रतिशत वाशर्स में इ कोली तता स्टेफीलोकोकस नामक बैक्टीरिया मौजूद होते हैं, जिनसे त्वचा पर छाले या खरोंचे हो सकती हैं। वाशिंग मशीन की साफ-सफाई हर महीने की जानी चाहिए। डिटर्जेंट वाले दराज को मशीन से निकाल दें और साबिन वाले गर्म पानी में डुबो दें। जब पानी ठंडा हो जाए तो उसमें से धूल हटाने के लिए पुराने टूथब्रथ का इस्तेमाल करें। मशीन के मुख्य भाग की सफाई के लिए इसे खाली एक चक्र में घुमाएं। जब यह चक्र समाप्त हो जाए तो ड्रम को एयर ड्राई करने के लिए मशीन का दरवाजा खोलें। एक गीले कपड़े से रबड़ सील के आस-पास सफाई करें।

ओवन

ओवन में ग्रीस तथा तेल से बैक्टीरिया पैदा होने का खतरा होता है। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि टॉयलेट सीट के मुकाबले ओवन के हैंडल पर अधिक बैक्टीरिया पाए जाते हैं। हफ्ते के आधार पर ओवन के दरवाजे की साफ-सफाई की जानी चाहिए। हर महीने ओवन की साफ-सफाई करें। ओवन की शैल्फों को निकाल दें और रातभर साबुन वाले पानी में डुबोकर रखें और स्क्रबिंग से पहले 30 मिनट के लिए एक सीलबंद प्लास्टिक बैग में डालकर रखें। हीटिंग एलीमैन्ट्स को ढक दें तथा खाद्यों को ओवन में से निकाल दें। क्लीनर से स्प्रे करें और इसके बाद गीली स्पंज या साबुन वाले गर्म पानी से इसकी साफ-सफाई करें। कोनों की सफाई के लिए टुथ ब्रश का इस्तेमाल करें और हैंडल की सफाई करना बिल्कुल न भूलें। वहीं मिक्सी को अंदर से सूखे कपड़े से साफ कर उसके नट और स्कू आदि ठीक से कस दें।

इस तरफ रिश्तों में लायें गरमाहट

पति पत्नी में बहस होना सामान्य है पर झगड़े के बाद माहौल सामान्य हो जाना जितना जरूरी है, उतना ही मुश्किल भी। अक्सर ऐसा होता है कि बहस तो खत्म हो जाती है, लेकिन दोनों के बीच की खामोशी रिश्ते को और ज़्यादा जटिल बना देती है। कमरे में चुप्पी और असहजता छाई रहती है, तब समझना मुश्किल हो जाता है कि रिश्ता किस मोड़ पर है। यह वो स्थिति होती है जब न कोई पहल करता है, न कोई अपनी भावनाएं व्यक्त करता है, ना कोई आंखों में आंखें डालकर बात करना चाहता है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि हम समझदारी से इस असहज माहौल को खत्म करें और दोबारा आपसी सामंजस्य की ओर बढ़ें। इससे अपने रिश्ते को फिर से उसी गर्माहट में वापस ला सकती हैं। बहस की नौबत आने से पहले ही समझदारी दिखाएं हर बहस जरूरी नहीं होती। बहुत सी बहसें छोटी बातों पर शुरू होती हैं और बड़ी बन जाती हैं। ऐसे में अगर शुरुआत में ही कोई एक व्यक्ति धैर्य रख ले, तो बात बिगड़ने से बच सकती है। अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें, और सामने वाले की बात पूरी सुनें। इससे स्थिति बिगड़ने से पहले ही संभल सकती है।

मन में न रखें

झगड़े के बाद जो असहजता बनी रहती है, उसका बड़ा कारण यह है कि हम मन में पुरानी बातें दोहराते रहते हैं। अगर आप सच में सुलह चाहते हैं, तो मन से उन बातों को जाने देना जरूरी है। यह तय करें कि रिश्ते की शांति "सही साबित" होने से ज्यादा जरूरी है।

हर बात का विश्लेषण करना बंद करें

बहस के बाद कई बार हम सोचते रहते हैं कि किसने क्या कहा, कैसे कहा और क्यों कहा। लेकिन यह आदत आपको उस स्थिति में अटका देती है। अगर विवाद हल हो चुका है, तो बार-बार उस पर सोचने की जगह अब सामान्य जीवन में लौटने की कोशिश करें।

स्पर्श और स्नेह से भावनात्मक दूरी घटाएं

कभी-कभी शब्द नाकाफी होते हैं और एक गले लगाना या हल्का स्पर्श रिश्ते को फिर से जोड़ देता है। यह संकेत देता है कि आप अब आगे बढ़ना चाहते हैं। इससे न सिर्फ गलतफहमी दूर होती है, बल्कि दोबारा एक दूसरे के करीब आने का रास्ता भी खुलता है।

अपनी गलती मानने में हिचकिचाएं नहीं

किसी भी बहस में गलती सिर्फ एक की नहीं होती। अगर आप सच में रिश्ते को अहमियत देते हैं, तो अपनी तरफ से पहल कर माफ़ी मांगना गलत नहीं है। यह न सिर्फ सामने वाले को भावनात्मक रूप से करीब लाता है बल्कि यह भी दिखाता है कि आप रिश्ते को अहमियत देते हैं।

हल्के-फुल्के अंदाज़ में बात की शुरुआत करें

बहस के बाद अक्सर एक लंबी चुप्पी छा जाती है। इसे तोड़ने के लिए किसी मजेदार घटना या किसी पुराने खुशनुमा पल की चर्चा करें। शुरुआत में थोड़ी झिझक हो सकती है, लेकिन इससे धीरे-धीरे माहौल फिर से सामान्य हो सकता है।

बाहर जायें

अगर झगड़ा घर में हुआ है, तो वहां रहना तनाव को और बढ़ा सकता है। ऐसे में बाहर टहलने जाना, कैफे में बैठना या किसी खुली जगह पर समय बिताना मूड को रीसेट करने का अच्छा तरीका हो सकता है।

लाल रंग के कपड़े

क्या कभी आपने रेड कोट पहनकर कुछ अलग महसूस किया है? एक डेटिंग एक्सपर्ट के मुताबिक, लाल रंग का कोट पहनने से महिलाएं ज्यादा अट्रैक्टिव लगती हैं. साथ ही उनका यह भी दावा है कि रेड कलर का कोट पहनने से महिलाओं को उनका लव पार्टनर मिल सकता है।

क्या कभी आपने रेड कोट पहनकर कुछ अलग महसूस किया है? एक डेटिंग एक्सपर्ट के मुताबिक, लाल रंग का कोट पहनने से महिलाएं ज्यादा अट्रैक्टिव लगती हैं। साथ ही उनका यह भी दावा है कि रेड कलर का कोट पहनने से महिलाओं को उनका लव पार्टनर मिल सकता है।

लेकिन क्या ऐसा सच में होता है? इसी सवाल का जवाब जानने के लिए लंदन के लाइफस्टाइल एडिटर और लेखक ने खुद रेड कलर का कोट पहनकर पूरा दिन बाहर गुजारा. हैरानी तब हुई जब उनको लोगों से काफी अच्छे कॉप्लीमेंट्स मिले. जो उनको दूसरे रंग के कपड़े पहनने पर कभी नहीं मिले थे. कुछ लोगों ने उन्हें खूबसूरत कहा, तो कुछ लोगों ने उनसे दोस्ती करने की इच्छा जताई. जिसपर उन्होंने बताया कि ऐसा होने कि एक वजह यह भी है कि लाल रंग सभी में रंगों में सबसे अलग दिखता है. इस रंग में व्यक्ति ज्यादा खूबसूरत और अट्रैक्टिव लगता है. साथ ही यह रंग व्यक्तित्व में निखार लाने में अहम भूमिका भी निभाता है. उनका यह भी कहना कि लाल रंग के कपड़े पहनने से लोग आपकी तरफ ज्यादा आकर्षित होते हैं.

उनका यह भी कहना है कि फेस्टिव सीजन लाल रंग के कपड़े पहनने के लिए सबसे अच्छा समय होता है. क्रिसमस पर लाल रंग नहीं पहना तो क्या पहना. लेकिन न्यू ईयर के मौके पर भी आप लाल रंग के कपड़े पहनकर लाखों की भीड़ में सबसे अलग दिख सकती हैं।

गर्भासन योग के रोजाना अभ्यास से पीरियड्स में मिलती है राहत

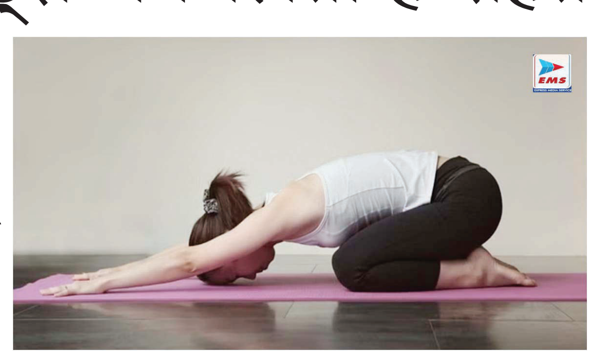

पीरियड्स शुरू होते ही कई महिलाओं को तेज दर्द, ऐंठन और पेट में सूजन की शिकायत होती है, जो बेहद कष्टदायक होता है। ऐसे में हर बार पेन किलर का सहारा लेना जरूरी नहीं। योग के माध्यम से इन समस्याओं से काफी हद तक राहत मिल सकती है। इसी क्रम में गर्भासन एक बहुत प्रभावी योग मुद्रा है। गर्भासन के रोजाना अभ्यास से पीरियड्स के दौरान होने वाली परेशानियां कम होती हैं, गर्भाशय स्वस्थ रहता है और मासिक चक्र भी नियमित बनता है। यह आसन तनाव दूर कर शरीर-मन को संतुलित रखने में भी मदद करता है। महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए गर्भासन को बहुत फायदेमंद बताया है।

यह योगासन खासतौर पर स्वस्थ गर्भाशय बनाए रखने और पीरियड्स के दर्द में राहत के साथ ही उसे नियमित करने में मदद करता है। रोजाना कुछ मिनट इस आसन का अभ्यास करने से शरीर और मन दोनों को शांति मिलती है। गर्भासन का नाम गर्भ यानी भ्रूण और आसन यानी मुद्रा से मिलकर बना है। इस आसन में शरीर की स्थिति भ्रूण जैसी हो जाती है, इसलिए इसे गर्भासन कहते हैं। नियमित अभ्यास से तनाव और चिंता काफी कम होती है, मन शांत रहता है और एकाग्रता बढ़ती है। महिलाओं के लिए यह आसन विशेष रूप से उपयोगी है क्योंकि यह प्रजनन स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है और पीरियड्स से जुड़ी कई समस्याओं में राहत देता है।

इस आसन को सही तरीके से करने के लिए पहले कुछ तैयारी जरूरी है। एक्सपर्ट के अनुसार, गर्भासन शुरू करने से कुछ दिन पहले कुक्कटासन का अभ्यास करें। कुक्कटासन में शरीर का संतुलन अच्छा होने पर ही गर्भासन को आजमाएं। सबसे पहले पद्मासन में बैठें, हाथों को जांघों-पिंडलियों के बीच फंसाकर कोहनियां बाहर निकालें। कोहनियां मोड़कर दोनों कान पकड़ने की कोशिश करें। भार कूल्हों पर रहे। क्षमता अनुसार 30 सेकंड से 1 मिनट तक रहें, फिर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में वापस आएं

आरोपों की बौछार के बीच, पश्चिम बंगाल में कांग्रेस ने उतारी स्टार प्रचारकों की फौज

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण के लिए सियासी बिसात बिछ चुकी है। कांग्रेस पार्टी ने चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंकते हुए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी जैसे शीर्ष नाम शामिल हैं। इनके अलावा हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, अशोक गहलोत, शशि थरूर, के.सी. वेणुगोपाल और कन्हैया कुमार जैसे दिग्गज नेता भी बंगाल के चुनावी मैदान में पार्टी के लिए वोट मांगेंगे। राज्य इकाई से अधीर रंजन चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष शुभंकर सरकार कमान संभालेंगे। कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि वह इस बार अपने दम पर चुनाव लड़ रही है और उसका लक्ष्य पहले चरण की सभी सीटों पर प्रभावी मौजूदगी दर्ज कराना है। राज्य में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होना है। चुनावी गहमागहमी के बीच प्रशासनिक सख्ती भी देखने को मिल रही है। उत्तर 24 परगना जिले के नैहाटी थाना प्रभारी को चुनाव आयोग ने तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। उन पर नामांकन प्रक्रिया के दौरान एक सत्तारूढ़ दल के नेता की मदद करने और पक्षपातपूर्ण भूमिका निभाने का गंभीर आरोप है। भाजपा नेता अर्जुन सिंह द्वारा साझा किए गए एक वीडियो के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। आयोग ने साफ कर दिया है कि निष्पक्ष चुनाव में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इससे पहले भी कानून-व्यवस्था में ढिलाई बरतने पर कोलकाता पुलिस के चार अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है। दूसरी ओर, सुप्रीम कोर्ट ने मालदा जिले में मतदाता सूची संशोधन (सर) के दौरान न्यायिक अधिकारियों की घेराबंदी के मामले में कड़ा रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने इस घटना को पूर्व-नियोजित करार देते हुए इसकी जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है। अदालत ने राज्य प्रशासन और पुलिस की भूमिका पर गहरी नाराजगी जताई और मुख्य सचिव को कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का फोन न उठाने पर फटकार लगाते हुए माफी मांगने का निर्देश दिया है।

पाकिस्तान की कोलकाता पर हमले की धमकी पर अभिषेक का पलटवार कहा- घर में घुसकर मारेंगे

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा कोलकाता को निशाना बनाने की धमकी ने राज्य की सियासत में उबाल ला दिया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है। सिलीगुड़ी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने गरजते हुए कहा कि यदि केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार आती है, तो वे दुश्मनों को उनके घर में घुसकर मारेंगे। विवाद की शुरुआत पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के उस बयान से हुई, जिसमें उन्होंने सियालकोट में बोलते हुए कहा था कि भारत की किसी भी सैन्य कार्रवाई का जवाब तेज और सटीक होगा। इस दौरान उन्होंने बिना किसी आधार के कोलकाता को संभावित निशाना बनाने की बात कही थी। अभिषेक बनर्जी ने इस धमकी पर केंद्र सरकार की चुप्पी को आड़े हाथों लिया। उन्होंने एक कागज पर पाकिस्तानी मंत्री का नाम लिखकर दिखाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से सवाल किया कि वे इस गंभीर मुद्दे पर मौन क्यों हैं? अभिषेक ने तंज कसते हुए पूछा, प्रधानमंत्री कूचबिहार में चुनाव प्रचार कर रहे हैं, लेकिन कोलकाता पर आए खतरे पर एक शब्द नहीं बोल रहे। क्या यही आपका 56 इंच का सीना है? उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार सेना और जांच एजेंसियों का इस्तेमाल केवल राजनीतिक विरोधियों को दबाने के लिए करती है, जबकि विदेशी दुश्मनों के खिलाफ कोई कड़ा स्टैंड नहीं लिया जा रहा। वहीं, टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने भी अलग रैली में केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने पूछा कि क्या बंगालियों की जान की कोई कीमत नहीं है? उन्होंने सवाल किया कि क्या बंगाल को केवल वोटों के लिए इस्तेमाल किया जाता है और खतरे के समय उसे अकेला छोड़ दिया जाता है? यह तनाव दरअसल पिछले साल अप्रैल में हुए पहलगाम हमले और भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद से लगातार बना हुआ है। अभिषेक बनर्जी के इस घर में घुसकर मारने वाले बयान पर राजनीतिक गलियारों में बहस छिड़ गई है। जहां विपक्षी दल इसे बेहद उत्तेजक मान रहे हैं, वहीं टीएमसी इसे राज्य की सुरक्षा और स्वाभिमान के लिए उठाया गया मजबूत कदम बता रही है। केंद्र सरकार की ओर से फिलहाल इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन चुनावी माहौल में इस विवाद ने राष्ट्रवाद और सुरक्षा के मुद्दे को केंद्र में ला खड़ा किया है।

बंगाल में नौकरशाही की विश्वसनीयता कम की जा रही, सरकारी कार्यालयों में घुसी राजनीति

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपनी पूर्ण एवं असीमित शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में एसआईआर कार्य में जुटे सात न्यायिक अधिकारियों के घेराव और हमले से संबंधित मामलों को एनआईए को ट्रांसफर कर दिया है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल में नौकरशाही की विश्वसनीयता कम की जा रही है और सचिवालय एवं सरकारी कार्यालयों में राजनीति घुसाई जा रही है। पीठ ने आदेश दिया कि राज्य पुलिस द्वारा मालदा घटना से जुड़े 26 गिरफ्तार व्यक्तियों से एनआईए द्वारा पूछताछ की जाए, भले ही वे न्यायिक हिरासत में क्यों न हों। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव दुश्यंत नरियाला को फटकार लगाते हुए कहा कि उन्होंने एक अप्रैल को कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की कॉल उस वक्त नहीं उठाई, जब न्यायिक अधिकारियों का घेराव किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक पीठ ने मुख्य सचिव से कहा कि उन्हें कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से कॉल न उठाने के लिए माफी मांगनी चाहिए और कहा कि यह जिला प्रशासन की विफलता को दर्शाता है। कोर्ट ने कहा कि मालदा में एसआईआर कार्य में जुटे न्यायिक अधिकारियों को घंटों तक घेरे जाने की घटना वास्तव में पूर्व-नियोजित और किसी विशेष उद्देश्य से प्रेरित थी। इस पर मुख्य सचिव ने कोर्ट के सामने माफी मांगी। सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और डीजीपी की ओर से हलफनामा भी दाखिल किया गया। जांच एजेंसी के द्वारा कोर्ट को बताया कि इस मामले में अब तक 24 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और अब तक 309 संदिग्धों की पहचान हुई है। इसके साथ ही करीब 432 लोगों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड के विश्लेषण की मांग की गई है। उसके बाद तफ्तीश का दायरा और आगे बढ़ाया जाएगा। न्यायालय ने चुनावी राज्य में हुई हालिया घटनाओं को ध्यान में रखते हुए यह भी कहा कि केंद्रीय बल तैनात रहेंगे। सीजेआई ने कहा कि जिस तरह से अतीत में हालात रहे हैं, उसे देखते हुए पश्चिम बंगाल से केंद्रीय बलों को वापस नहीं बुलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि सरकारी तंत्र विफल होता है, तो हम सोचेंगे कि क्या किया जा सकता है।

सरकार बोली- अदालत धार्मिक मामलों में दखल न दे: सबरीमाला केस में कहा- संसद इस पर कानून बना सकती है

नई दिल्ली: केरलम के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को एंट्री देने का आदेश जारी रहे या नहीं, सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की संविधान पीठ आज से इस पर सुनवाई कर रही है। वकील इस पर बहस कर रहे हैं कि क्या यह मामला सबरीमाला केस की समीक्षा पर सुनवाई का है, या फिर यह केवल रेफर किए गए 7 सवालों के जवाब देने तक ही सीमित रहेगा। केंद्र ने सुनवाई से पहले अपने लिखित जवाब में कहा- सबरीमाला में मासिक धर्म आयु की महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक बरकरार रखी जाए। यह मामला पूरी तरह धार्मिक आस्था और किसी विशेष धार्मिक समूह के अपने नियम तय करने के अधिकार से जुड़ा है, इसलिए इस पर अदालत को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा- अगर कोई सामाजिक बुराई है, जिसे धार्मिक प्रथा का नाम दे दिया गया हो तो अदालत उनके बीच फर्क कर सकती है कि वह एक सामाजिक बुराई है या कोई अनिवार्य धार्मिक प्रथा है। इस पर केंद्र ने कहा, 'संवैधानिक दृष्टि से इसका जवाब यह होगा कि इसका समाधान 'अनुच्छेद 25(2)(b)' में है, यानी संसद इस पर कानून बना सकती है।' दरअसल, धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव के मुद्दे पर जारी इस सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट सबरीमाला के अलावा मस्जिदों में महिलाओं की एंट्री, दाऊदी बोहरा समुदाय में महिला का खतना और दूसरे धर्म में शादी करने वाली पारसी महिलाओं को धार्मिक स्थलों में जाने का अधिकार मिले या नहीं, कोर्ट इस पर भी फैसला करेगा।

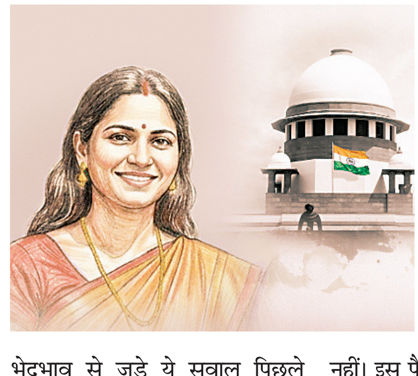

सुप्रीम कोर्ट में 50 से ज्यादा रिव्यू पिटीशन

धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े ये सवाल पिछले 26 साल से देश की अलग-अलग अदालतों में पेंडिंग हैं। सुप्रीम कोर्ट में आज से 22 अप्रैल तक 50 से ज्यादा याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशनरों और उन्हें सपोर्ट करने वाले 7 अप्रैल से 9 अप्रैल तक, जबकि विरोध करने वाले 14 अप्रैल से 16 अप्रैल तक दलीलें दे सकेंगे।

9 जजों की बेंच के सामने सुनवाई के 5 मुद्दे

1. सबरीमाला मंदिर में महिलाओं का प्रवेश: 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने सभी उम्र की महिलाओं को मंदिर में प्रवेश का अधिकार दिया था। अब बड़ी पीठ तय करेगी कि यह फैसला सही था या नहीं। इस फैसले के खिलाफ मंदिर के पुजारी और कुछ संस्थाओं ने पुनर्विचार याचिकाएं दायर की हैं।

2. दाऊदी बोहरा समुदाय में महिलाओं का खतना: दाऊदी बोहरा समुदाय में महिला खतना के मुद्दे पर 2017 में एडवोकेट सुनीता तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट यह तय करेगा कि क्या यह प्रथा मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है?

3. मस्जिदों में महिलाओं का प्रवेश: यास्मीन जुबैर अहमद पीरजादा नाम की महिला ने 2016 में मुस्लिम महिलाओं के मस्जिद में प्रवेश के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। कोर्ट तय करेगा कि क्या मुस्लिम महिलाओं को मस्जिद में नमाज पढ़ने से रोका जा सकता है?

4. पारसी महिलाओं का अग्निमंदिर में प्रवेश: 2012 में पारसी महिला गुलरुख एम गुप्ता ने हिंदू व्यक्ति से शादी के बाद अग्नि मंदिर में प्रवेश से रोके जाने के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की। मामला अब सुप्रीम कोर्ट में है, जो तय करेगा कि क्या गैर-पारसी से शादी करने पर पारसी महिला को मंदिर में प्रवेश से रोका जा सकता है।

5. मुस्लिम पर्सनल लॉ से जुड़े लैंगिक भेदभाव के प्रश्न: धार्मिक गतिविधियों में जेंडर के आधार पर भेदभाव को क्या मौलिक अधिकार का हनन माना जा सकता है?

SG मेहता बोले- सबरीमाला मामले में गलत फैसला दिया गया था

SG मेहता ने कहा कि मैं अभी सबरीमाला मामले पर कोई बात नहीं कर रहा हूं। फिलहाल, आप सभी कानून से जुड़े सवालों की जांच कर रहे हैं। इसलिए अभी इस चर्चा को 'सुई जेनेरिस' (सुई जेनेरिस-अद्वितीय/विशेष प्रकृति) जैसे मामलों से प्रभावित होने देना सही नहीं होगा, हालांकि मेरा यह मानना है कि सबरीमाला मामले में गलत फैसला दिया गया था और उसे एक गलत कानून घोषित किया जाना चाहिए। इस नियम को लागू करते हुए, अगर अपील करने वालों की बात मान ली जाए, तो आर्टिकल 25(2)(b) अलग-अलग धार्मिक मंदिरों पर लागू होने में पूरी तरह से बेकार हो जाएगा, हालांकि, उस आर्टिकल की भाषा में वे शामिल हैं।

मणिपुर- बम हमले में 2 बच्चों की मौत: घटना के विरोध में प्रदर्शन; पुलिस चौकी तोड़ी

ऑयल टैंकरों में आग लगाई; 5 जिलों में इंटरनेट बंद

इंफाल: मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में मोइरांग ट्रोंगलाओबी इलाके में कुछ उग्रवादियों ने एक घर में बम फेंक दिया। जिसमें जिसमें 5 साल के एक लड़के और छह महीने की बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ऑफिसर ने बताया कि जब घर में बम फटा, तब दो बच्चे और उनकी मां अपने बेडरूम में सो रहे थे। मां घायल है। स्थानीय लोगों ने घटना के विरोध में मंगलवार सुबह प्रोटेस्ट किया। इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास दो ऑयल टैंकर और एक ट्रक में आग लगा दी। उन्होंने मोइरांग पुलिस स्टेशन के सामने टायर जलाए और एक पुलिस चौकी को तोड़ दिया। हालात को कंट्रोल करने के लिए इलाके में सिक्योरिटी फोर्स तैनात कर दी गई है।

मणिपुर सरकार ने मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सर्विस को 3 दिनों के लिए बंद कर दिया है।

सीएम ने घायल महिला से मुलाकात की

मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह मंगलवार सुबह पीड़ित मां से मिलने अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस जुर्म के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाएगी और उनसे कानून के तहत सख्ती से निपटा जाएगा। खेमचंद ने कहा कि यह हमला एक बर्बर हरकत है और इंसानियत पर सीधा हमला है। यह मणिपुर में मुश्किल से मिली शांति को पटरी से उतारने की कोशिश है।

चुराचांदपुर के पहाड़ी इलाकों के पास बसा है मोइरांग इलाका

मणिपुर का मोइरांग ट्रोंगलाओबी इलाका चुराचांदपुर के पहाड़ी इलाकों के पास है। 2023 और 2024 में मैतेई और कुकी-जो ग्रुप्स के बीच जातीय संघर्ष के दौरान यहां लगातार गोलीबारी हुई थी। एक और सीनियर अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को ट्रोंगलाओबी के पास के इलाके से एक एक्सप्लोसिव डिवाइस भी बरामद किया गया। स्थानीय NPP विधायक शांति सिंह ने भी हमले की निंदा की। उन्होंने कहा, यह घिनौना काम आतंकवाद से कम नहीं है। ऐसे अमानवीय कामों की हमारे समाज में कोई जगह नहीं है और इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए।

जम्मू में 16 साल से फरार पाक आतंकी गिरफ्तार: लश्कर का मेंबर था

एक साथी और तीन मददगार भी पकड़े गए

श्रीनगर: जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा टेरर मॉड्यूल से जुड़े कुल 5 लोगों को अरेस्ट किया है। इनमें से दो पाकिस्तानी आतंकी हैं, बाकी उनके मददगार हैं। एक आतंकी की पहचान अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरेरा के रूप में हुई है। अब्दुल्ला 16 साल से फरार था। वहीं, दूसरा पाकिस्तानी आतंकी उस्मान उर्फ खुबैब है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ-साथ सेंट्रल एजेंसियां भी इस ऑपरेशन में शामिल थीं। जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा समेत 19 जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। कुछ सामान भी बरामद किया। जांच में LeT के एक नेटवर्क का पता चला, जो आतंकवादियों को लॉजिस्टिक्स और फाइनेंशियल मदद करता था।

बॉर्डर पार हैंडलर्स के संपर्क में थे तीन मददगार

अधिकारियों के मुताबिक, पकड़े गए पांच लोगों में श्रीनगर के तीन लोग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को

आतंकवादियों को पनाह और खाना समेत लॉजिस्टिक मदद देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

2010 में भारत में घुसे थे दो पाकिस्तानी आतंकी

अधिकारियों ने कहा कि जांच से पता चलता है कि एक अन्य आतंकवादी दूसरे राज्यों में लश्कर-ए-तैयबा नेटवर्क की मदद से जाली कागजात और पहचान के आधार पर देश से बाहर जाने में कामयाब रहा। आतंकवादियों ने करीब 16 साल पहले भारत में घुसपैठ की थी, जिस दौरान वे कश्मीर घाटी के अलग-अलग जिलों में एक्टिव रहे। इन सालों में, उन्होंने करीब 40 आतंकवादियों को कमांड किया। इनमें से ज्यादातर को सुरक्षाबलों ने मार गिराया।

असम पुलिस की पवन खेड़ा के घर छापेमारी: खेड़ा ने आरोप लगाया था- सीएम हिमंता की पत्नी के पास 3 पासपोर्ट

नई दिल्लीगुवाहाटी/चेन्नई: असम पुलिस की टीम कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के दिल्ली आवास पर पहुंची है। सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी की FIR के बाद यह कार्रवाई की गई है। पवन घर पर नहीं है। असम पुलिस उनसे पूछताछ के लिए इंतजार कर रही है। दिल्ली पुलिस भी साथ में मौजूद है। दरअसल दो दिन पहले पवन ने असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर आरोप लगाया था कि उनके पास मिस्र, एंटीगा-बरबूडा और UAE के पासपोर्ट हैं।

हिमंता और उनकी पत्नी ने आरोपों को गलत बताया था। दिल्ली में छापेमारी पर सीएम सरमा ने आज कहा कि वह कल गुवाहाटी से भाग गए। मुझे मीडिया के जरिए पता चला है कि पुलिस दिल्ली में उनके घर गई थी, लेकिन वह हैदराबाद भाग गए हैं। कानून अपना काम करेगा। हिमंता की पत्नी ने सोमवार को FIR भी कराई थी। असम में 9 अप्रैल को वोटिंग होगी।

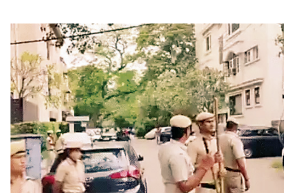

सिलचर में शाह बोले- असम में पहली कैबिनेट में यूसीसी लाएंगे

गृह मंत्री अमित शाह ने असम के सिलचर में कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घुसपैठ रोकना चाहते हैं, जबकि राहुल गांधी की पार्टी घुसपैठियों का स्वागत करती है। 1991 में यहां के सात जिलों में हिंदू आबादी 38 लाख थी जो घटकर 36 लाख हो गई है और मुस्लिम आबाद 39 लाख थी जो बढ़कर 64 लाख हो गई है। राहुल गांधी को इनमें वोट बैंक दिखते हैं। राहुल गांधी ये आखिरी बार घुसपैठियों का वोट लेना है तो ले लो अगले चुनाव में वोट देने के लिए हम इनको यहां नहीं रखेंगे, बाहर निकाल देंगे। ये जो डेमोग्राफी चेंज हो रही है, अननेचुरल जनसांख्यिकी बदलाव के लिए मोदी जी ने 15 अगस्त 2025 को हाईपॉवर डेमोग्राफिक चेंजेस मिशन की घोषणा की है। कुछ समय में गृह मंत्रालय इसका नोटिफिकेशन निकालकर डेमोग्राफी चेंज का अभ्यास करने वाला है। शाह ने कहा- असम में सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट मीटिंग में हम असम में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करेंगे, और किसी को भी चार शादियां करने की इजाजत नहीं होगी। हम डेमोग्राफिक बदलाव को रोकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

गोगोई बोले- हिमंता के लिए राजनीति का मतलब पैसा है

एपीसीसी प्रमुख गौरव गोगोई ने जोरहाट में रोड शो किया। उन्होंने कहा- आज लोग एक नए असम की कल्पना कर रहे हैं। वे भ्रष्ट नेताओं को हटाना चाहते हैं। लोग समझ गए हैं कि हिमंत बिस्वा सरमा के लिए राजनीति का मतलब पैसा और संपत्ति है, जबकि हमारे लिए राजनीति का मतलब सेवा है।

बड़ा खुलासा! नंदीग्राम में 95 प्रतिशत मुसलमानों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के संदर्भ में नंदीग्राम से एक चौंकाने वाला पैटर्न सामने आया है, जहां वोटर लिस्ट से नाम हटाने की प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, क्षेत्र की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी लगभग 25 प्रतिशत है, लेकिन हटाए गए नामों में उनकी हिस्सेदारी 95.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके विपरीत, लगभग 75 प्रतिशत गैर-मुस्लिम आबादी के बीच नाम हटाने के मामले मात्र 4.5 प्रतिशत दर्ज किए गए हैं।
एक पब्लिक पॉलिसी संस्था द्वारा किए गए विश्लेषण में चुनाव आयोग के सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट डेटा का अध्ययन किया गया। सात अलग-अलग सूचियों की जांच में सामने आया कि कई मामलों में हटाए गए नामों में मुसलमानों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से लेकर 98 प्रतिशत तक रही। यह आंकड़े आबादी के अनुपात से काफी अलग तस्वीर पेश करते हैं और प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करते हैं। हालांकि, एक सूची में अपवाद भी देखने को मिला। 'लिस्ट 4ए' में हटाए गए सभी नाम गैर-मुस्लिम महिलाओं के थे, जिसमें किसी भी मुस्लिम मतदाता का नाम शामिल नहीं था।

मथुरा में योगी के कार्यक्रम का टेंट आंधी में उड़ा: रेगिस्तान में ओले गिरे

लखनऊ/शिमला/देहरादून: देश के 20 से ज्यादा राज्यों में आज से आंधी-तूफान और बारिश की संभावना है। आज से नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय हो रहा है। बैक-टु-बैक दो सिस्टम एक्टिव होने से मौसम में बदलाव है। यूपी के लखनऊ, मेरठ और गाजियाबाद में मंगलवार दोपहर बारिश हुई। मथुरा में तेज आंधी से सीएम योगी के कार्यक्रम का टेंट उड़ गया। वहीं राजस्थान के रेगिस्तानी जिल नागौर में बारिश के साथ ओले गिरे। जयपुर, बीकानेर और टोंक में भी तेज बारिश हुई। इधर, मध्य प्रदेश में अगले 3 दिन आंधी-बारिश और ओले गिरने की संभावना रहेगी। ग्वालियर में आज बारिश हुई, जबकि 34 जिलों में अलर्ट है।

हिमाचल प्रदेश के चंबा में मंगलवार सुबह लैंडस्लाइड से एक निर्माणाधीन पुल टूट गया। भरमौर और होली क्षेत्र को जोड़ने

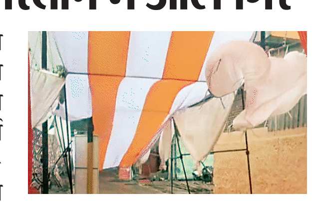

वाला सिंयूर पुल रावी नदी में समा गया। इसके बाद क्षेत्र के कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ और चमोली में मंगलवार को बर्फबारी हुई। दिल्ली-NCR में भी मंगलवार को बारिश हुई।

अगले दो दिन मौसम का हाल

7-8 अप्रैल- पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में भी बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं का असर रहेगा। पूर्वी उत्तर प्रदेश कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक और 40–50 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है।

2026 में कम होगी बारिश, 30 प्रतिशत तक सूखे का खतरा; स्काईमेट ने जारी किया पहला अनुमान

देश में इस साल मानसून को लेकर निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट ने अपना पहला अनुमान जारी कर दिया है। एजेंसी के मुताबिक 2026 में जून से सितंबर के बीच होने वाली कुल बारिश सामान्य से कम रहने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार इस बार मानसून करीब 94 फीसदी रहने का अनुमान है, जो कि लॉन्ग पीरियड एवरेज यानी एलपीए से लगभग 6 फीसदी कम है। इसकी बड़ी वजह El Niño को माना जा रहा है, जिसका असर बारिश पर पड़ सकता है। स्काईमेट का कहना है कि चार महीनों में देशभर में औसतन 817 मिलीमीटर बारिश हो सकती है। हालांकि इसमें 5 फीसदी तक ऊपर या नीचे रहने की गुंजाइश भी बताई गई है। एजेंसी ने यह भी कहा है कि इस साल देश में सूखे की आशंका करीब 30 फीसदी तक है, जबकि 40 फीसदी संभावना ऐसी है कि बारिश सामान्य से कम ही रहे। अब

सबकी नजर सरकारी मौसम विभाग इंडिया मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट पर है, जो इस महीने के आखिर तक मानसून को लेकर अपना पहला आधिकारिक अनुमान जारी करेगा।

स्काइमेट का अनुमान, तीन महीने रहेंगे सूखे के संकेत

निजी मौसम एजेंसी स्काइमेट के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक 2026 के मानसून सीजन में बारिश का पैटर्न संतुलित नहीं रहने वाला है। चार महीनों के इस सीजन में सिर्फ जून में सामान्य बारिश की उम्मीद जताई गई है, जबकि बाकी महीनों में बारिश औसत से कम रहने का अनुमान है। स्काइमेट के अनुसार जून में बारिश लॉन्ग पीरियड एवरेज यानी एलपीए का करीब 101 फीसदी रह सकती है। इस महीने के सामान्य रहने की संभावना 40 फीसदी है, जबकि 40 फीसदी संभावना इसे सामान्य से कम रहने की भी है। जून का एलपीए 165.3 मिमी है। जुलाई की बात करें तो इस महीने बारिश एलपीए के 95 फीसदी तक रहने का अनुमान है, यानी यह सामान्य से कम रह सकती है। जुलाई के लिए सामान्य और कम बारिश, दोनों की संभावना 40-40 फीसदी बताई गई है। इस महीने का एलपीए 280.5 मिमी है।

अगस्त में भी स्थिति कमजोर रहने के आसार हैं। स्काइमेट का अनुमान है कि इस महीने बारिश एलपीए के 92 फीसदी तक ही रह सकती है। अगस्त में कम बारिश होने की संभावना करीब 60 फीसदी बताई गई है। इस महीने का एलपीए 254.9 मिमी है। सितंबर में भी राहत के संकेत नहीं हैं। देशभर में औसत बारिश एलपीए के 89 फीसदी रहने का अनुमान है, जो सामान्य से कम श्रेणी में आता है। सितंबर में कम बारिश होने की संभावना सबसे ज्यादा 79 फीसदी बताई गई है। इस महीने का एलपीए 167.9 मिमी है। स्काइमेट के शुरुआती अनुमान से साफ है कि 2026 के मानसून में जून को छोड़कर बाकी तीनों महीनों में बारिश सामान्य से कम रह सकती है, जिससे खेती और जल संसाधनों पर असर पड़ने की आशंका है।

कमजोर मानसून का अनुमान: खेती और अर्थव्यवस्था पर क्या होगा असर

देश में जुलाई और अगस्त महीने खरीफ फसलों की बुवाई के लिए सबसे अहम माने जाते हैं। अगर इन दो महीनों में बारिश कमजोर रहती है या लंबे समय तक रुकावट आती है, तो इसका सीधा असर तिलहन, दालों और धान जैसी फसलों पर पड़ सकता है। खासकर मध्य, पश्चिमी और पूर्वी भारत में खेती प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ कुल बारिश का आंकड़ा ही सब कुछ तय नहीं करता। अगर मानसून भले ही सामान्य से कम हो, लेकिन समय पर और अलग-अलग इलाकों में ठीक तरीके से बरसे, तो नुकसान सीमित रह सकता है।

अमेरिका के रेस्क्यू ऑपरेशन के बीच में चीन ने कर दिया खेल, दुनिया हैरान

दावा- कार्गो विमान पहुंचे ईरान, जो यूरेनियम था निकाल ले गया ड्रैगन

बीजिंग,(ईएमएस)। जब दुनिया की नजरें एक तरफ अमेरिका के रेस्क्यू ऑपरेशन पर टिकी थी। जहां एफ15 ईगल के पायलट को बचाने की जद्दोजहद चल रही थी। उसी वक्त एक ऐसा खेल हुआ जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया और यह खेल चुपचाप हुआ। बिना शोर के और सीधे अमेरिका को यहां पर चैलेंज दिया गया। यह दावा किया गया कि चीन ने ईरान में अपने विमान भेजे और उन्हीं विमानों में हथियार भी पहुंचाए साथ ही ईरान का जो यूरेनियम था वो भी बाहर निकाल लिया। रिपोर्ट्स और चर्चाओं में यह दावा सामने आ रहा है कि चीन के कार्गो विमान ईरान पहुंचे। ऊपर से लॉजिस्टिक सपोर्ट दिख रहा था, लेकिन अंदर क्या था? यह सबसे बड़ा सवाल अब भी बना हुआ है। दावा किया जा रहा है कि इन विमानों में मिसाइल के पाट्‌र्स, डिफेंस इक्विपमेंट भेजा गया और वापसी में ईरान का संवेदनशील यूरेनियम साथ ले गया। अगर यह सच है तो इसके पीछे का गेम क्या है? अमेरिका ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को खत्म करना चाहता है। यूरेनियम सबसे बड़ा टारगेट है अमेरिका का। अगर चीन उसे अपने पास ले जाता है तो सीधे-सीधे इसे अमेरिका को चैलेंज करना है और अमेरिका को यह मैसेज देना है कि अब अगर हिम्मत है तो चीन से इसे लेकर दिखाए यानी ईरान को भी बचाया और खुद को भी एक बड़ी स्ट्रेटेजिक पोजीशन पर चीन यहां पर ले आया। यह दावा सामने आया है कि यह सब कुछ उस समय हुआ जब अमेरिका अपने पायलट को बचाने में उलझा था। ऑपरेशन चलाया जा रहा था। फोकस था रेस्क्यू मिशन पर। मीडिया का ध्यान वहीं था और इसी डिस्ट्रैक्शन के बीच चीन ने अपना ऑपरेशन पूरा कर लिया। क्या यह वाकई संभव है? अगर कार्गो फ्लाइट्स पहले से ही अप्रूव्ड हो। मिलिट्री कोऑर्डिनेशन पहले से ही बेहतर हो और ऑपरेशन हाई सीक्रेट रखा जाए, लेकिन अभी तक बता दें कोई भी आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है और ना ही कोई ठोस सबूत सामने आए हैं इस दावे को लेकर। कुल मिलाकर कहे तो यह एक स्ट्रांग जियोपॉलिटिकल थ्योरी समेत सामने आई हैं इस पूरी स्थिति को देखकर जिसे अभी जांचा जाना बाकी है और अगर यह दावा सही साबित होता है तो यह गेम चेंजर भी साबित होगा मिडिल ईस्ट की जंग पर। सीधे चीन जो अमेरिका को चैलेंज कर रहा है। ईरान को न्यूक्लियर शील्ड मिल जाएगी और पावर बैलेंस पूरी तरह से यहां पर बदल सकता है। यानी यह सिर्फ एक ऑपरेशन नहीं यह ग्लोबल पावर शिफ्ट की शुरुआत हो सकती है। तो क्या वाकई चीन ने चुपचाप ईरान से यूरेनियम निकाल लिया है। अमेरिका को चकमा देकर क्या चीन ने पूरा खेल पलट दिया है और दुनिया को एक नए टकराव की तरफ धकेल दिया है? फिलहाल यह सवाल बने हुए हैं और यह सब कुछ दावे हैं, शक है और एक बड़ा सवाल भी है अगर यह सच हुआ तो आने वाले जो कुछ दिन हैं यह दुनिया के नक्शे को बदल कर रख सकते हैं।

ईरान ने खोली अमेरिका की पोल कहा- यूरेनियम चुराने की अमेरिकी साजिश को किया विफल

ईरान के अंदर घुसकर अपने लापता पायलट को सुरक्षित निकालने के अमेरिकी दावे पर तेहरान ने बेहद गंभीर और चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं। ईरान का मानना है कि अपने पायलट को बचाने की आड़ में अमेरिका की असली कोशिश ईरानी संवर्धित यूरेनियम चुराने की एक गुप्त साजिश थी, जिसे ईरानी सेना ने पूरी तरह विफल कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को स्पष्ट रूप से कहा कि इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि यह ऑपरेशन यूरेनियम लूटने के इरादे से की गई एक छल कपट से भरी चाल हो सकती है।

बघाई ने इस ऑपरेशन की सत्यता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस कोहगिलुयेह और बोयर-अहमद प्रांत में अमेरिकी पायलट के मौजूद होने का दावा किया गया था, वह उस क्षेत्र से काफी दूर है जहां अमेरिकी सेना ने अपनी लैंडिंग की कोशिश की थी। ईरानी सेना ने इसे अमेरिका के लिए एक बड़ी नाकामी बताते हुए धोखे और भागने का मिशन करार दिया है। ईरान का दावा है कि हमले की चपेट में आने के बाद कई अमेरिकी विमानों को दक्षिणी इस्फ़हान प्रांत में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी, जिसके बाद अपनी तकनीक बचाने के लिए अमेरिका को अपने ही विमानों पर भारी बमबारी कर उन्हें नष्ट करना पड़ा। हालांकि, अमेरिका ने इसे विमानों में आई तकनीकी खराबी बताया है।

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की थी कि ईरान में दुर्घटनाग्रस्त हुए एफ-15ई स्ट्राइक ईगल जेट के दूसरे पायलट को एक साहसी अभियान के जरिए बचा लिया गया है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, यह अधिकारी पहाड़ों की दरारों में छिपकर और 7,000 फुट की ऊंचाई तक चढ़ाई कर दो दिनों तक बचता रहा, जिसे दर्जनों विमानों की मदद से सुरक्षित लाया गया।

ईरान ने इस दावे को खारिज करते हुए सबूत के तौर पर नष्ट हुए अमेरिकी सैन्य विमानों के मलबे की तस्वीरें और वीडियो जारी किए हैं। ईरान के केंद्रीय मुख्यालय के अनुसार, मध्य ईरान में एक समन्वित अभियान के दौरान दो अमेरिकी ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर और एक सी-130 सैन्य परिवहन विमान को भी मार गिराया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस पूरे विवाद के केंद्र में इस्फहान शहर है, जो ईरान का सबसे बड़ा परमाणु अनुसंधान केंद्र है। ईरान का आरोप है कि अमेरिका इसी रणनीतिक केंद्र को निशाना बनाना चाहता था, जबकि अमेरिका इसे महज एक बचाव अभियान बता रहा है।

रेस्क्यू ऑपरेशन का प्लान लीक करने वाले और खबर पब्लिश करने वाले को नहीं छोड़ेंगे

-ट्रंप ने कहा- प्रशासन में है भेदिए उस व्यक्ति को खोजने के लिए कर रहे मेहनत

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। डोनाल्ड ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिकी जवान के रेस्क्यू के लिए चलाए गए ऑपरेशन की जानकारी दी1 इस दौरान उन्होंने बताया कि ईरान से अमेरिकी एयरमैन के रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान उनके नेतृत्व वाले प्रशासन के भीतर किसी भेदिए की मौजूदगी हो सकती है। ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन उस व्यक्ति को खोजने के लिए मेहनत कर रहा है, क्योंकि उस अज्ञात शख्स ने संवेदनशील रेस्क्यू ऑपरेशन और ईरान में फंसे दोनों जवानों की जान खतरे में डाल दी थी। बता दें ईरान ने 2 अप्रैल को अमेरिकी एफ-15ई लड़ाकू विमान को अपने एयरस्पेस में मार गिराया था। इस विमान में पायलट के साथ एक और जवान उड़ान भर रहा था। अमेरिकी सेना ने पालयट को तुरंत रेस्क्यू कर लिया था, लेकिन दूसरे जवान को रेस्क्यू करने के लिए एक बड़ा सैन्य ऑपरेशन चलाना पड़ा। ट्रंप ने उस पत्रकार को भी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी, जिसने सबसे पहले यह खबर ब्रेक की थी कि अमेरिकी सेना ईरान में अपने जवान की तलाश कर रही है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने यह न्यूज पब्लिश की है, अगर वह अपने सोर्स का खुलासा नहीं करता है तो उसे जेल जाना पड़ेगा और यह ज्यादा समय तक नहीं चलेगा।

हालांकि ट्रंप ने किसी पत्रकार या मीडिया संस्थान का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने कहा कि इस तरह की गोपनीय जानकारी के सार्वजनिक होने से ईरानी सुरक्षा बलों को यह पता चल गया कि गिराए गए एफ-15ई के पायलट के बचाव के बाद एक और अमेरिकी जवान उनके क्षेत्र में मौजूद था। ट्रंप ने बताया कि इस रेस्क्यू ऑपरेशन में कुल 155 विमानों का इस्तेमाल किया गया, जिनमें 4 बॉम्बर, 64 फाइटर जेट, 48 रिफ्यूलिंग टैंकर और 13 रेस्क्यू एयरक्राफ्ट शामिल थे। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन का एक बड़ा हिस्सा ईरानी सुरक्षा बलों को भ्रमित करने के लिए था, ताकि वे उस स्थान तक न पहुंच सकें जहां जवान छिपा था। ट्रंप ने कहा कि जब दुश्मन के इलाके में कोई विमान गिरता है, तो सभी सबसे पहले उसी स्थान पर पहुंचते हैं, इसलिए वहां से जितना दूर हो सके जाना जरूरी होता है। उन्होंने बताया कि एयरमैन बुरी तरह घायल था और काफी खून बह रहा था, लेकिन इसके बावजूद वह पहाड़ी इलाके को पार कर सका और अमेरिकी सुरक्षा बलों से संपर्क कर अपनी लोकेशन साझा की।

समझौते के लिए चौधरी बन रहे पाकिस्तान की तूती बंद बोला- नो कमेंट, नहीं करा पाया सीजफायर

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी भीषण सैन्य संघर्ष को रोकने के लिए पाकिस्तान की ओर से की गई शांति पहल को बड़ा झटका लगा है। पाकिस्तान ने सोमवार को उन खबरों पर आधिकारिक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि उसने युद्ध समाप्त करने के लिए 45 दिनों के युद्धविराम का प्रस्ताव दिया है। हालांकि, पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने यह पुष्टि जरूर की है कि पर्दे के पीछे शांति प्रक्रिया अभी भी जारी है। दूसरी ओर, तेहरान ने किसी भी अस्थायी युद्धविराम से साफ इनकार करते हुए इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि 45 दिनों के संघर्ष विराम या 15 सूत्रीय समझौते को लेकर कई तरह की खबरें सामने आ रही हैं, लेकिन वे वर्तमान में इन पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते।

यह बयान उन रिपोर्टों के बाद आया है जिनमें दावा किया गया था कि पाकिस्तान ने वॉशिंगटन और तेहरान को एक विस्तृत शांति योजना सौंपी है। इस योजना, जिसे अस्थायी रूप से इस्लामाबाद समझौता नाम दिया गया है, में दो चरणों वाले दृष्टिकोण की बात कही गई थी। इसके तहत पहले तत्काल युद्धविराम लागू किया जाना था और उसके बाद दीर्घकालिक शांति के लिए व्यापक वार्ता का मार्ग प्रशस्त होना था। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान पिछले एक महीने से दोनों देशों के बीच मध्यस्थता की कोशिश कर रहा है। एक समय ऐसा भी आया था जब पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के उच्चाधिकारियों की मेजबानी करने के करीब पहुंच गया था, लेकिन दोनों पक्षों के अड़ियल रुख के कारण यह संभव नहीं हो सका। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, तेहरान ने पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका को अपना कड़ा जवाब भेज दिया है। ईरान का स्पष्ट कहना है कि वह केवल स्थायी समाधान चाहता है और छोटे अंतराल वाले युद्धविराम उसे स्वीकार्य नहीं हैं। वर्तमान में पाकिस्तान के साथ-साथ मिस्त्र और तुर्किये भी इस तनाव को कम करने के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। नया शांति प्रस्ताव ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ को भेजा गया था। भले ही अमेरिका और ईरान की ओर से इस पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन ईरान के रुख ने साफ कर दिया है कि खाड़ी क्षेत्र में शांति की राह अभी भी बेहद चुनौतीपूर्ण बनी हुई है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर ट्रंप का बड़ा दावा, कहा- अब अमेरिका शुल्क वसूलेगा

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। ईरान के साथ बढ़ते सैन्य तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य का समुद्री रास्ता बंद होने से वैश्विक ऊर्जा संकट गहरा गया है। ईरान ने दो टूक कहा है कि जब तक स्थायी युद्धविराम पर समझौता नहीं होता, तब तक इस रणनीतिक मार्ग को नहीं खोला जाएगा। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बेहद आक्रामक और चौंकाने वाला बयान देते हुए ईरान पर अपनी जीत का दावा किया है। वाइट हाउस में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रंप ने कहा कि ईरान सैन्य रूप से हार चुका है और अमेरिका इस संघर्ष में विजेता बनकर उभरा है। ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर ईरान द्वारा टोल वसूलने की संभावना को सिरे से खारिज करते हुए एक नया विचार पेश किया। उन्होंने कहा, चूंकि हम विजेता हैं, इसलिए वहां से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने का अधिकार भी हमारे पास है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके पास इसे लागू करने के लिए एक ठोस योजना है और अब शर्तें अमेरिका के हिसाब से तय होंगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक कच्चे तेल के व्यापार का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहाँ से दुनिया का 20 प्रतिशत तेल गुजरता है। ट्रंप के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए ईरान के पूर्व विदेश मंत्री ने उन्हें मूर्ख राष्ट्रपति करार दिया। उन्होंने अरब देशों के शासकों से एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि ट्रंप खाड़ी देशों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ट्रंप ने ईरान के इलेक्ट्रिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमला किया, तो पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूब सकता है। ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अपनी मैक्सिमम प्रेशर रणनीति को और कड़ा कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि उनकी शर्तों पर समझौता नहीं हुआ, तो ईरान के पास कोई पुल या पावर प्लांट सुरक्षित नहीं बचेगा। ट्रंप ने कहा, ईरान को पाषाण युग में वापस भेज दिया जाएगा। राष्ट्रपति ने अपनी सख्त समय-सीमा का उल्लेख करते हुए बताया कि उन्होंने रियायत की अवधि को कल तक के लिए बढ़ा दिया है। अब मंगलवार रात 8 बजे (भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह 1 बजे) के बाद कोई बातचीत नहीं होगी। ट्रंप ने अंत में कहा कि ईरानी जनता अपनी आजादी के लिए तकलीफ उठाने को तैयार है और उन्हें अपनी सरकार के खिलाफ खड़ा होना चाहिए।

व्हाइट हाउस के सामने फायरिंग की घटना होना सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता की बात

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में व्हाइट हाउस के सामने लाफायेट पार्क के पास फायरिंग की घटना ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। घटना के समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में मौजूद थे। हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन गोली चलाने वाला संदिग्ध अभी फरार है। घटना के बाद सीक्रेट सर्विस और पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति व वाहन की तलाश शुरू कर दी है, और व्हाइट हाउस के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। सामान्य गतिविधियां जारी रहने के बावजूद इलाके में हाई अलर्ट जारी है। यह फायरिंग अमेरिका के हाई प्रोफाइल इलाके में हाल ही में हुई दूसरी बड़ी सुरक्षा घटना है।

पिछले सप्ताह फ्लोरिडा में एक संदिग्ध विमान के कारण एफ-16 फाइटर जेट को अलर्ट पर रखा गया था। इसके अलावा 19 मार्च को अमेरिका में अज्ञात ड्रोन सैन्य ठिकानों और वरिष्ठ अधिकारियों के आवास के पास देखे गए थे। इसमें मार्को रुबियो और पीट हेगसेथ जैसे वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। घटना के बाद व्हाइट हाउस में उच्च स्तरीय बैठक बुलाकर सुरक्षा खतरे का आकलन किया गया और दुनिया भर के अमेरिकी दूतावासों के लिए ग्लोबल सिक्योरिटी अलर्ट जारी किया गया।

विश्लेषकों के अनुसार, इस तरह की घटनाएं अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध की पृष्ठभूमि में गंभीर सुरक्षा चुनौतियों को उजागर करती हैं। ईरान समर्थक संगठन अमेरिका के भीतर अलग-अलग स्थानों पर सक्रिय हैं और 'लोन वुल्फ' शैली के हमले की संभावना भी बनी हुई है। ईरान की ड्रोन तकनीक को देखकर अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां किसी भी संभावित ड्रोन हमले के प्रति सतर्क हैं। व्हाइट हाउस और अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां इन घटनाओं को गंभीरता से ले रही हैं। राष्ट्रपति की सुरक्षा में कोई कमी नहीं की जा रही और संदिग्धों की खोज जारी है। अमेरिका की सबसे एडवांस सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद इन घटनाओं ने दिखा दिया कि हाई प्रोफाइल नेताओं और सैन्य ठिकानों की सुरक्षा हमेशा खतरे में रह सकती है। इन घटनाओं से यह भी संकेत मिलता है कि आधुनिक युद्ध और आतंकवाद के खतरे केवल बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक सुरक्षा के लिए भी चुनौती बने हुए हैं।

ताइपे में कुओमिनिटेग की चेयरमैन चेंग ली वुन मीडिया को संबोधित करने से पहले अन्य पार्टी सदस्यों से मिलती हुईं।

ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई हैं बेसुध, ब्रिटिश अखबार के खुलासे से हड़कंप

तेहरान(ईएमएस)। ईरान में सत्ता के केंद्र को लेकर एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। ब्रिटिश अखबार ताजा रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई इस समय अचेत (कोमा) अवस्था में हैं और उनकी स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है। यह खुलासा अमेरिकी और इजरायली खुफिया एजेंसियों के एक साझा डिप्लोमैटिक मेमो पर आधारित है, जिसे खाड़ी के सहयोगी देशों के साथ साझा किया गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि मोजतबा खामेनेई का इलाज ईरान की राजधानी तेहरान से करीब 140 किलोमीटर दूर कोम शहर में चल रहा है। इससे पहले ऐसी चर्चा थी कि उन्हें इलाज के लिए रूस ले जाया गया है, लेकिन बाद में रूस के राजदूत और अब ब्रिटिश मीडिया ने पुष्टि की है कि वे ईरान के भीतर ही एक सुरक्षित स्थान पर हैं। मोजतबा के बारे में दावा किया जा रहा है कि वे उसी अमेरिका-इजरायल हवाई हमले में गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिसमें उनके पिता और पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत हो गई थी। लीक हुई जानकारियों के अनुसार, 28 फरवरी की सुबह जब इजरायली ब्लू स्पैरो बैलिस्टिक मिसाइलों ने मोजतबा के आवास को निशाना बनाया, तो वे महज कुछ सेकंड के अंतर से बाल-बाल बचे थे। हमले से कुछ मिनट पहले ही वे टहलने के लिए बगीचे में निकले थे, जिससे वे सीधे प्रहार की चपेट में आने से तो बच गए, लेकिन हमले की तीव्रता और छर्रों के कारण वे बुरी तरह जख्मी हो गए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कई बार यह संकेत दिया था कि मोजतबा या तो मारे जा चुके हैं या फिर ऐसी स्थिति में हैं कि वे सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ सकते। मोजतबा खामेनेई को उनके पिता की मृत्यु के बाद सुप्रीम लीडर घोषित किया गया था, लेकिन वे कभी सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए। हालांकि, समय-समय पर उनके नाम से संदेश जारी किए जाते रहे हैं, जिनमें अमेरिका को पलटवार की चेतावनी दी जाती रही है। ताजा रिपोर्ट बताती है कि ये संदेश संभवतः उनके नहीं थे, क्योंकि वे किसी भी निर्णय लेने या युद्ध संचालन की स्थिति में नहीं हैं। फिलहाल ईरान की सैन्य इकाई आईआरजीसी ही शासन के मामलों को देख रही है। ईरान सरकार की ओर से अभी तक इस रिपोर्ट पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, जिससे रहस्य और गहरा गया है।

भारत-बांग्लादेश रिश्तों पर हुमायूं कबीर का बयान....अतीत की गलतियों को न दोहराया जाए

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान सरकार ने भारत के साथ संबंधों में नई शुरुआत करने का संकेत दिया है। प्रधानमंत्री रहमान के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच संबंध 'लोगों से लोगों' पर केंद्रित होने चाहिए और यह सिर्फ राजनीतिक या व्यक्तिगत स्तर तक सीमित न रहें। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि अतीत की गलतियों को न दोहराया जाए। विदेश मामलों के सलाहकार कबीर का बयान भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा के प्रधानमंत्री रहमान से 6 अप्रैल की मुलाकात के बाद आया। बैठक में दोनों पक्षों ने 'भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन' के माध्यम से ऊर्जा सहयोग पर चर्चा की। यह कदम संकेत देता है कि दोनों देशों ने आपसी भरोसे और स्थिर सहयोग को प्राथमिकता देना चाहते है। मंगलवार से बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान का भारत दौरा होने वाला है। वे भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करने वाले है। इस दौरे के दौरान गंगा जल संधि के नवीनीकरण, ऊर्जा सहयोग, और व्यापार प्रतिबंधों को हटाने की मांग प्रमुख चर्चा का विषय होगा। विशेष रूप से भारत द्वारा बांग्लादेश के सामानों पर लगाए गए पुराने बंदरगाह प्रतिबंधों को हटाने की संभावना है। कबीर ने कहा कि बांग्लादेश ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के दौर को पीछे छोड़ दिया है और अब हसीना-भारत जैसा रिश्ता संभव नहीं है। उनका मानना है कि दोनों देशों को 'मुश्किल मुद्दों' से निपटने के लिए नियमित और व्यापक स्तर पर बातचीत करनी चाहिए ताकि किसी भी तरह की गलतफहमी उत्पन्न न हो।

क्या मानसिक रुप से ठीक नहीं ट्रंप....अमेरिका में 25वां संशोधन लागू कर ट्रंप को हटने की उठी मांग

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ 25वां संशोधन लागू करने की मांग उठी है। ट्रंप ने ईस्टर की सुबह ईरान को टारगेट कर अपशब्दों से भरा पोस्ट ट्रुथ सोशल पर किया था। इसके बाद अमेरिकी लॉमेकर्स उनके खिलाफ 25वां अमेंडमेंट लागू करने की मांग कर रहे है। अमेरिकी कांग्रेस के लोगों का कहना है कि ट्रंप शायद मानसिक तौर पर ठीक नहीं हैं। अब खुले तौर पर बहस हो रही है कि क्या ट्रंप को 25वें संशोधन के तहत पद से हटा दिया जाएहै। खासतौर पर डेमोक्रेटिक सीनेटर क्रिस मर्फी और सीनेटर क्रिस वैन होलेन ने मुद्दे को प्रमुखता से उठाया है। 25वें संशोधन की सबसे विवादित धारा 4 है। इसका इस्तेमाल अब तक किसी मौजूदा राष्ट्रपति को हटाने के लिए नहीं हुआ है। यदि उपराष्ट्रपति और कैबिनेट के सदस्य यह औपचारिक रूप से घोषित करते हैं कि राष्ट्रपति अपनी जिम्मेदारियां निभाने में सक्षम नहीं हैं, तब उपराष्ट्रपति कार्यवाहक राष्ट्रपति बन सकते हैं। हालांकि, यह प्रक्रिया बहुत जटिल है। यदि राष्ट्रपति खुद को सक्षम बताते हैं और उपराष्ट्रपति व कैबिनेट असहमत होते हैं, तब इसका फैसला बहुमत से होता है। ध्यान देने वाली बात यह है कि धारा 4 का उपयोग अब तक किसी राष्ट्रपति को उनकी इच्छा के विरुद्ध हटाने के लिए नहीं किया गया है। इसका प्रयोग मुख्य रूप से अस्थायी तौर पर शक्तियां सौंपने के संदर्भ में ही हुआ है। वर्तमान में, भले ही डेमोक्रेटिक नेता ट्रंप को हटाने को लेकर बयान दे रहे हों, लेकिन न उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और न ही कैबिनेट के अन्य सदस्यों की ओर से ऐसा कोई संकेत मिला है। अमेरिकी संविधान का 25वां संशोधन राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति के निधन, पद से हटने, इस्तीफे या असमर्थता की स्थिति में उत्तराधिकार की प्रक्रिया तय करता है। इसकी धारा 1 के अनुसार, यदि राष्ट्रपति को पद से हटा दिया जाता है, उनकी मृत्यु हो जाती है या वे इस्तीफा दे देते है, तब उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति बन जाते हैं।

ईरान पर महाविनाश का खतरा, आज की रात बन सकती है कयामत की रात

वॉशिंगटन(ईएमएस)। पश्चिम एशिया इस वक्त बारूद के ऐसे ढेर पर बैठा है, जिसकी चिंगारी पूरी दुनिया को दहला सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को दी गई मोहलत आज खत्म हो रही है। ट्रंप ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने का समझौता नहीं किया, तो पूरे देश को एक ही रात में तबाह कर दिया जाएगा। व्हाइट हाउस से जारी इस हाहाकारी धमकी ने ईरान के अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में सख्त लहजे में कहा कि मंगलवार की रात ईरान के लिए पावर प्लांट और ब्रिज डे साबित होगी। इसका सीधा अर्थ है कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही शुरू नहीं हुई, तो अमेरिकी वायुसेना ईरान के बिजली घरों, पुलों और बुनियादी ढांचे को मलबे में तब्दील कर देगी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी पुष्टि की है कि अब तक के सबसे भीषण हमले की तैयारी पूरी हो चुकी है। इस मिशन के लिए घातक बी-2 स्पिरिट स्टेल्थ बॉम्बर को तैनात किया गया है, जो किसी भी देश के डिफेंस सिस्टम को चकमा देकर भारी तबाही मचाने में सक्षम है। वहीं, इजरायल ने भी ईरान पर दबाव बढ़ाते हुए उसके सबसे बड़े साउथ पार्स गैस फील्ड के पेट्रोकेमिकल प्लांट को निशाना बनाया है। इस हमले में ईरान की सैन्य इकाई आईआरजीसी के इंटेलिजेंस चीफ मेजर जनरल माजिद खादेमी समेत दो कमांडर मारे गए हैं। इजरायली सेना ने तेहरान के तीन प्रमुख हवाई अड्डों पर भी भारी बमबारी की है, जिसमें ईरान के दर्जनों सैन्य विमान और हेलीकॉप्टर नष्ट हो गए हैं।

इतनी बड़ी तबाही के बावजूद ईरान का रुख बेहद कड़ा बना हुआ है। तेहरान ने 45 दिनों के सीजफायर प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया है। ईरान का कहना है कि उन्हें ट्रंप प्रशासन पर भरोसा नहीं है और वे केवल स्थायी शांति समझौता चाहते हैं, न कि युद्ध की नई तैयारी के लिए कोई अस्थायी ब्रेक। ईरान ने पाकिस्तान के जरिए 10 सूत्रीय जवाब भेजा है, जिसमें प्रतिबंध हटाने और पुनर्निर्माण की मांग की गई है।दुनिया के 20 प्रतिशत तेल व्यापार का रास्ता स्ट्रेट ऑफ होर्मुज फिलहाल जंग का मुख्य केंद्र बन गया है। संयुक्त राष्ट्र ने नागरिक बुनियादी ढांचों पर हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है, लेकिन अमेरिका पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहा। अब ईरान के पास चंद घंटों का समय बचा है; या तो वह झुककर समझौता करे या फिर एक ऐसी विनाशकारी रात का सामना करे जो इतिहास बदल सकती है।

ट्रंप के अल्टीमेटम के बाद होर्मुज पर बढ़ा तनाव, ईरान ने कहा करारा जवाब देंगे

ईरान में जारी युद्ध अब अपने छठे हफ्ते में प्रवेश कर चुका है, जिससे मध्य पूर्व के हालात बेकाबू होते नजर आ रहे हैं। जिस संघर्ष को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द समाप्त करने का दावा कर रहे थे, अब वह उनके लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। ट्रंप ने ईरान को नया अल्टीमेटम देते हुए स्पष्ट किया है कि यदि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को तय समय सीमा के भीतर नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के बिजली घरों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों पर भीषण हमले शुरू कर देगा। दूसरी ओर, ईरान अपने रुख पर अडिग है। तेहरान ने साफ कर दिया है कि जब तक उसे युद्ध में हुए आर्थिक और भौतिक नुकसान का उचित मुआवजा नहीं मिल जाता, तब तक वह होर्मुज जलडमरूमध्य से प्रतिबंध नहीं हटाएगा। रणभूमि से आ रही खबरों के मुताबिक, एक बड़े रेस्क्यू ऑपरेशन में उस अमेरिकी पायलट को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जिसका फाइटर जेट ईरान की सीमा में गिर गया था। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस जोखिम भरे मिशन में कोई अमेरिकी हताहत नहीं हुआ, हालांकि पायलट घायल है।

कौन होगा संयुक्त राष्ट्र में एंटोनियो गुटेरेस का उत्तराधिकारी..दो महिला नेताओं सहित कुल चार दावेदार

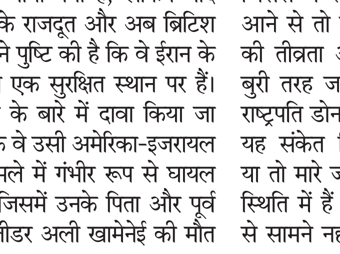

जिनेवा,(ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र का नया महासचिव इस वर्ष चुना जाएगा और 1 जनवरी, 2027 से पांच वर्ष के लिए कार्यभार संभालेगा। वर्तमान महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का दूसरा कार्यकाल दिसंबर 2026 में समाप्त होगा। इस चुनाव में दो महिला नेताओं सहित कुल चार उम्मीदवार हैं, और यह ऐतिहासिक रूप से पहली बार है जब किसी महिला के महासचिव बनने की उम्मीद है। उम्मीदवारों को संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों द्वारा नामांकित किया जाना अनिवार्य है। इस बार दौड़ में चिली की पूर्व राष्ट्रपति और संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बैचेलेट, कोस्टा रिका की पूर्व उपराष्ट्रपति और व्यापार एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की महासचिव रेबेका ग्रिन्स्पैन, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रोसी और सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी सॉल शामिल हैं। बैचेलेट को ब्राजील और मैक्सिको ने, ग्रिन्स्पैन को कोस्टा रिका ने, ग्रोसी को अर्जेंटीना ने और सॉल को बुरुंडी ने नामांकित किया है। चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत 25 नवंबर को हुई, जब सुरक्षा परिषद और महासभा की अध्यक्षों ने सदस्य देशों से नामांकन आमंत्रित किया। उम्मीदवार 21 और 22 अप्रैल को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संवाद सत्रों में अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करेंगे। प्रत्येक सत्र तीन घंटे का होगा और इसका ऑनलाइन प्रसारण किया जाएगा। उम्मीदवारों से महासभा के सदस्य देश प्रश्न पूछ सकते हैं। महासचिव की नियुक्ति 193 सदस्यीय महासभा द्वारा सुरक्षा परिषद की सिफारिश के आधार पर की जाती है। सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य—चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका—वीटो शक्ति रखते हैं। पिछले वर्ष सितंबर में एक प्रस्ताव में ''खेद'' जताया गया कि अब तक कोई महिला महासचिव नहीं बनी, और सदस्य देशों से महिला उम्मीदवारों को नामांकित करने का आग्रह किया गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई अभियान जैसे ''वुमेन एसजी'' और ''1 फॉर 8 बिलियन'' महिला महासचिव की मांग कर रहे हैं। उनका मानना है कि महिला महासचिव केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता के लिए आवश्यक है। इस चुनाव में लैटिन अमेरिका की बारी है, लेकिन राजनयिक कुछ अन्य क्षेत्रों से भी उम्मीदवारों की उम्मीद कर रहे हैं। आगामी चुनाव वैश्विक स्तर पर नेतृत्व में विविधता और लैंगिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है।

प्रक्रिया क्या है?

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इस वर्ष के अंत में महासभा को 10वें संयुक्त राष्ट्र महासचिव के चुनाव के लिए औपचारिक रूप से एक उम्मीदवार की सिफारिश करेगी। सुरक्षा परिषद आम सहमति बनने तक गुप्त मतदान करेगी, जिसे अनौपचारिक मतदान कहा जाता है। अनौपचारिक मतदान में प्रत्येक उम्मीदवार के लिए परिषद के सदस्यों को दिए गए विकल्प हैः प्रोत्साहित करना, हतोत्साहित करना या कोई राय नहीं देना। अंततः, वीटो शक्ति रखने वाले पांच स्थायी परिषद सदस्य संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस को एक उम्मीदवार पर सहमत होना होगा। अनौपचारिक मतदान में वीटो शक्ति के लिए मतपत्र परंपरागत रूप से 10 निर्वाचित सदस्यों के मतपत्रों से अलग रंग के होते हैं। जब 2016 में गुटेरेस को चुना गया था, तब सुरक्षा परिषद को सहमति तक पहुंचने में छह अनौपचारिक मतदान लगे थे।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और गुजराज टाइटंस में मुकाबला

शाम 7:30 बजे से होगा मैच

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला गुजरात टाइटंस से होगा। यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले इस मैच में दिल्ली की टीम को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। उसका लक्ष्य इस मैच को किसी भी प्रकार जीतना रहेगा। वहीं दूसरी और गुजरात के कप्तान शुभमन गिल की टीम भी इस मैच को जीतकर लय हासिल करना चाहेगी। अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच ही 7 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 4 गुजरात जबकि 3 दिल्ली ने जीते हैं। दोनो के बीच पिछला मुकाबल साल 2025 में हुआ था जिसमें गुजरात जीती थी।

इस बार हालांकि हालात अलग हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ। ऐसे में गुजरात के बल्लेबाजों के लिए उसका सामना करना कठिन होगा। वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो दिल्ली के युवा बल्लेबाज समीर रिजवी अच्छे फार्म में हैं। रिजवी ने पिछले दो मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की थी। उसके पास के एल राहुल जैसा शीर्ष स्तर का बल्लेबाज भी है। राहुल हालांकि इस सत्र में अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। उनका लक्ष्य लंबी पारी खेलना रहेगा। तीसरे नंबर पर नीतीश राणा पर भी इस मैच में रन बनाने का दबाव रहेगा। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने यहां पिछले मैच में अपनी लय हासिल कर ली थी, जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। दिल्ली के सलामी बल्लेबाजों को पावरप्ले में गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाजों कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज से सावधान रहना होगा। दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी लुंगी एनगिडी, मुकेश कुमार, कुलदीप यादव पर निर्भर करेगी। कप्तान अक्षर पटेल भी एक अच्छे स्पिनर हैं और उनका भी सहयोग मिलेगा। इसके अलावा टीम के पास टी नटराजन जैसा तेज गेंदबाज भी है। वहीं शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटन्स इस बार एक भी जीत हासिल नहीं कर पायी है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे हैं। टीम अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों साई सुदर्शन और शुभमन पर जरूरत से ज्यादा निर्भर नजर आ रही है और उसका मध्यक्रम भी अबतक विफल रहा है। गुजरात की टीम अपने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 205 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पायी। टीम के पास ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे खिलाड़ी हैं पर अब तक ये रन नहीं बना पाये हैं। कप्तान शुभमन गिल मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पिछले मैच से बाहर थे पर इस मैच से उनकी वापसी तय है। गुजरात के बल्लेबाजों ही नहीं गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। सिराज और रबाडा दोनो ही अब तक विकेट लेने में तो सफल रहे हैं पर इन्होंने काफी रन दिये हैं। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं है। केवल स्पिन राशिद और युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा अब तक अच्छा प्रदर्शन कर पाये हैं। इस प्रकार देखा जाये तो इस मैच में दिल्ली जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। ऐसे में गुजरात को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

टीमें :

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, माधव तिवारी, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, बेन डकेट, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, साहिल पारख।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, शाहरुख खान, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, पृथ्वी राज येरा, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, अरशद खान।

20 अप्रैल के बाद ही खेल पायेंगे दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज स्टार्क

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली कैपिल्स टीम के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अभी फिट नहीं हैं और ऐसे में वह अगले तीन मैचों में नहीं खेलेगे। दिल्ली कैपिटल्स के लिए ये करारा झटका है क्योंकि स्टार्क उसके सबसे अच्छे गेंदबाज हैं। दिल्ली को बुधवार को गुजरात टाइटंस से खेलना है जिसमें उसे स्टार्क की कमी खलेगी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार स्टार्क इस समय कंधे और कोहनी की चोट से जूझ रहे है। माना जा रहा है कि वह 20 अप्रैल के बाद ही खेलने के लिए फिट हो पायेंगे। वहीं इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स को तीन मैच खेलने हैं जिसमें उसे इस तेज गेंदबाज के बिना उतरना होगा। उसे 8 अप्रैल को गुजरात टाइटंस, 11 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स और 18 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मुकाबला करना है। स्टार्क के बाहर होने के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच जीत लिए हैं जिससे उसका मनोबल मजबूत हुआ है।

टीम ने गेंदबाजी में मुकेश कुमार, लुंगी एनगिडी, टी नटराजन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और विप्राज निगम को शामिल किया है। स्टार्क के टीम में जुड़ने से दिल्ली की गेंदबाजी की धार बढ़ेगी।

इससे पहले स्टार्क ने कहा था कि वह केवल फिटनेस के कारण बाहर हैं। इसका कोई और मतलब नहीं निकालें। स्टार्क ने लिखा कि मीडिया में उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाये जा रहे हैं पर ये गलत है वह केवल फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर हैं।

मद्रास हाई कोर्ट ने विधानसभा चुनाव के दौरान आईपीएल पर रोक से इंकार किया

चेन्नई (ईएमएस)। मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान आईपीएल रोकने से इंकार कर दिया है। मद्रास हाईकोर्ट ने चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में होने वाले आईपीएल मैच के जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान ये बात कही। इससे पहले मैचों की तारीखों को राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए पुनर्निर्धारित करने की मांग की गई थी।

हाई कोर्ट की पीठ ने कहा कि याचिका दायर होने के बाद से ही एक मैच पहले ही हो चुका है। इस मैच में किसी प्रकार से नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ। कोर्ट ने यह भी कहा कि निर्वाचन आयोग आवश्यक कदम उठा रहा है और अगर किसी प्राकर को कोई उल्लंघन होता है तो याचिकाकर्ता आयोग से संपर्क कर सकता है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा, "आपकी याचिका के बाद भी एक मैच हुआ। आप इसमें नियमों का कोई उल्लंघन नहीं दिखा पाए। आपने भी मैच देखा होगा और आनंद लिया होगा। इसलिए अगले मैचों का भी आनंद लीजिए। "

कोर्ट ने यह भी कहा कि जनहित याचिका आशंका और पूर्वानुमान के आधार पर दायर की गई थी जिससे कि मैच के समय कोई उल्लंघन न हो। कोर्ट ने कहा कि वह ऐसी आशंका और पूर्वानुमान के आधार पर याचिकाएं स्वीकार नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा, "हम यहां कुछ नहीं कर सकते। यह चुनाव आयोग का काम है। वे कदम उठा रहे हैं। अगर कोई उल्लंघन है तो आप चुनाव आयोग से संपर्क कर सकते हैं। यह याचिका टी प्रभाकरण ने चेपॉक स्टेडियम में प्रस्तावित आईपीएल मैचों की तारीखों को पुनर्निर्धारित करने के लिए दायर की थी।

नसीम फिट नहीं होने के कारण पीएसएल से बाहर हुए

लाहौर (ईएमएस)। तेज गेंदबाज नशीम शाह को फिट नहीं होने के कारण पाकिस्तान सुपरलीग (पीएसएल) से बाहर कर दिया गया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार कराची किंग्स के खिलाफ रावलपिंडी में हुए मैच के दौरान नसीम को पसली में खिंचाव आ गया था। इसी कारण ही वह टीम का पिछला मैच भी नहीं खेल पाए थे जिससे उनकी फिटनेस को लेकर संदेह बढ़ गया है। नसीम को पाकिस्तान के 2026 T20 विश्व कप के दौरान ही चोट लग गई थी और उन्हें इसी कारण बांग्लादेश के दौरे से बाहर कर दिया गया था।

रिपोर्ट के अनुसार नसीम की फिटनेस के अलाव उनका व्यवहार भी ठीक नहीं है जिसके कारण भी वह निशाने पर हैं। हाल में पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए उनपर भारी भरकम जुर्मान लगाया गया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अधिकारियों के साथ ही मेडिकल पैनल भी उनसे नाराज हैं। अब उन्हें मेडिकल पैनल की देखरेख में एक व्यापक रिहैब (पुनर्वास) कार्यक्रम पूरा करना होगा। इस युवा तेज गेंदबाज़ ने करियर की शुरुआत में ही अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया था। उन्होंने 2020 में बांग्लादेश के खिलाफ हैट्रिक ली थी और 2022 टी20 विश्व कप में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। वहीं एक रिपोर्ट में कहा गया है कि नसीम के करियर की प्रगति उनके मैदान के बाहर के व्यवहार, विज्ञापनों और पॉडकास्ट पर जरुरत से ज्यादा ध्यान देने से हुई है जिससे उनका करियर पटरी से उतर गया है। इससे चयन समिति भी नाराज है।

ग्रीन को तीसरे नंबर पर उतार कर गलती कर रही केकेआर : पीटरसन

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे ऑलराउंडर कैमरुन ग्रीन को तीसरे नंबर पर उतारे जाने को सही नहीं बताया। पीटरसने के अनुसार ग्रीन नंबर तीन पर खेलने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। ग्रीन का प्रदर्शन भी अब तक इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है। पंजाब किंग्स के खिलाफ भी वह शुरुआत में ही आउट हो गये थे हालांकि ये मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया। पीटसन के अनुसार ग्रीन ने इस सीरीज के तीनों मैच में मिलकार कुल 26 रन ही बनाए हैं। मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के खिलाफ उन्होंने 18, 2 और 4 बनाये। इससे पहले टी20 विश्व कप 2026 में भी वह रन बनाने में असफल रहे थे। कार्यभार प्रबंधन के तहत क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें गेंदबाजी नहीं करने को कहा है। ऐसे में वह केवल बल्लेबाज के तौर पर ही लीग में खेल रहे हैं। इसी को लेकर पीटरसन ने कहा क , मैं उन्हें अधिक रकम दिये जाने की बात नहीं कर रहा हूं, क्योंकि यह खेल का हिस्सा है पर जब आप आईपीएल टीम में नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हैं, तो आपके पास उस स्तर का प्रदर्शन होना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि वह नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने के लिए पर्याप्त रुप से अच्छे हैं। उन्होंने कुछ पारियां जरूर खेली हैंपर इतनी नहीं कि उन्हें इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी जाए। पीटरसन के अनुसार ग्रीन मध्य क्रम में ही बल्लेबाजी कर सकते हैं। साथ ही कहा, वह गेंदबाजी भी नहीं कर रहे हैं, ऐसे में उनकी भूमिका और भी सीमित हो जाती है। मेरे अनुसार वह एक मध्य क्रम के बल्लेबाज हैं, जो थोड़ा बहुत गेंदबाजी कर लेते हैं, बस। इस पूर्व कप्तान के इस बयान के बाद ग्रीन की भूमिका और उनकी जगह को लेकर बहस और तेज हो गई है। खासकर तब जब टीम में अन्य विदेशी खिलाड़ियों को अब तक अवसर नहीं मिला है। केकेआर के पास टिम स्टीफर्ट और रचिन रविन्द्र जैसे कई जैसे खिलाड़ी हैं जो अभी तक अंतिम ग्यारह में नहीं पहुंचे हैं। Rovman Powell को पंजाब के खिलाफ अवसर मिला पर वह बल्लेबाजी नहीं कर पाये। ऐसे में टीम प्रबंधन के चयन के तरीके पर भी सवाल उठने लगे हैं क्योंकि ग्रीन के खराब प्रदर्शन और गेंदबाजी न करने से केकेआर का टीम संतुलन प्रभावित हो रहा है।

सैमसन के कमजोर प्रदर्शन से चिंतित नहीं कोच फ्लेमिंग

बेंगलुरु (ईएमएस)। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने ट्रेड डील के जरिये हासिल किया था पर वह शुरुआती तीनो ही मैचों में असफल रहे हैं। जिससे सीएसके को भी काफी नुकसान हुआ है और टीम तीनो मैचों में हारी है हालांकि सैमसन की इस प्रकार असफल होने से टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग चिंतित नहीं हैं। फ्लेमिंग का कहना है कि सैमसन के तीन मैच के खराब प्रदर्शन से परेशान होने की जरुरत नहीं है। कोच ने कहा कि वह हाल ही में टीम में आये हैं और टीम के माहौल के अनुसार रहने की प्रक्रिया से गुजर रहा है पर रन बनाने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए पूरी तरह से समर्पित है। सैमसन अब तक तीन मैचों में छह, सात और 9 रन ही बना पाये हैं। फ्लेमिंग ने कहा, जब आप किसी फ्रेंचाइजी में लंबे समय से खेल रहे हों तो फिर किसी नई टीम में जाने के बाद एकद से अलग माहौल मिलता है जिससे ढलने में समय लगता है। भले ही वह शायद काफी सहज महसूस करता हो, फिर भी अपनेपन की भावना बनी रहती है और वह इस टीम के माहौल में ढलने की प्रक्रिया से गुजर रहा है।

फ्लेमिंग ने कहा कि ये विकेटकीपर बल्लेबाज हासिल करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, टीम पांच या छह बदलाव हुए हैं। ऐसे में टीम में बेहतर तालमेल बिठाने के लिए अभी और प्रयास करना होगा। वह टीम में बहुत अच्छे से घुल-मिल गया है। फ्लेमिंग ने कहा, वह रन बनाने और सीनियर खिलाड़ियों के साथ योगदान देने के लिए तैयार हैं। हमने विश्व कप में उसके प्रदर्शन में देखा कि जब वह लय में आ जाता है तो वह बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए इस खिलाड़ी को प्रबंधन की ओर से अपने अनुसार खेलने की आजादी है। वहीं लीग में अब तक रन नहीं बना पाये युवा आयुष म्हात्रे को लेकर फ्लेमिंग ने कहा कि उसके जैसे युवा खिलाड़ियों के साथ धैर्य रखने की जरूरत है जिससे वे निरंतरता हासिल कर सकें। म्हात्रे ने पंजाब किंग्स के खिलाफ अर्धशतक बनाया था लेकिन बेंगलुरु के खिलाफ वह एक रन ही बना पाए थे। उन्होंने कहा, हमारी टीम में अच्छा संतुलन है। हमारे पास प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और हमें यह स्वीकार करना होगा कि गलतियां भी होंगी। हमारे पास माइक हसी के रूप में एक बहुत अच्छा मार्गदर्शक है, जो एक बेहतरीन बल्लेबाजी कोच हैं और खेल की अच्छी समझ रखते हैं।

सीएसके के खराब प्रदर्शन का कारण है स्पिनर नूर अहमद : इरफान पठान

पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान कहा है कि आईपीएल के 19 वें सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खराब प्रदर्शन का सबसे बड़ा कारण स्पिनर नूर अहमद हैं। पठान ने कहा कि नूर का लचर प्रदर्शन इस समय सीएसके की सबसे बड़ी परेशानी हैं। उन्होंने इस सत्र में करीब 10 ओवर गेंदबाजी करते हुए 100 से ज्यादा रन दिए हैं और एक भी विकेट नहीं लिया है। मेरा मानना है कि अगर वह अपने रन-अप का कोण सही कर लेते हैं तो उनके शरीर का संतुलन बेहतर हो जाएगा और उनका एक हाथ, जो एक तरफ झुक जाता है, वह भी सीधा हो जाएगा।

उन्होंने साथ ही कहा, मैं उनकी गेंदबाजी से बहुत निराश हूं, क्योंकि उनके पास काफी अनुभव पर इसके बाद भी वह प्रभावित नहीं कर पाये हैं। उन्होंने पहले भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और उनकी इकॉनमी भी अच्छी रही है पर इस लीग में वह वैसा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। जिसकी जीत के लिए जरुर होती है। सीएसके इस सत्र में पहले तीनो ही मैच हारी है जिससे वह आलोचना का शिकार हुई है।

अश्विन ने आईपीएल से संन्यास के कारणों का खुलासा किया

चेन्नई (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने साल 2025 में अचानक ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास की घोषणा कर सभी को हैरान कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि वह विदेशी लीग में खेलने के लिए ये कदम उठा रहे हैं। वहीं अब एक साल बाद अश्विन ने खुलासा किया है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में रहते हुए उन्हें मानसिक परेशानी के दौर से गुजरना पड़ा था जिसके कारण उन्हें सन्यास की घोषणा करनी पड़ी। अश्विन के अनुसार अगर उस तरह की परेशानी नहीं आती तो वह इतनी जल्दी आईपीएल नहीं छोड़ते और कुछ समय इस लीग में बने रहते। अश्विन ने साल 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके एक साल बाद उन्होंने आईपीएल से भी संन्यास की घोषणा कर दी थी। इस स्पिनर ने कहा कि उन्होंने फ्रेंचाइजी को उनके भविष्य के बारे में फैसला करने के संशय से बचाने के लिए स्वयं ही आईपीएल छोड़ दिया था। अश्विन ने कहा, मेरा सीएसके के साथ सत्र अच्छा नहीं रहा था। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से निराशाजनक सत्र था। सच कहूं तो मुझे लग रहा था कि मैं और खेल सकता हूं पर मैंने अचानक ही इसलिए संन्यास ले लिया क्योंकि मैं भावनात्मक रूप से कई अन्य चीजों को साथ लेकर नहीं खेल सकता था। अश्विन ने आईपीएल से संन्यास की घोषणा करने से पहले 2025 के सत्र में कम अवसर किए जाने के बाद सीएसके से कहा था कि उनकी भूमिका को स्पष्ट किया जाये। वह सीएसके के 14 मैचों में से केवल 9 मैच में ही खेले थे। सीएसके से ही उन्होंने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी, इसलिए वह इस टीम से भावनात्मक रुप से जुड़े थे। उन्होंने कहा, मैं वहां नहीं जाना चाहता। यह मानसिक रूप से परेशान करने वाला है। यह मेरे लिए बहुत पीड़ादायक था। मैं वहां नहीं जाना चाहता था। मैंने थोड़ी चर्चा की और फिर फैसला किया कि मैंने चेन्नई से शुरुआत की है और मैं अपने गृहनगर में ही इसे समाप्त कर रहा हूं। अश्विन ने कहा, मैंने संन्यास लेने का फैसला इसलिए किया क्योंकि इससे उन्हें मुझे टीम में बनाए रखने या बाहर करने का फैसला लेने के लिए दुविधा में नहीं पड़ना पड़ा।

मिस्र की राजधानी काहिरा में 2026 एफआईजी एपरेटस विश्वकप में भाग लेती हुई चीन की की क्वीनकिंग।

युवा तेज गेंदबाज वैशाख ने श्रेयस अय्यर को अच्छा कप्तान बनाया

मुम्बई (ईएमएस)। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स टीम ने आईपीएल के इस 19 वें सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम ने अब तक के अपने दोनो मुकाबले आसानी से जीते हैं। पिछले सत्र में भी श्रेयस की कप्तानी में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था पर तब वह उपविजेता रही थी। अब इस सत्र में टीम का लक्ष्य खिताब जीतना है। टीम के युवा खिलाड़ी भी अपने कप्तान से खुश हैं। इसी कड़ी में तेज तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख ने अय्यर को एक अच्छा कप्तान बताया और कहा कि कि वह हमेशा अपने साथियों का समर्थन करते हैं। अगर किसी खिलाड़ी का प्रदर्शन कमजोर हो तो भी वह बचाव करते है। एक गेंदबाज के लिए इस प्रकार का समर्थन जरुरी है। वह बेहतीन खिलाड़ी हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि वह जल्द ही टीम इंडिया के कप्तान बनेंगे।वैशाख ने अय्यर के व्यवहार को टीम की सफलता की बड़ी वजह बताया। उन्होंने कहा, वह टीम का माहौल हमेशा हल्का रखते हैं। वह हर खिलाड़ी से एक जैसा व्यवहार करते हैं, चाहे वह सीनियर हो या जूनियर। यही चीज हमें और ज्यादा सहज बनाती है।इस युवा तेज गेंदबाज ने साथ ही कहा, मैं कभी भी जाकर उनसे बात कर सकता हूं। उनका दरवाजा हमेशा खुला रहता है। वह खिलाड़ियों को सुनते हैं और समझते हैं, जो एक अच्छे कप्तान की पहचान है।श्रेयस अभी भारतीय एकदिवसीय टीम के उपकप्तान हैं।पिछले सीजन में अय्यर ने पंजाब की ओर से 17 पारियों में सबसे अधिक 604 रन बनाए थे।

पडिक्कल इसी प्रकार खेलते रहे तो भविष्य में भारतीय टीम में जगह मिलना तय : कार्तिक

नई दिल्ली (ईएमएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) के मेंटर दिनेश कार्तिक ने बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है जिस प्रकार से वह बल्लेबाजी कर रहे है, उससे भविष्य में उनको भारतीय टीम में जगह मिलना तय है। कार्तिक के अनुसार पडिक्कल ने पिछले कुछ से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। जिसपर चयन समिति की नजरें बनी होंगी। साथ ही कहा कि जिस तरह से वह घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बना रहे हैं उससे भी उनकी दावेदारी मजबूत हुई है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ भी इस युवा बल्लेबाज ने जबरदस्त बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 29 गेंदों में तेजी से 50 रन बनाए थे।

कार्तिक ने कहा कि जिस प्रकार से शुरुआती मुश्किल दौर में पारी के दौरान इस बल्लेबाज ने संयम रखा उसकी भी सराहना होनी चाहिये। कार्तिक ने कहा, सबसे पहली बात जो अह है, वह है पडिक्कल का मजबूत इरादा। इस तरह की पिच पर, जब शुरुआत में रन आसानी से नहीं बनते, तो कई बल्लेबाज बड़ा शॉट खेलने की कोशिश करते हैं और अपनी विकेट खो देते हैं। जब हालात कठिन थे, तब भी धैर्य बनाए रखने के लिए देवदत्त ने बहुत हिम्मत दिखाई। उन्होंने कहा, जैसे ही उन्हें पहली बाउंड्री मिली, उन्होंने अपनी बल्लेबाजी का तरीका बदल दिया। अगर वह इसी तरह बल्लेबाजी करते रहे, तो उन्हें भारतीय टीम में जगह मिलेगी ही इसके अलावा वह ड्रेसिंग रूम में एक लीडर के तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं। वह अपने आइडिया और लीडरशिप से टीम में योगदान दे रहे हैं, और यह देखना बहुत अच्छा लगता है।

विराट और अनुष्का के फिल्म धुरंधर की प्रशंसा से उत्साहित हैं आदित्य धर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और उनकी पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने डायरेक्टर आदित्व धर की फिल्मी 'धुरंधरः द रिवेंज' की जमकर प्रशंसा की है। इसी को लेकर आदित्य धर भी उत्साहित हैं। अदित्य ने कहा कि जिस प्रकार से कोहली ने कहा कि उन्होंने भारत में इससे पहले ऐसी फिल्म नहीं देखी से उनका हौंसला बढ़ा है। आदित्य धर ने लिखा, "वाह ! भरोसा नहीं हो रहा कि ये सच में हो रहा है विराट, इसका मेरे लिए बहुत मतलब है। मैं आपका अंडर-19 विश्व कप के दिनों से प्रशंसक हूं।" उन्होंने साथ ही लिखा, "एक पीढ़ी में एक बार आने वाले लीजेंड को इस तरह प्यार दिखाते देखना अलग ही एहसास है। जिस तरह आप हर बार देश का नाम रोशन करते हैं, वो हमें भी प्रेरित करता है। इसी प्रकार हम भी अपनी फिल्मों के जरिए भारत का नाम ऊंचा करने का प्रयास करते रहेंगे जय हिंद। " आदित्य ने अनुष्का की तारीफ का भी जवाब दिया, जिसमें उन्होंने फिल्म में एक्टिंग की सराहना की थी। इसपर प्रतिक्रिया देते हुए निर्देशक ने लिखा, "इतनी बेहतरीन कलाकार से ऐसी प्रतिक्रिया मिलना वाकई भावुक कर देने वाला अनुभव है। बहुत-बहुत धन्यवाद।" इससे पहले विराट ने फिल्म को बेमिसाल सिनेमाई अनुभव बताया था।

यशपाल शर्मा, केप्लर वेसेल्स सहित ये बल्लेबाज कभी एकदिवसीय में शून्य पर आउट नहीं हुए

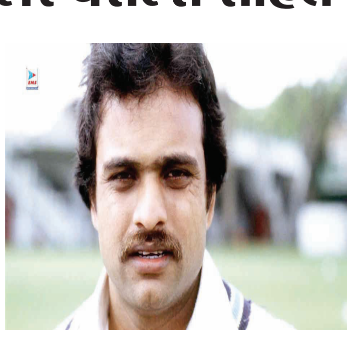

मुम्बई (ईएमएस)। टी20 क्रिकेट प्रारुप के आने के पहले समिति ओवरों के प्रारुप की बात करें तो केवल एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले ही होते थे। ऐसे में इनका रोमांच भी काफी होता था। इन एकदिवसीय मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाज रातों-रात स्टार बन जाते थे। ऐसे में इसमें कई अनौखे रिकार्ड भी बने हैं। इन्हीं में से कुछ खिलाड़ी ऐसे भी रहे हैं जो इस प्रारुप में भी भी शून्या पर आउट नहीं हुए हैं। इसमें भारत के एक खिलाड़ी यशपाल शर्मा का नाम है। वहीं अन्य खिलाड़ी हैं दक्षिण अफ्रीका के केप्लर वेसेल्स, पीटर कर्स्ट,न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल और पाकिस्तान के आगा सलमान। इसमें से मिचेल और सलमान ही सक्रिय क्रिकेटर हैं।

यशपाल शर्मा

साल 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे यशपाल शर्मा ने 1978 से 1985 के बीच 42 मैचों की 40 पारियों में 28.48 की औसत के साथ 883 रन बनाये। वह अपने दौर के एक बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने बिना किसी शतक के भी 4 अर्धशतक लगाए और 63.02 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उस दौर में जब सुरक्षा के साधन कम थे तब इस बल्लेबाज ने तूफानी गेंदबाजों के सामने कभी भी अपना विकेट नहीं खोया।

केप्लर वेसेल्स

साल 1983 से 1994 के बीच केप्लर वेसेल्स ने 109 मैच खेले और 105 पारियों में कभी शून्य पर आउट नहीं हुए। उन्होंने 34.35 की औसत से 3367 रन बनाए। उन्होंने अपने करियर में 263 चौके जड़े, लेकिन छक्के सिर्फ 2 ही लगाए।

पीटर कर्स्टन

दक्षिण अफ्रीका के पीटर कर्स्टन की कहानी भी वेसेल्स जैसी ही जुझारू है। 1991 से 1994 के छोटे अंतराल में उन्होंने 40 मैच खेले और बिना किसी शून्य के 1293 रन बनाए। इसमें उनका औसता 38.02 जबकि स्ट्राइक रेट 56.02 रहा। इस क्रिकेटर ने अपने करियर में 9 अर्धशतक लगाए और 90 चौके लगाये।

डेरिल मिचेल

न्यूजीलैंड के इस बल्लेबाज ने 2021 से 2026 के बीच सिर्फ 59 मैचों में 58.47 का बेहतरीन औसत और 95.72 का स्ट्राइक रेट से रन बनाये है। मिचेल ने अब तक 9 शतक और 12 अर्धशतक लगाये हैं। मिचेल ने 71 छक्के लगा दिए हैं।

आगा सलमान

पाकिस्तान के आगा सलमान ने साल 2022 से 2026 के दौरान 50 मैचों की 42 पारियों में 45.23 का औसत से रन बनाये हैं। आगा का सबसे अधिक स्कोर 134 रन रहा है। सलमान का स्ट्राइक रेट 96.18 है। उन्होंने 135 चौके और 29 छक्के भी लगाये हैं।

नेपल्स में सीरीज ए फुटबॉल मैच में खेलते हुए नेपोली के केविन डी ब्रूने और एसी मिलान के एड्रियन रोबियोट।

एमएसएमई को मिलेगी बड़ी राहत ! सरकार ला सकती है 2.5 लाख करोड़ की क्रेडिट गारंटी योजना

पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित कारोबारों के लिए 2.5 लाख करोड़ रुपये की क्रेडिट गारंटी योजना पर सरकार विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार, सरकार पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित कारोबारों, खासकर एमएसएमई के लिए, 2.5 लाख करोड़ रुपये की क्रेडिट गारंटी योजना पर विचार कर रही है। एमएसएमई सपोर्ट स्कीम 2026 के तहत, अमेरिका-ईरान संघर्ष के चलते बारोअर्स द्वारा डिफॉल्ट होने की स्थिति में 100 करोड़ रुपये तक के लोन पर करीब 90 फीसदी तक की क्रेडिट गारंटी दी जाएगी। बैंक लोन पर यह गारंटी नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी द्वारा दी जाएगी, जो सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। इस योजना के लिए सरकार को लगभग 17,000 करोड़ रुपये से 18,000 करोड़ रुपये तक का प्रावधान करना होगा। सूत्रों का कहना है कि कोविड-19 महामारी के दौरान यह योजना काफी सफल रही थी और इससे विभिन्न क्षेत्रों के कई व्यवसायों को टिके रहने और

अपने बकाये चुकाने में मदद मिली थी।

मई 2020 में आई थी ईसीएलजीएस योजना

सरकार ने मई 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ईसीएलजीएस) की घोषणा की थी, जिसका मकसद पात्र सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और अन्य पात्र बिजनेस को उनकी परिचालन जरूरतों को पूरा करने और कोविड-19 के कारण बाधित व्यवसायों को फिर से शुरू करने में सहायता देना था। ईसीएलजीएस ने अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों को कवर किया था और इसके तहत पात्र बारोअर्स को दिए गए लोन पर सदस्य लेंडर संस्थानों को 100 फीसदी गारंटी प्रदान की गई थी। इस योजना की संरचना ऐसी थी कि लोन आसानी से उपलब्ध हो सके, क्योंकि बैंक बारोअर्स के मौजूदा बकाये के आधार पर पहले से स्वीकृत लोन देते थे और इसके लिए कोई नया वैल्यूएशन नहीं किया जाता था। इसके अलावा, ब्याज दरों पर भी सीमा तय की गई थी ताकि लोन की लागत कम रहे और बिना किसी प्रोसेसिंग शुल्क, प्री-पेमेंट शुल्क और गारंटी शुल्क के लोन उपलब्ध कराया गया। यह योजना 31 मार्च 2023 तक जारी रही।

सरकार ने हाल में उठाए कई कदम

इसके अलावा, सरकार ने हाल के दिनों में आम लोगों की परेशानी कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती शामिल है। भारत ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कम किया है और महत्वपूर्ण पेट्रोकेमिकल उत्पादों के आयात पर छूट दी है, साथ ही एसईजेड को घरेलू शुल्क क्षेत्र में संचालन की अनुमति दी है। सरकार ने 26 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी, ताकि बढ़ती वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों के प्रभाव से उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले शुरू करने के बाद वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिसके बाद तेहरान ने जवाबी कार्रवाई की।

डीजल और ATF पर लगा निर्यात शुल्क

सरकार ने डीजल पर 21.50 रुपये प्रति लीटर और विमान ईंधन पर 29.50 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क भी लगाया है। पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जबकि डीजल पर यह फिलहाल शून्य है। 2 अप्रैल को भारत ने पश्चिम एशिया संकट के कारण शिपिंग मार्गों में बाधा के बीच आपूर्ति सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए महत्वपूर्ण पेट्रोकेमिकल उत्पादों के आयात पर सीमा शुल्क से छूट दी। कच्चे तेल के अलावा, भारत उर्वरक और प्राकृतिक गैस का भी बड़ा आयातक है।

ग्लोबल उथल-पुथल में म्युचुअल फंड निवेशक कैसे करें निवेश?

पश्चिम एशिया तनाव का असर भारतीय बाजारों पर भी देखने को मिल रहा है। शेयर बाजार से लेकर सोने-चांदी तक में अच्छा-खासा करेक्शन आ चुका है। ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध की शुरुआत (28 फरवरी) से अब तक बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स करीब 7.5 फीसदी, सोना 10 फीसदी, और चांदी 22 फीसदी तक टूट चुके हैं। इसका असर म्युचुअल फंड इंडस्ट्री के रिटर्न पर भी हुआ। हालांकि, म्युचुअल फंड इंडस्ट्री के ग्रोथ की बात करें, तो लगातार तीसरे वित्त वर्ष इंडस्ट्री की एयूएम (एसेट अंडर मैनेजमेंट) ग्रोथ 20 फीसदी से ज्यादा रही। एक्सपर्ट मानते हैं कि वित्त वर्ष 2027 में बेहतर रिटर्न के लिए एसेट अलोकेशन (इक्विटी, डेट या हाइब्रिड) काफी अहम होगा। साथ ही यह भी देखना होगा कि निवेशक किस तरह की निवेश स्ट्रैटेजी अपनाते हैं। म्युचुअल फंड इंडस्ट्री ने लगातार तीसरे वित्त वर्ष में एसेट अंडर मैनजमेंट (एयूएम) में 20 फीसदी से ज्यादा की ग्रोथ दर्ज की। वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में इंडस्ट्री का एवरेज एयूएम 81.5 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 67 लाख करोड़ रुपये से 21 फीसदी ज्यादा है। जबकि, बेंचमार्क इंडेक्स FY26 के दौरान दबाव में रहे। निफ्टी 50 में 5.1 फीसदी की गिरावट आई, जबकि सेंसेक्स 7.1 फीसदी फिसला, जो महामारी प्रभावित FY20 के बाद उनका सबसे खराब प्रदर्शन रहा।

क्या है बेस्ट च्वाइस?

ऑप्टिमा मनी मैनेजर्स के एमडी पंकज मठपाल का कहना है कि नए वित्त वर्ष में इक्विटी, डेट या हाइब्रिड फंड्स में बेहतर च्वाइस की बात करें, तो मौजूदा उथल-पुथल भरे माहौल में हाइब्रिड फंड्स एक बैलेंस्ड च्वाइस है। निवेशकों को हाइब्रिड फंड में कम रिस्क के साथ अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। मनीफ्रंट के को-फाउंडर एंड सीईओ मोहित गांग का कहना है, बाजार के उठापटक वाले माहौल में नए वित्त वर्ष के लिए हाइब्रिड और मल्टी एसेट अलोकेशन फंड बेस्ट च्वाइस हैं। साथ ही जियो-पॉलिटिकल हालातों को देखा जाए तो निवेशकों के लिए अलग-अलग फेज में गोल्ड फंड्स में निवेश करना भी एक अच्छा अलोकेशन हो सकता है। उनका कहना है कि ऐसे निवेशक, जिनका लंबी अवधि तक निवेश बनाए रख सकते हैं और रिस्क उठाने की क्षमता है, उनके लिए मिड और स्मालकैप फंड्स को भी पोर्टफोलियो में शामिल करने का अच्छा समय है।

बीपीएन फिनकैप के डायरेक्टर एके निगम कहते हैं, जब भी हम इक्विटी, डेट या हाइब्रिड फंड्स में एक सेगमेंट चुनने की बात करते हैं, तो यह निवेशक की कैटेगरी पर निर्भर करता है।

एअर इंडिया की घरेलू उड़ानें 899 तक महंगी:किराया 8 अप्रैल से लागू होगा, जेट फ्यूल के दाम बढ़ना वजह

नई दिल्ली: एअर इंडिया ने घरेलू उड़ानों के लिए फ्यूल सरचार्ज बढ़ा दिया है। इससे हवाई सफर महंगा हो जाएगा। ग्लोबल मार्केट में विमान ईंधन की कीमतों में आई तेजी के बाद एयरलाइन ने यह फैसला लिया है। नई दरें कल यानी 8 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगी। एयरलाइन के मुताबिक, जेट फ्यूल की कीमतें लगभग दोगुनी होने से लागत बढ़ गई है। विमान ईंधन की औसत कीमत 195.19 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई है, जो फरवरी के अंत में 99.40 डॉलर थी। इससे पहले इंडिगो ने भी फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया था। एयरलाइंस का फ्यूल सरचार्ज टिकट पर लगने वाली वह एक्स्ट्रा फीस है, जो तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वसूली जाती है। यह चार्ज एयरलाइंस को ईंधन के बढ़ते खर्चों से निपटने में मदद करता है। इसे कंपनियां टिकट के साथ जोड़ देती हैं।

घरेलू रूट्स पर दूरी के हिसाब से लगेगा सरचार्ज

एयर इंडिया ने घरेलू उड़ानों के लिए एक फ्लैट सरचार्ज व्यवस्था को खत्म कर दिया है। अब यात्रियों को दूरी के आधार पर पैसे देने होंगे। सरचार्ज 299 रुपए से शुरू होकर 899 रुपए तक जाएगा। यह नियम एयर इंडिया के साथ-साथ एयर इंडिया एक्सप्रेस पर भी लागू होगा।

इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर 280 डॉलर तक बढ़ोतरी

विदेशी रूट्स पर भी फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया गया है। सार्क देशों के लिए यह चार्ज 24 डॉलर से शुरू होगा। वहीं, अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे लंबी दूरी के रूट्स के लिए यात्रियों को 280 डॉलर यानी करीब 23,000 ज्यादा चुकाने होंगे।

दूसरे देशों के लिए सरचार्ज की स्थिति

- सिंगापुरः 60 डॉलर
- पश्चिम एशियाः 50 डॉलर
- साउथ ईस्ट एशियाः 100 डॉलर
- अफ्रीकाः 130 डॉलर
- यूरोप और यूकेः 205 डॉलर

एयरलाइन बोली- हम पूरा बोझ यात्रियों पर नहीं डाल रहे

कंपनी का कहना है कि विमान ईंधन की लागत सिर्फ कच्चे तेल की वजह से नहीं, बल्कि रिफाइनिंग मार्जिन बढ़ने के कारण भी बढ़ी है। एयरलाइन ने कहा कि कंपनी अभी भी इस बोझ का एक हिस्सा खुद वहन कर रही है। पूरा बोझ यात्रियों पर नहीं डाल रहे हैं।

निसान मोटर ने महाराष्ट्र में किया अपने नेटवर्क का विस्तार

मुंबई (ईएमएस)। जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी निसान मोटर ने महाराष्ट्र के मुंबई में दो शोरूम और एक सर्विस सेंटर की शुरुआत की है। निसान मोटर इंडिया ने बताया कि घाटकोपर में 2,000 वर्ग फुट और मालाड में 2,100 वर्ग फुट क्षेत्र में दो आधुनिक शोरूम खोले गए हैं। इसके अलावा कांदिवली में 7,000 वर्ग फुट क्षेत्र में एक सर्विस वर्कशॉप शुरू की गई है जहां हर महीने 300 कार तक की सर्विस की जा सकेगी। कंपनी ने कहा कि यह विस्तार भारत के प्रमुख बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाने और ग्राहकों को बेहतर बिक्री एवं सेवा अनुभव उपलब्ध कराने की उसकी रणनीति का हिस्सा है। निसान मोटर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि मुंबई में नए शोरूम तथा 'वर्कशॉप' के साथ हमने महाराष्ट्र में अपनी मौजूदगी को और मजबूत किया है। इस क्षेत्र में ग्राहकों की मांग मजबूत बनी हुई है और निसान ब्रांड के लिए यहां विकास की अच्छी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि यह विस्तार कंपनी के देशव्यापी नेटवर्क विस्तार कार्यक्रम का हिस्सा है जो ग्राहकों के और करीब पहुंचने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित कारोबारों के लिए 2.5 लाख करोड़ की ऋण गारंटी योजना

▪ सरकार को करीब 17,000 करोड़ से 18,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करना होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने कहा है कि वह पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित कारोबारियों विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए 2.5 लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना लाने के बारे में सोच रही है। इस योजना ने कारोबारियों को राहत मिल सकती है। सूत्रों के मुताबिक इस योजना के तहत अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण उधारकर्ताओं द्वारा ऋण चुकाने में चूक होने की स्थिति में उधारदाताओं को 100 करोड़ रुपये तक के ऋणों पर करीब 90 प्रतिशत की ऋण गारंटी प्रदान की जाएगी।

बैंक ऋण पर यह गारंटी नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी (एनसीजीटीसी) देगी जो सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। इस योजना के लिए सरकार को करीब 17,000 करोड़ से 18,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करना होगा। ऐसी ही योजना कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान भी लागू की गई थी, जो काफी सफल रही और विभिन्न क्षेत्रों के कई कारोबारों को काम जारी रखने एवं बकाया चुकाने में मदद मिली।

सरकार ने मई 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आपात ऋण गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) शुरू की थी। इसका उद्देश्य कोविड-19 वैश्विक महामारी से उत्पन्न व्यवधान के बीच पात्र एमएसएमई और अन्य कारोबारी इकाइयों को परिचालन देनदारियां पूरी करने और कारोबार फिर से शुरू करने में मदद देना था। इस योजना के तहत अर्थव्यवस्था के करीब सभी क्षेत्रों को शामिल किया गया था और पात्र उधारकर्ताओं को दिए गए ऋण पर सदस्य ऋणदाता संस्थानों को 100 प्रतिशत गारंटी प्रदान की गई थी। योजना की संरचना ऐसी थी कि उधारकर्ताओं को ऋण आसानी से मिल सके। ऋणदाता संस्थान उधारकर्ता के मौजूदा ऋण के आधार पर पूर्व-स्वीकृत ऋण देते थे और अतिरिक्त ऋण के लिए नया मूल्यांकन नहीं किया जाता था।इसके अलावा ऋण पर ब्याज दर की अधिकतम सीमा तय की गई थी ताकि कर्ज की लागत कम रहे एवं ऋण बिना 'प्रोसेसिंग' (प्रक्रिया) शुल्क, पूर्व भुगतान शुल्क और गारंटी शुल्क के दिए जाते थे। यह योजना 31 मार्च 2023 तक लागू रही। इस बीच सरकार ने आम लोगों की कठिनाइयों को कम करने के लिए हाल में कई कदम भी उठाए हैं जिनमें पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती शामिल है।

भारत ने पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाया है। साथ ही महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों के आयात पर छूट दी है। विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) इकाइयों को घरेलू शुल्क क्षेत्र में संचालन की अनुमति भी दी गई है। असरकार ने 26 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क 10 रुपये प्रति लीटर घटाया था ताकि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के असर से उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

दैनिक पंचांग

8 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

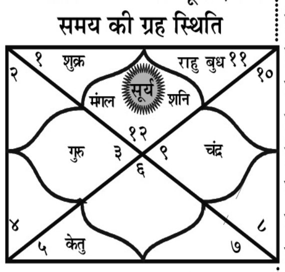

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	06.08 बजे से
चंद्र	धनु में	वृष	07.48 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.47 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.00 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.16 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.28 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.39 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.53 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.09 बजे से
		मकर	01.15 बजे से
		कुंभ	03.01 बजे से
		मीन	04.34 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2026 वर्ष का 98 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 19.02 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 05.54 बजे को समाप्त।
योग वरीयान 17.10 बजे को समाप्त।
करण गर 05.49 बजे तदनन्तर वणिज 19.02 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 07° 07'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872673
जूलियन दिन 2461138.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 19

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7970

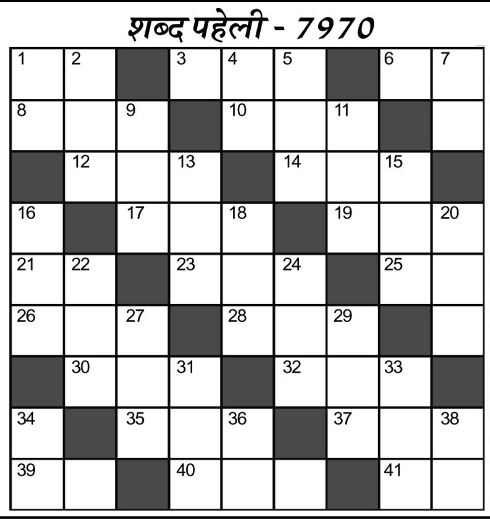

बाएँ से दाएँ
1.अधिकार-2
3.समुद्र,दरिया-3
6.आनंद,रस-2
8.दबाना,कुचलना-3
10.गुंडा,बदमाश-3
12.पासों से भविष्य जानना-3
14.नाप जोख करना-3
17.जलजला-3
19.असफल-3
21.मगन,रत-2
23.व्यक्ति,जीव-3
25.सम्राट,नरेश-2
26.कार्य करने वाला-3
28.उपनदी,कैनाल-3
30.मां का प्रेम-3
32.पढ़ना,अध्ययन-3
35.पक्षाघात,फालिज-3
37.सेनापति-3
39.दूल्हा,वरदान-2
40.पक्ष,एक ओर-3
41.भीगा हुआ

ऊपर से नीचे
1.सीमा,सरहद-2
2.कटि,मध्यांग-3
4.दुख,कष्ट-2
5.गमन,विदा होना-3
7.शराब का प्याला-2
9.एक नमकीन लवण-3
11.आलेप करना-3
13.बोलने का तरीका-3
15.अयोग्य,बेकार-3
16.तहजीब,तमीज-3
18.रत्न,बहुमूल्य नग-3
20.व्यंग,परिहास-3
22.मुलायम,नाजुक-3
24.कॉफी-3
27.पंकज,नीरज,जलज-3
29.निर्माण-3
31.बल,दम,जोर-3
33.नेत्र,आंख-3
34.नौका-2
36.घात,प्रहार-2
38.जरा,थोड़ा-2

शब्द पहेली -7969 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 7511

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 7510 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6455

1	5		7		2	
	28		35		28	
7		2		3	1	5
	32		32		31	
6	3	1		2		
4	33		30	5	35	7
	2	7	4			3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6454 का हल

2	1	3	7	6	5	4
1	22	7	38	5	41	3
3	4	1	2	7	6	5
7	32	6	30	3	35	2
6	3	2	5	4	1	7
4	32	5	30	2	24	1
5	3	4	7	1	2	6

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1857 आजादी की लड़ाई की पहली गोली चलाने वाले मंगल पांडे को फांसी दी गई.

1894 प्रसिद्ध उपन्यासकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का निधन.

1939 इतावली सेना के हमले के बाद अल्बानिया नरेश जोग देश छोड़कर भाग गये.

1958 परमाणु परीक्षण प्रतिबंध के लिए अमरोका ने आपसी निरीक्षण का प्रस्ताव किया.

1961 अल्जोरियायी विद्रोहियों के साथ शांतिपूर्ण समझौते का फ्रांसीसी जनमत सग्रह ने समर्थन किया.

1986 लेबनान के राष्ट्रपति अमीन गमाएल की पार्टी के कार्यालय के पास कार बम विस्फोट में दस व्यक्ति मरे और 110 घायल हुए.

1996 माधवराव सिंधिया, जी. के. मूपनार नटवर व चिदंबरम सहित अनेक नेता कांग्रेस पार्टी से निष्कासित.

1997 हवाला मामले में अभियुक्त भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी व कांग्रेस के विद्याचरण शुक्ल को दिल्ली उच्च न्यायालय ने आरोपमुक्त किया.

गणित पहेली - 5815

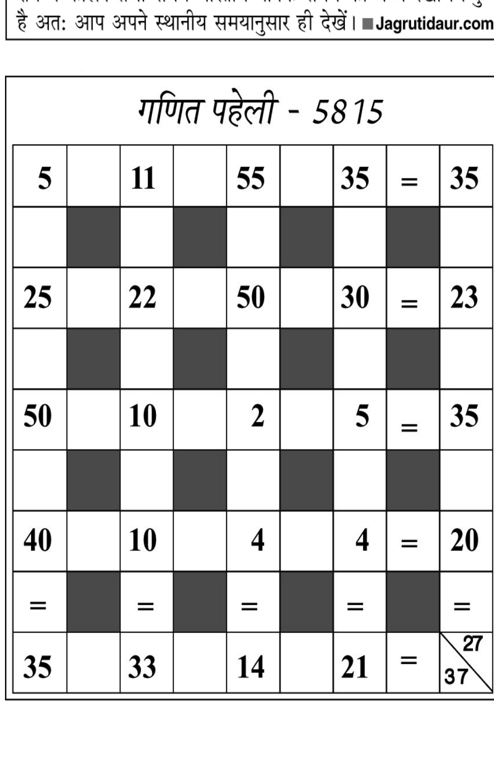

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5814

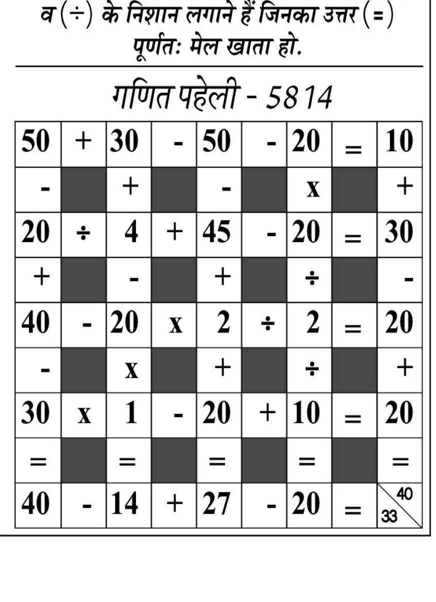

शब्दजाल- 7502

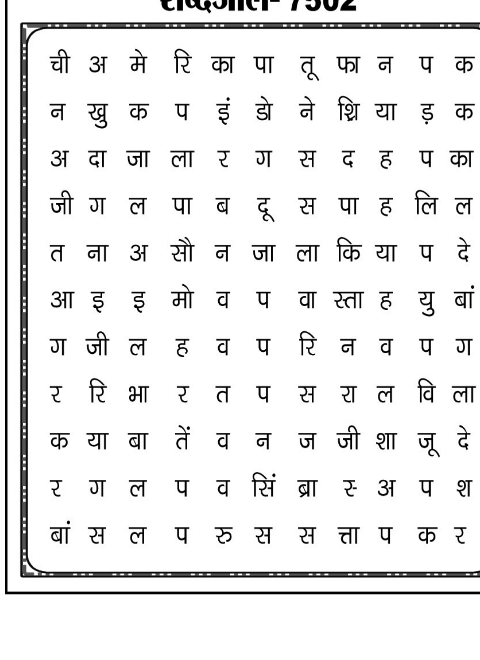

शब्द जाल में सर्वाधिक जनसंख्या वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए.नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

चीन, भारत, अमेरिका, इंडोनेशिया, ब्राजील, पाकिस्तान, बांगलादेश, रूस, नाइजीरिया, जापान.

शब्दजाल - 7501 का हल

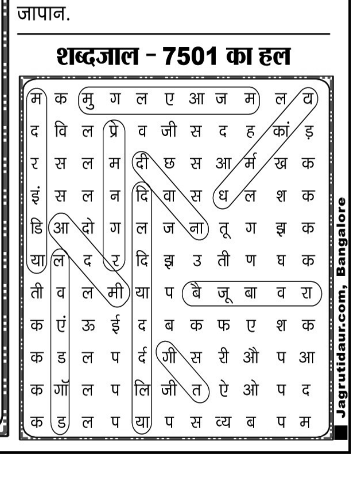

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त खबरें

भाजपा नेता के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग

सरायकेलाः आदित्यपुर में अपराधी इस कदर बेखौफ हैं कि अब वे दिन में भी तांडव मचाने से नहीं हिचक रहे. मंगलवार सुबह करीब 6:55 बजे सालडीह बस्ती में भाजपा नेता सपन दास के आवास पर स्कूटी सवार अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की है. अपराधियों ने तीन राउंड फायरिंग की, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है. हमलावरों ने घर की खिड़की को निशाना बनाया और गाली-गलौज करते हुए पैदल ही फरार हो गए. स्थानीय स्तर पर हमलावरों की पहचान राजू उर्फ टकला और चंदन के रूप में की गई है. गौरतलब है कि बीते 4 अप्रैल को भी इन्हीं अपराधियों ने क्षेत्र में हिंसक वारदात को अंजाम देने की कोशिश की थी. पूर्व पार्षद नील पदम विश्वास ने आरोप लगाया कि पुलिस की शिथिलता के कारण अपराधियों के मनोबल बढ़े हुए हैं. 3 दिन पहले हुई घटना के बावजूद सख्त कार्रवाई न होना पुलिसिया कार्यशैली पर एक बड़ा धब्बा है. फिलहाल, पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है और बस्ती में तनाव को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की जा रही है. इधर, घटना के संबंध में आदित्यपुर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद तिर्की ने बताया कि पुलिस द्वारा गंभीरता से सभी पहलुओं की जांच की जा रही है. अपराधियों की पहचान कर उनके गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है.

झारखंड के 17 जिलों में 8 को बारिश का ऑरेंज अलर्ट

रांचीः राज्य के विभिन्न जिलों में पिछले लगभग 10 दिनों से बादल, बारिश और गर्जन की स्थिति बनी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान भी राज्य के कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। इस दौरान सबसे अधिक बारिश पूर्वी सिंहभूम जिले के गुड़ाबांधा में 52.2 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने 08 अप्रैल को राज्य के 17 जिलों में गर्जन के साथ हल्की बारिश, वज्रपात और ओलावृष्टि की संभावना व्यक्त की है। विभाग की ओर से इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना व्यक्त की गई है। इसे लेकर विभाग की ओर से ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। ऑरेंज अलर्ट जिले में रांची, खूंटी, रामगढ़, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला खरसावां, बोकारो, हजारीबाग, गिरिडीह, कोडरमा, धनबाद, देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गुड्डा और साहिबगंज शामिल हैं। वहीं, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 35.2 डिग्री सरायकेला में और सबसे कम तापमान 16.4 डिग्री सेल्सियस रांची के कांके में रिकॉर्ड किया गया। इधर, मंगलवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ था, लेकिन दोपहर बाद आंशिक बादल छाए रहे और गर्जन के साथ हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई। वहीं, सोमवार को रांची में अधिकतम तापमान 31.3 डिग्री और न्यूनतम 17.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 34.2 डिग्री और न्यूनतम 19.8 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 34 और न्यूनतम 20.3 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 31.5 डिग्री और न्यूनतम 20.1 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20.4 डिग्री सेल्सियस एवं खूंटी में अधिकतम तापमान 32.1 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17.5 रिकार्ड किया गया।

समाजसेवी हेमंत बरला ने रांची मेयर रोशनी खलखो से की मुलाकात, विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा

कोयलांचल संवाद संवाददाता

रांचीः शहर के प्रख्यात समाजसेवी हेमंत बरला ने मंगलवार को रांची नगर निगम कार्यालय में मेयर रोशनी खलखो से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान शहर के विकास, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल समस्या तथा गरीबों के कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। हेमंत बरला ने मेयर को शहर के कई वार्डों में व्याप्त मूलभूत समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में अब भी साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं है और नियमित कचरा उठाव की व्यवस्था को और मजबूत करने की आवश्यकता है। इसके अलावा उन्होंने जल आपूर्ति की अनियमितता, नालियों की सफाई और सड़कों की मरम्मत जैसे मुद्दों पर भी ध्यान आकर्षित किया। मेयर रोशनी खलखो ने समाजसेवी की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि नगर निगम इन समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि नागरिकों की भागीदारी से ही शहर का समुचित विकास संभव है और ऐसे सुझाव प्रशासन के लिए काफी उपयोगी होते हैं।

देवघरः श्रावणी मेला की तैयारी पर डीसी की बैठक

देवघरः देवघर के उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा और पुलिस अधीक्षक सौरभ की संयुक्त अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में श्रावणी मेला 2026 की तैयारियों को बैठक हुई। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को मेले के सफल आयोजन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अपनी कार्ययोजना का विस्तृत प्रस्ताव जल्द उपायुक्त कार्यालय को सौंपने का निर्देश दिया। इसके अलावा बैठक में नए समाहरणालय भवन में विभिन्न सरकारी कार्यालयों के स्थानांतरण तथा संथाल परगना आयुक्त के प्रस्तावित देवघर दौरे को लेकर चर्चा की गई। उपायुक्त ने सभी कार्यालय प्रधानों को निर्देश दिया कि 8 से 12 अप्रैल के बीच अपने-अपने कार्यालयों को नए समाहरणालय भवन में स्थानांतरित कर लें, ताकि नए परिसर से कामकाज सुचारू रूप से शुरू हो सके। बैठक में नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, अपर समाहर्ता हीरा कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

ट्रेनों की लेटलतीफी के खिलाफ सरयू राय का धरना

जमशेदपुरः चक्रधरपुर रेल मंडल में ट्रेनों की लगातार हो रही देरी के विरोध में जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने टाटानगर रेलवे स्टेशन परिसर में धरना दिया। उन्होंने कहा कि आधे घंटे का सफर तीन से पांच घंटे में पूरा हो रहा है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। यह आंदोलन का पहला चरण है और जरूरत पड़ी तो वे इस मुद्दे को लेकर दिल्ली तक जाएंगे। विधायक ने बताया कि दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल में प्रवेश करते ही ट्रेनों की रफ्तार धीमी हो जाती है। नौकरीपेशा लोगों, छात्रों और मरीजों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है। धरने को सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री सहित कई संगठनों का समर्थन मिला। धरने के दौरान सीनियर डीसीएम आदित्य चौधरी ने मौके पर पहुंचकर तकनीकी खामियां दूर कर ट्रेनों के समयपालन में सुधार का आश्वासन दिया।

वंशानुगत बीमारियों की रोकथाम को लेकर राज्य सरकार का बड़ा अभियान

सिकल सेल व थैलेसीमिया की पहचान के लिए राज्य में 1.40 करोड़ लोगों की होगी स्क्रीनिंग

- » शून्य से पांच वर्ष और 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग पर रहेगा फोकस
- » निजी एजेंसी घर-घर जाकर लेगी सैंपल
- » 24 जिलों में चरणबद्ध तरीके से चलेगा अभियान

रांची : राज्य में सिकल सेल एनीमिया और थैलेसीमिया जैसी गंभीर वंशानुगत बीमारियों की समय पर पहचान के लिए सरकार एक व्यापक स्वास्थ्य अभियान शुरू करने जा रही है। इस अभियान के तहत शून्य से पांच वर्ष और 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के करीब 1.40 करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग की जाएगी। इसका उद्देश्य इन बीमारियों की शुरुआती अवस्था में पहचान कर उचित इलाज और परामर्श उपलब्ध कराना है, ताकि भविष्य में इनके प्रसार को रोका जा सके।

इस महत्वाकांक्षी अभियान के लिए राज्य सरकार ने निजी एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया है। फिलहाल इसके लिए टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। पूरे राज्य के 24 जिलों को तीन अलग-अलग क्लस्टर में बांटकर चरणबद्ध तरीके से स्क्रीनिंग कराई जाएगी, ताकि अभियान को व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से चयनित एजेंसी को हर महीने जांच का स्पष्ट लक्ष्य दिया जाएगा। अभियान की खास बात यह होगी कि लोगों के सैंपल घर-घर जाकर लिए जाएंगे, जिससे दूरदराज और ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोग भी आसानी से इस जांच में शामिल हो सकें। एजेंसी फील्ड में काम करने के लिए प्रशिक्षित स्टाफ, आवश्यक उपकरण और संसाधन उपलब्ध कराएगी। जांच के लिए आधुनिक एचपीएलसी तकनीक के साथ ड्राइड ब्लड स्पॉट सैंपल का उपयोग किया जाएगा, जिससे जांच परिणाम अधिक सटीक और भरोसेमंद हों।

ब्लड बैंकों के सुदृढ़ीकरण व संचालन की जिम्मेदारी निजी एजेंसी को

इसके साथ ही राज्य में ब्लड बैंकों के सुदृढ़ीकरण और उनके संचालन की जिम्मेदारी भी निजी एजेंसी को सौंपी जाएगी। रक्त की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से ब्लड बैंकों को आवश्यक संसाधनों से सशक्त किया जाएगा तथा बड़े पैमाने पर रक्तदान शिविरों का आयोजन कराया जाएगा, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध हो सके।

स्क्रीनिंग के बाद सभी जांच रिपोर्ट नेशनल सिकल सेल पोर्टल पर अपलोड की जाएंगी। इसके साथ ही जिन लोगों में बीमारी की पुष्टि होगी या जोखिम पाया जाएगा, उन्हें जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे। लोगों को जागरूक करने के लिए अलग-अलग स्तर पर स्वास्थ्य शिक्षा और सूचना कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। सरकार का लक्ष्य केवल जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि सैंपल कलेक्शन, ट्रांसपोर्टेशन और रिपोर्टिंग की पूरी प्रक्रिया को मजबूत बनाना है।

पूरे अभियान की निगरानी के लिए एक विशेष रियल टाइम डैशबोर्ड तैयार किया जाएगा। इसके जरिए फील्ड में चल रहे काम, सैंपल की स्थिति और रिपोर्ट अपलोड की प्रगति पर लगातार नजर रखी जा सकेगी, जिससे पारदर्शिता और समयबद्धता बनी रहे।

गौरतलब है कि सिकल सेल एनीमिया और थैलेसीमिया दोनों ही हीमोग्लोबिन से जुड़ी आनुवंशिक बीमारियां हैं। भारत में थैलेसीमिया से प्रभावित बच्चों की संख्या काफी अधिक है और झारखंड में भी इसका प्रभाव देखा जाता है। सिकल सेल एनीमिया को केंद्र सरकार ने दिव्यांगता की श्रेणी में शामिल किया है, जिससे इसकी गंभीरता और बढ़ जाती है।

राज्यपाल संतोष गंगवार ने प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को दिया जनहित में कार्य करने का संदेश

रांचीः झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों ने रांची स्थित लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद करते हुए उन्हें जनहित एवं राज्यहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि झारखंड में अपार संभावनाएं हैं और राज्य को विकास के पथ पर आगे बढ़ाते हुए विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने के लिए अधिकारियों को समर्पित भाव से काम करना होगा। राज्यपाल ने अधिकारियों को जमीनी हकीकत से जुड़े रहने की सलाह देते हुए कहा कि नियमित क्षेत्र भ्रमण करें और आम लोगों के साथ लगातार संवाद बनाए रखें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासनिक सेवा में किसी व्यक्ति की पहचान उसके कार्य और व्यवहार से बनती है, इसलिए पारदर्शिता, संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व के साथ काम करना बेहद जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को हर परिस्थिति में सजग और तत्पर रहकर समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी भी उपस्थित रहे।

सीपीए झारखंड शाखा की वार्षिक बैठक

लोकतांत्रिक मूल्यों व समावेशी शासन पर जोर

रांची : झारखंड विधानसभा में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) झारखंड शाखा की वार्षिक आम बैठक में लोकतांत्रिक मूल्यों, सुशासन और समावेशी विकास को मजबूत करने पर जोर दिया गया. बैठक की शुरुआत दिवंगत सदस्यों रामदास सोरेन और रामचंद्र नायक को श्रद्धांजलि अर्पित कर एक मिनट का मौन रखकर की गई.

बैठक में सीपीए के वैश्विक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि 1911 में स्थापित यह संगठन आज 56 से अधिक देशों की 180 से ज्यादा शाखाओं के साथ लोकतांत्रिक संवाद का एक बड़ा मंच बन चुका है. इसका उद्देश्य लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करना, विधायिकाओं की क्षमता बढ़ाना और सदस्य देशों के बीच अनुभव साझा करना है. भारत की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा गया कि देश में सीपीए की 33 शाखाएं सक्रिय हैं, जो विविधता और मजबूत लोकतांत्रिक परंपराओं का उदाहरण प्रस्तुत करती हैं.

बैठक में महिला सशक्तिकरण, छोटे राज्यों की भागीदारी और दिव्यांग प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देने वाली सीपीए इकाइयों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया गया.

झारखंड शाखा की गतिविधियों पर चर्चा करते हुए कहा गया कि राज्य के विधायकों को प्रशिक्षण, अंतरराष्ट्रीय अनुभवों का लाभ और जनहित के मुद्दों को वैश्विक मंच तक पहुंचाने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं.

इस दौरान 2025 में बारबाडोस में आयोजित 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में झारखंड की सक्रिय भागीदारी का भी उल्लेख किया गया. सम्मेलन में लैंगिक समानता, समावेशी शासन और मानव केंद्रित विकास जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ. बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि अगला सम्मेलन केप टाउन (दक्षिण अफ्रीका) में आयोजित होगा.

अंत में, लोकतंत्र को मजबूत करने, तकनीकी नवाचार अपनाने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और समावेशी विकास सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए CPA झारखंड शाखा को और अधिक सक्रिय बनाने का आह्वान किया गया. बैठक में विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो, रांची विधायक व पूर्व मंत्री सीपी सिंह, मंत्री दीपिका पांडे सिंह, वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, विधायक रामचंद्र सिंह सहित कई झारखंड के राजनेता मौजूद रहे.

गढ़वाः होटलों में छापेमारी, तीन होटल सील, 14 जोड़े पकड़े गए

गढ़वाः महानगरों की तर्ज पर अब गढ़वा जैसे छोटे शहरों मे भी देह व्यापार का धंधा खूब फल फूल रहा है. गढ़वा शहर के नामचीन होटलों में छापेमारी हुई है, जिसमें बिना एंट्री के लड़का-लड़की के 14 जोड़ों को पुलिस ने पकड़ा है. इन सभी के पास से अवांछित सामान भी बरामद हुए. वहीं, तीन होटलों को सील कर दिया गया. एसडीएम और एसडीपीओ के नेतृत्व में छापेमारी की गई, जिससे शहर के होटल मालिकों में दहशत फैल गई.

गुप्त सूचना मिलने के आधार पर छापेमारीः दरअसल, गढ़वा सदर थाने की पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली थी कि शहर के कई होटलों में इन दिनों देह व्यापार का अवैध धंधा चल रहा है. जिसके बाद एक होटल में छापेमारी की गई तो नाबालिग लड़के और लड़कियां मिलने से सबूत और पुख्ता हो गए. फिर पुलिस ने इसकी जानकारी एसडीएम को दी, जिसके बाद एक टीम बनाई गई.

टीम में एसडीपीओ गढ़वा, डीएसपी मुख्यालय, सीओ, दो इंस्पेक्टर एवं भारी पुलिस शामिल थे. इसके बाद पूरी टीम शहर के तीन होटलों में जांच के लिए पहुंची तो एक होटल से पुलिस ने आठ जोड़े युवक-युवतियों को पकड़ा. जबकि शहर के रंका रोड दानरो नदी पुल के पास स्थित एक होटल से तीन जोड़ों को बरामद किया गया. इस तरह कुल 14 जोड़े को पुलिस ने पकड़ा और सभी को पूछताछ के लिए थाने ले आई. वहीं, तीन होटल को सील करते हुए कर्मचारियों को पूछताछ के लिए थाने ले गई. साथ ही साथ सभी होटल के एंट्री रजिस्टर भी जब्त कर लिए गए हैं.

14 जोड़े बरामद किए गएः मामले में एसडीपीओ और एसडीएम ने कहा कि सदर थाने की पुलिस को सूचना मिली थी कि शहर के होटलो में बिना कागजात के रूम में एंट्री दिया जा रहा है. इसमें पुलिस को संदेह हुआ, जिसके बाद छापेमारी की गई. छापेमारी में तीन होटल से कुल 14 जोड़े बरामद किए गए हैं, जिसमें कुछ नाबालिग भी हैं. इन सभी की जांच की जा रही है. वहीं, होटलों को सील कर दिया गया है और कर्मचारियों को पूछताछ के लिए थाना ले जाया गया है. मामले के तहत आगे की कार्रवाई होगी.

गोईलकेराः कुईडा में हाथियों ने मचाया उत्पात, घरों को किया क्षतिग्रस्त, फसल कर गए चट

चाईबासाः पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोईलकेरा प्रखंड की कुईडा पंचायत में हाथी का कहर बीते दो दिनों से लगातार जारी है. पंचायत के बुरुदुईया, वनग्राम रबुआकोचा गांव में जंगली हाथियों के उत्पात से लोग परेशाय और दहशत में है. इस दौरान हाथियों ने कई घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया.

जंगली हाथियों ने घरों को क्षतिग्रस्त कर अनाज को चपत कर दिया. अचानक गांव में घुसे हाथियों के कारण कई लोग बाल-बाल बच गए. मंगलवार को मामले की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम व कुईडा पंचायत के मुखिया डॉ. दिनेश चंद्र बोयपाई गांव पहुंचे और मामले की जानकारी ली. साथ ही पीड़ित परिवार के सदस्यों को तत्काल राहत के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया. इधर हाथियों के आतंक से ग्रामीण परेशान है. वहीं, जंगल से सटे गांव के ग्रामीण रात में रतजगा करने को मजबूर है. बता दें, कि साल के पहले महीने में जंगली हाथी के कुचले जाने से प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के 6 ग्रामीणों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी. वन विभाग की टीम हाथियों को खदड़ने के प्रयास में जुटी है.

रिम्स जमीन मामले में एसीबी की बड़ी कार्रवाई, चार गिरफ्तार

रांचीः रिम्स की जमीन को अवैध तरीके से बेचने के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई की है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में रांची के बांधगाड़ी निवासी राजकिशोर बड़ाईक, कार्तिक बड़ाईक, कोकर चौक आदर्श नगर राजेश कुमार झा और चेतन कुमार शामिल है।

जानकारी के अनुसार, आरोपितों ने गलत वंशावली तैयार कर व्यक्तिगत लाभ के उद्देश्य से रिम्स की अधिग्रहित भूमि की धोखाधड़ी कर खरीद-बिक्री की। जांच के दौरान दस्तावेजों में हेरफेर और अवैध लेन-देन से जुड़े साक्ष्य मिलने के बाद कार्रवाई की गई।

उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय के आदेश पर एसीबी ने मामले में (कांड संख्या 01/2026)प्राथमिकी दर्ज की है। वर्ष 1964-65 में अधिग्रहित की गयी सात एकड़ से अधिक जमीन पर अवैध तरीके अपार्टमेंट और भवन बनाए गए थे। अधिकारियों, बिल्डरों और भू माफियाओं की भूमिका की जांच का निर्देश उच्च न्यायालय ने दिया था।

कोर्ट ने राजस्व विभाग, रांची नगर निगम, निबंधन कार्यालय और आरआरडीए के अधिकारियों की मिलीभगत की जांच के लिए एसीबी को प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश दिए थे।

दरअसल रिम्स की सात एकड़ से अधिक अधिग्रहित जमीन पर अवैध कब्जा कर मल्टी स्टोरी बिल्डिंग, दुकानें और पार्क बनाई गई थी। कई फ्लैट बेच भी दिए गये थे। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद इन अवैध बिल्डिंगों को तोड़ दिया गया था. उच्च न्यायालय ने रिम्स से संबंधित जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मामले की जांच एसीबी को करने का आदेश दिया था।

उल्लेखनीय है किकि इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 318/336/338/340/61/49 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 13 (2) सहपठित 13(1)(डी) एवं 12 और संशोधित

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 2018 की धारा 13(2) R/W 13(1)(ए) एवं 12 के तहत चारों आरोपितों पर केस दर्ज किया गया है।

धनबाद-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस को सांसद ने दिखाई हरी झंडी

धनबादः धनबाद स्टेशन पर नई ट्रेन के नियमित परिचालन के शुभारंभ जैसे अहम अवसर पर जो घटनाक्रम सामने आया, उसने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. दरअसल, धनबाद–लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस ट्रेन का उद्घाटन सोमवार रात 11 बजे होना निर्धारित था. इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को लेकर तैयारियां भी पूरी कर ली गई थीं, लेकिन अंतिम समय में जो कुछ हुआ, उसने पूरे आयोजन की गरिमा पर सवाल खड़ा कर दिया.

यह पहला मामला नहीं है, जब सरकारी कार्यक्रमों में श्रेय लेने की होड़ ने विवाद को जन्म दिया हो. इससे पहले भी कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भूमिका को नजरअंदाज किए जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं, जिससे अनावश्यक तनाव और असंतोष पैदा हुआ है.

सांसद ने ट्रेन का किया उद्घाटनः हालांकि, कार्यक्रम के तहत ही सोमवार रात 11 बजे धनबाद से मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस के लिए नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन सेवा की शुरुआत हो गई है. सोमवार की रात ठीक 11 बजे यह ट्रेन धनबाद स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 7 से रवाना हुई. सांसद ढुल्लू महतो ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया. सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि इस ट्रेन की शुरुआत ऐसे दिन हुई है, जब भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस भी है, जिससे इस अवसर का महत्व और बढ़ जाता है. उन्होंने कहा कि धनबाद की जनता ने उन्हें जो प्यार और विश्वास दिया है, वे उस पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे और क्षेत्र की सुविधा के लिए लगातार काम करते रहेंगे. साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस ट्रेन को भविष्य में दैनिक सेवा में बदलने के लिए प्रयास किया जाएगा.

मेयर और विधायक का क्यों किया गया निमंत्रण रद्द

कार्यक्रम के लिए महापौर संजीव सिंह और झरिया विधायक रागिनी सिंह को विधिवत आमंत्रित किया गया, उनके नाम से बैनर-पोस्टर तक लगाए गए. लेकिन हैरानी की बात यह रही कि कार्यक्रम शुरू होने से ठीक पहले, महज एक घंटे पूर्व, उनका निमंत्रण रद्द कर दिया गया. इसे केवल एक प्रशासनिक चूक मानना मुश्किल है. यह लापरवाही और असंवेदनशीलता की स्पष्ट झलक देता है. सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देश पहले से लागू थे, तो फिर आमंत्रण जारी क्यों किया गया? क्या अधिकारियों ने नियमों की अनदेखी की, या फिर अंतिम समय में किसी दबाव के कारण निर्णय बदला गया? कार्यक्रम स्थल से आनन-फानन में बैनर-पोस्टर हटाए जाने की घटना इस पूरे मामले को और संदिग्ध बना देती है.

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/2013/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।